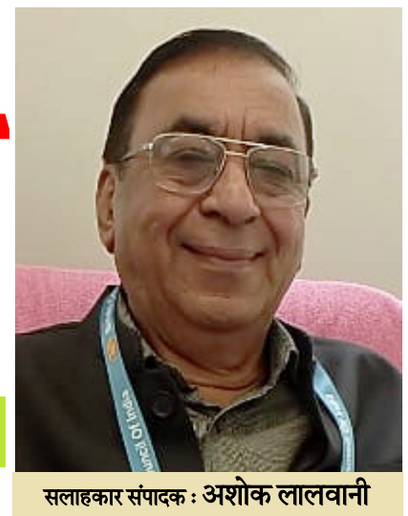
www.shabdawanisamachar.page

राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

RNI NO. DELHI/2003/09049



दैनिक शब्दवाणी समाचार



सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 296 नई दिल्ली, बुधवार , 19 अगस्त, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रूपये

Dedicated to Sindhi Council of India

जंतर-मंतर प्रदर्शन मामला

पुलिस ज्यादती की जांच करेगी समिति

सुप्रीम कोर्ट ने कहा संसद मार्च के दौरान बनाए गए वीडियो समिति को सौंपे जाएंगे

- महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाए जाने की भी जांच होगी
- समिति सदस्यों के नाम को लेकर सभी पक्षों का सुझाव लिया जाएगा



नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ पुलिस की ज्यादती के आरोपों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाएगा। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान बनाए गए वीडियो फुटेज को उच्च स्तरीय समिति को सौंपने का निर्देश दिया जाएगा। समिति इन रिकॉर्डिंग की जांच करेगी। यह समिति इन वीडियो की जांच करेगी। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक, यह उच्च स्तरीय समिति 20 जुलाई के प्रदर्शन के दौरान महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाए जाने के आरोपों की भी जांच करेगी।

आज आदेश जारी कर सकता है कोर्ट

चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की पीठ बुधवार को आदेश जारी करेगी। इससे पहले पीठ मामले में शामिल किए जाने वाले सदस्यों के नाम को लेकर सभी पक्षों का सुझाव लेगी। छात्रों के प्रदर्शन के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पुलिस की ज्यादती के आरोपों की जांच करने वाली समिति में पूर्व जज, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के पूर्व निदेशक और किसी राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शामिल होंगे।

सुनवाई के दौरान पीठ ने केंद्र की ओर

फांसी की सजा को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने उच्चतम न्यायालय ने मौत की सजा के निष्पादन के लिए फांसी की प्रक्रिया को हटाने की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए उसे खारिज कर दिया है। लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में इस मुद्दे पर पुनर्विचार का रास्ता खुला रहेगा।

दोनों पक्षों से नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा

सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों को एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। मामले से जुड़े सभी सबूत और दूसरी सामग्री नोडल अधिकारी को सौंपी जाएगी और वही उसे कोर्ट तक पहुंचाएगा। इससे आगे की सुनवाई को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की वकील वृंदा ग्रोवर ने पैलेट गन से घायल हुए लोगों और अन्य घायलों का मुद्दा उठाया। वहीं पुलिसकर्मियों की ओर से पेश वकील ने प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर पथराव किए जाने की बात कही।

बिहार सरकार ने एके-47 से फायरिंग पर दी सफाई

नई दिल्ली। बिहार में छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कथित बर्बरता को लेकर दायर जनहित याचिकाओं पर राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर पुलिस पर 'अनुचित बल' के इस्तेमाल के आरोपों से इनकार किया है। हलफनामे में बिहार सरकार ने कहा है कि कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जरूरी कदम उठाए थे। सीवान में पुलिसकर्मी द्वारा एके-47 से फायरिंग के मामले में राज्य सरकार ने कहा कि भीड़ में फंस जाने के बाद एक कांस्टेबल ने हवा में चार गोलियां चलाई थीं।

छात्रों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर लगाई रोक

इस दौरान कोर्ट ने साफ कहा कि गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को छोड़कर बाकी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई की। एक याचिका में मांग की गई है कि जंतर-मंतर की जगह धरना-प्रदर्शन के लिए कोई और जगह तय की जाए। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'जिन प्रदर्शनकारियों के आपराधिक रिकॉर्ड में हत्या, रेप, पॉक्सो जैसे गंभीर अपराध के मुकदमे हैं, उन्हें छोड़कर बाकी के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए।' सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी इस बात से सहमति जताई। सीजेआई ने कहा कि जहां तक छात्रों की बात है, वे शांतिपूर्ण तरीके से प्रोटेस्ट में हिस्सा ले रहे थे।

भाजपा में फिर हुआ फेरबदल

विनोद तावड़े को मिली उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी



नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात में नए प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए हैं। जिसमें विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश, सतीश पूनिया को पंजाब और तरुण चुघ को गुजरात की जिम्मेदारी मिली है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के लिए नए प्रदेश प्रभारियों और सह-प्रभारी की नियुक्ति की है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश का प्रभारी और राष्ट्रीय मंत्री जगदीश ईश्वरभाई पटेल को सह प्रभारी नियुक्त किया है।

सतीश पूनिया को पंजाब व तरुण चुघ को गुजरात का बनाया गया प्रभारी

राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी तरुण चुघ ने आज एक विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्री नवीन ने पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पुनिया को पंजाब का प्रभारी नियुक्त किया है। राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी तरुण चुग को गुजरात का पार्टी प्रभारी नियुक्त किया गया है।

उन्होंने कहा कि ये सभी नियुक्तियां तत्काल रूप से प्रभावी होंगी। अन्य राज्यों में पार्टी के प्रभारियों की नियुक्तियां समयानुसार की जाएंगी, तब तक वर्तमान प्रभारी व्यवस्था लागू रहेगी।

सार संक्षेप

ब्रिक्स देशों का पर्यावरण संरक्षण में सहयोग बढ़ाने का संकल्प



नई दिल्ली। भारत की अध्यक्षता में हुई 12वीं ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों की बैठक में सदस्य देशों ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से निपटने और सतत विकास के लिए आपसी सहयोग को मजबूत करते हुए ज्ञान, अनुभव, अग्रणी तौर-तरीकों और नवाचारों को साझा करने का निर्णय लिया है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा है विकासशील देशों और वैश्विक दक्षिण की चिंताओं को एजेंडे में प्राथमिकता दी गई है।

इमरान को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराएं: पाक सुप्रीम कोर्ट



इस्लामाबाद । पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम फैसले में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक इमरान खान को अगले 48 घंटों में बेहतर इलाज के लिए इस्लामाबाद के एक अस्पताल में भेजने का आदेश दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री श्री खान की पार्टी ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी।

बंगाल की खाड़ी में आंध्र के आठ मछुआरे लापता



अमरावती। आंध्र प्रदेश के बी.आर. अंबेडकर कोनसीमा जिले के आठ मछुआरे बंगाल की खाड़ी में मछली पकड़ने के दौरान लापता हो गए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अल्लावरम मंडल के ओडालारेवु, डुम्मलापेटा और वसलाटिप्पा गांवों के रहने वाले ये मछुआरे तीन अगस्त को सुबह करीब 10 बजे ओडालारेवु जेट्टी से नाव लेकर समुद्र में मछली पकड़ने निकले थे।

पीएम केयर्स को मिलने वाले दान में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पीएम केयर्स फंड में घरेलू दान 2024-25 में 30 फीसदी घटकर करीब 479 करोड़ रुपए रह गया। विदेशी दान भी 18 फीसदी घटकर 92.8 लाख रुपए रह गया है। फंड की ताजा ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक, 31 मार्च 2025 तक पीएम केयर्स फंड में कुल 8,452 करोड़ रुपए जमा थे। एक साल पहले 31 मार्च 2024 को यह रकम 7,173 करोड़ रुपए थी। इस रकम में 7,846 करोड़ रुपए फिक्स्ड डिपॉजिट और 605 करोड़ रुपए सेविंग्स बैंक अकाउंट में रखे गए थे। साल 2023-24 में पीएम केयर्स



- पीएम केयर्स में घरेलू दान 30 फीसदी घटा
- विदेशी दान में 18 फीसदी की गिरावट

फंड में को घरेलू दान के तौर पर 681.8 करोड़ रुपए मिले थे। इसी साल विदेशी दान से 1.13 करोड़ रुपए मिले थे। साल 2024-25 में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन स्कीम पर 87.8 लाख रुपए खर्च किए गए। पिछले साल इस स्कीम पर 15.37 करोड़ रुपए खर्च हुए। साल 2024-25 में फंड से कुल 87.85 लाख रुपए का भुगतान किया गया। पिछले साल यह रकम 15.6 करोड़ रुपए थी।

वेंटिलेटर खरीदने पर खर्च हुई रकम

पीएम केयर फंड का इस्तेमाल समय-समय पर इमरजेंसी केयर बढ़ाने के लिए किया गया। इसके तहत केंद्र और राज्य सरकारों के अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगाने और वेंटिलेटर खरीदने पर पैसा खर्च किया गया।

दिल्ली जल बोर्ड एसटीपी टेंडर में कथित भ्रष्टाचार मामले में सत्येंद्र जैन समेत छह गिरफ्तार

नई दिल्ली, 18 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों के उन्नयन और क्षमता विस्तार से जुड़े टेंडर में कथित अनियमितताओं, शर्तों में हेरफेर और रिश्वत के लेन-देन के मामले में दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने पूर्व मंत्री सत्येंद्र कुमार जैन समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं आईएएस अधिकारी उदित प्रकाश राय, बोर्ड के पूर्व संविदा सलाहकार अंकित श्रीवास्तव तथा तीन निजी व्यक्ति नागेंद्र यादव, राजा कुमार कुर्रा और पंकज वर्मा शामिल हैं। एसीबी के अनुसार, मामला दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय की शिकायत पर 11 मई 2024 को दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है। प्राथमिकी में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के



साथ भारतीय दंड संहिता की धोखाधड़ी, आपराधिक न्यासभंग और आपराधिक साजिश से संबंधित धाराएं लगाई गई थीं।

जांच में एसीबी ने दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों के उन्नयन से संबंधित टेंडर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, टेंडर की तकनीकी शर्तें इस तरह तैयार और संशोधित की गईं, जिससे एक खास तकनीक उपलब्ध कराने वाली निजी कंपनी को कथित तौर पर फायदा पहुंचा और प्रतिस्पर्धा सीमित हुई। एसीबी के अनुसार, जांच के दौरान प्रस्तावित पायलट अध्ययन नहीं कराए जाने, इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक और मीडिया से जुड़ी प्रतिबंधात्मक शर्तें शामिल किए जाने तथा उपचारित पानी से संबंधित आवश्यक मानकों को टेंडर में शामिल नहीं किए जाने की जानकारी सामने आई। इसके अलावा तकनीकी विनिदेर्शों में भी कथित तौर पर ऐसे बदलाव किए गए, जिनका सरकारी खजाने पर महत्वपूर्ण वित्तीय प्रभाव पड़ा। जांच एजेंसी ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण में निजी व्यक्तियों और कुछ सरकारी अधिकारियों के बीच कथित बातचीत सामने आई।

इसमें टेंडर की शर्तों, शुद्धिपत्र और अन्य दस्तावेजों के आदान-प्रदान की जानकारी मिली। एसीबी का दावा है कि इन दस्तावेजों में शामिल कुछ शर्तों को बाद में दिल्ली जल बोर्ड की ओर से जारी टेंडर में शामिल किया गया। इससे निजी पक्षों और सरकारी अधिकारियों के बीच कथित सांठगांठ की जांच को आधार मिला।

एसीबी के मुताबिक, वित्तीय जांच में कथित रिश्वत और कमीशन की रकम को मध्यस्थ संस्थाओं के जरिये स्थानांतरित किए जाने के संकेत मिले हैं। जांच में सामने आया कि नागेंद्र यादव की स्वामित्व वाली फर्म एएन एंटरप्राइजेज के खातों में निजी तकनीक प्रदाता से जुड़ी संस्थाओं की ओर से बड़ी रकम स्थानांतरित की गई। जांच एजेंसी का आरोप है कि इसी माध्यम से दिल्ली जल बोर्ड के तत्कालीन सीईओ उदित प्रकाश राय और उनके रिश्तेदारों के बैंक खातों में करीब 1.52 करोड़ रुपये पहुंचे। एसीबी के अनुसार, इस रकम का कथित तौर पर अचल संपत्ति खरीदने में इस्तेमाल किया गया। एजेंसी अब इस रकम के पूरे लेन-देन और कथित अपराध से अर्जित धन की कड़ी की जांच कर रही है।

रेलवे स्टेशनों पर पीने के पानी पर जागी सरकार

20 हजार वाटर पॉइंट्स पर लगेंगे हाईटेक फिल्टर

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कैग की रिपोर्ट के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देशभर में रेलवे स्टेशनों पर पीने के पानी की व्यवस्था में बड़े बदलाव का आदेश दिया है। इसके तहत अब लगभग 20,000 जगहों पर 'टैंक टू टैप' फिल्टरेशन और मॉनिटरिंग सिस्टम लागू किया जाएगा। कैग की ऑडिट रिपोर्ट में कई स्टेशनों पर पीने के पानी की सुविधाओं में गंदगी के जोखिम और कमियों की ओर इशारा किया गया था।

इस पहल में पानी की आपूर्ति की पूरी चेन शामिल होगी। इसके तहत रेलवे पुराने पानी के टैंकों को बदलने, सोर्स और आउटलेट पॉइंट पर नियमित टेस्टिंग करने और टैंकों की तय समय पर सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करने की योजना बना रहा है।

पीने के पानी, साफ-सफाई में बड़ी कमियां मिली थी

यह कदम 512 गैर-उपनगरीय रेलवे स्टेशनों के कैग ऑडिट के बाद उठाया गया है, जिसमें पीने के पानी, साफ-सफाई और यात्रियों के लिए जरूरी दूसरी सुविधाओं में बड़ी



- कैग रिपोर्ट के बाद लिया फैसला

कमियां पाई गई थीं। ऑडिट में आठ स्टेशनों कोयंबटूर, पलक्कड़ जंक्शन, हैदराबाद, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, भिवंडी रोड, कल्याण, लोनावला और मधुपुर पर वॉटर-कूलर के पानी के सैंपल में ई. कोलाई बैक्टीरिया पाया गया। प्लेटफॉर्म पर लगे नल के पानी के सैंपल में भी टोटल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मिला। 2022-23 में 49 स्टेशनों और 2023-24 में 56 स्टेशनों पर पानी में गंदगी पाई गई। कैग की रिपोर्ट में पाया गया कि 512 में से 458 स्टेशन जरूरी सुविधाओं के स्टैंडर्ड पर खरे नहीं उतरे। कमियों में 201 स्टेशनों पर टॉयलेट की अपर्याप्त सुविधा, 403 स्टेशनों पर यूरिनल और 2,035 जगहों पर पीने के पानी के नल की कमी शामिल थी।

मणिपुर में 46 उग्रवादियों का आत्मसमर्पण, दो उग्रवादी और ड्रग्स तस्करी के आरोपित गिरफ्तार

इंफाल, 18 अगस्त (हि.स.)। मणिपुर में शांति बहाली के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सुरक्षा बलों को मंगलवार को तब बड़ी सफलता मिली, जब प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केसीपी (ताइबांगनबा) के 46 कैडरों ने हथियार डालकर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। इस दौरान दो अन्य उग्रवादी कैडरों और ड्रग्स तस्करी के एक आरोपित को भी गिरफ्तार किया गया। इंफाल स्थित प्रथम मणिपुर राइफल्स परेड ग्राउंड में आयोजित घर वापसी समारोह में 46 कैडरों ने मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

उन्होंने 20 हथियार, 216 राउंड गोला-बारूद और तीन विस्फोटक भी सुरक्षा बलों को सौंपे। आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों के पुनर्वास की प्रक्रिया भारत सरकार की नॉर्थ ईस्ट राज्यों में उग्रवादियों के आत्मसमर्पण और पुनर्वास के लिए संशोधित योजना, 2018 के तहत की जाएगी। इस बीच, इंफाल पश्चिम जिले के इंफाल थाना क्षेत्र के केइशमपट लीमाजाम लीकाई इलाके में तलाशी अभियान के दौरान सीडीओ-आईडब्ल्यू की टीम ने केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के सदस्य ख्वाइराकपाम मालेमचाओबा मैतेई (29) उर्फ मैतेई को गिरफ्तार किया।

रांची में आंदोलनकारी देवेंद्र नाथ महतो ने अनशन तोड़ा, सोनम वांगचुक ने दी बधाई

रांची, 18 अगस्त (हि.स.)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा रद्द करने का फैसले से आंदोलनकारी छात्रों में जश्न का माहौल है। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और मंत्री दीपिका पांडे सिंह सोमवार देररात सदर अस्पताल पहुंचे और छात्र नेता देवेंद्र महतो को जूस पिलाकर अनशन खत्म कराया। यह खबर फैलते ही सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने देररात झारखंड के छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो से वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत की और उन्हें बधाई दी। उन्होंने झारखंड के छात्रों की मेहनत और निष्ठा की सराहना करते हुए सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान झारखंड सरकार और मुख्यमंत्री की भूमिका की भी सराहना की गई। बातचीत में इस बात पर जोर दिया गया कि सरकार और जनता मिलकर आगे भी काम करे और जहां भी कमियां या समस्याएं सामने आएं, उन्हें मिलकर दूर किया जाए।

यूपी-जापान निवेश साझेदारी को नई रफ्तार, 200 से अधिक जापानी कारोबारी पहुंचे भारत

नई दिल्ली, 18 अगस्त (हि.स.)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जापान के यामानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर कोटारो नागासाकी का स्वागत किया। गवर्नर नागासाकी 200 से अधिक जापानी सीईओ, कारोबारी नेताओं, उद्योग प्रतिनिधियों और नीति-निमार्ताओं के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। यह प्रतिनिधिमंडल यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट 2026 में भाग लेने भारत आया है।

नई दिल्ली में जापानी प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में आयोजित स्वागत रात्रिभोज के साथ इस पांच दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जापान की उत्तर प्रदेश में बढ़ती निवेश रुचि को निवेश, तकनीकी साझेदारी, विनिर्माण परियोजनाओं और रोजगार के अवसरों में परिवर्तित करना है।

जापानी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-जापान के मजबूत आर्थिक संबंधों और भारत में जापानी कंपनियों के लिए उपलब्ध बढ़ते अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का बेहतर होता बुनियादी ढांचा, कुशल कार्यबल और निवेश अनुकूल माहौल जापानी कंपनियों के वैश्विक विस्तार के लिए बेहतर अवसर प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश जापानी निवेशकों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा, कुशल प्रतिभा और निवेश अनुकूल नीतियां जापानी कंपनियों को प्रदेश में निवेश, विस्तार और रोजगार सृजन के लिए मजबूत आधार उपलब्ध कराती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह साझेदारी उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के विजन के अनुरूप है। इसमें विनिर्माण और तकनीक आधारित विकास में जापान की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

यामानाशी के गवर्नर कोटारो नागासाकी ने कहा कि यह यात्रा यामानाशी और उत्तर प्रदेश के बीच आर्थिक एवं संस्थागत संबंधों को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा, तकनीक, कौशल विकास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर बल दिया।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे लाइन के पास चाकू दिखाकर लूट, दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, 18 अगस्त (हि.स.)। बाहरी जिले के नांगलोई इलाके में रेलवे लाइन के पास चाकू के बल पर युवक से लूटपाट करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान नांगलोई निवासी नितिन उर्फ डाऊ रूपे (20) और किराड़ी निवासी राहुल (19) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल बटन वाला चाकू बरामद किया है। मामले में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 14 अगस्त को एक युवक ने नांगलोई थाने में शिकायत दी थी। उसने बताया कि वह घर जा रहा था और वीना एन्क्लेव के पीछे रेलवे लाइन के पास पहुंचा था। इसी दौरान चार लड़कों ने पीछे से उसे घेर लिया। एक बदमाश ने उसे पीछे से पकड़ लिया, जबकि दो अन्य ने उसके हाथ पकड़ लिए। तभी चौथे बदमाश ने चाकू निकालकर उसे धमकाया। इसके बाद बदमाश उससे 1500 रुपये और मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर नांगलोई थाने में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। वारदात में शामिल बदमाशों की पहचान के लिए पुलिस टीम ने इलाके में छानबीन शुरू की। एसएचओ पवन तोमर के नेतृत्व में एसआई राकेश, हेड कांस्टेबल संजय और कांस्टेबल दिनेश की टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम शिकायतकर्ता को साथ लेकर नांगलोई रेलवे लाइन के आसपास आरोपितों की तलाश कर रही थी। इसी दौरान शिकायतकर्ता ने दोनों आरोपितों को पहचान लिया। पुलिस ने तुरंत राहुल और नितिन को दबोच लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से लूटा गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल बटन वाला चाकू बरामद हुआ। पुलिस पूछताछ में दोनों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अब फरार आरोपितों की तलाश में दबिश दे रही है। मामले की जांच जारी है।

बच्चों ने चित्रों में उकेरा मेरा भारत-एकता में विविधता का संदेश

नई दिल्ली, 18 अगस्त (हि.स.)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर नॉर्थ ईस्टर्न रीजन की ओर से नानकपुरा स्थित कार्यालय में बच्चों के लिए ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय मेरा भारत-एकता में विविधता रखा गया। बच्चों ने रंगों और कल्पना के जरिए देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और विविधता में एकता का संदेश दिया। स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर नॉर्थ ईस्टर्न रीजन कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में मंगलवार को आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता को तीन श्रेणियों में बांटा गया था। पहली श्रेणी में कक्षा एक से पांच, दूसरी में कक्षा छह से 10 और तीसरी श्रेणी में कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने अपनी रचनात्मकता और कल्पनाशीलता का प्रदर्शन करते हुए देश की एकता, विविधता और राष्ट्रीय गौरव से जुड़े चित्र बनाए। बच्चों की पेंटिंग में देशभक्ति के साथ ही अलग-अलग संस्कृतियों और समुदायों के बीच आपसी सौहार्द का संदेश भी देखने को मिला। प्रतियोगिता के समापन पर प्रत्येक श्रेणी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। वहीं, प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चों को उनकी भागीदारी के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। पुलिस अधिकारी के अनुसार, इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों को स्वतंत्रता दिवस से जोड़ने के साथ उनमें देशभक्ति, समावेशिता और एकता में विविधता की भावना को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम ने बच्चों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा के जरिए देश के प्रति भावनाएं व्यक्त करने का अवसर भी दिया।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली, 18 अगस्त (हि.स.)। ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज सुस्ती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह एशिया में भी आज आमतौर पर दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव तथा महंगाई की चिंता की वजह से अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी का रुख बना हुआ है। इसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करते रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,745.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.32 प्रतिशत टूट कर 26,644.91 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.09 प्रतिशत लुढ़क कर 53,410.11 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,720.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,579.60 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 101.70 अंक यानी 0.39 प्रतिशत फिसल कर 26,338.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिर्फ एक सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजारों में इकलौता इंडोनेशिया स्टॉक एक्सचेंज का जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 75.32 अंक यानी 1.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,477.21 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 130.50 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,244.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 182.23 अंक यानी 0.72 प्रतिशत लुढ़क कर 25,271 अंक के स्तर तक आ गया है। निक्केई इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 1,295.25 अंक यानी 1.87 प्रतिशत फिसल कर 67,925 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स में भी आज बड़ी कमजोरी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 1.21 प्रतिशत टूट कर 5,698.91 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। वहीं ताइवान वेटेड इंडेक्स 463.98 अंक यानी 1.01 प्रतिशत गिर कर 45,393.29 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.58 प्रतिशत लुढ़क कर 6,937.21 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,966.99 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,625.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दिल्ली को 200 ईवी बसें, दिल्ली-करनाल रूट और लेडीज स्पेशल बसों की बुधवार को मिलेगी सौगात

नई दिल्ली, 18 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बुधवार को 200 नई जीरो-एमिशन इलेक्ट्रिक बसें और दिल्ली-करनाल अंतरराज्यीय इलेक्ट्रिक बस सेवा और 56 डेडिकेटेड 'लेडीज स्पेशल' इलेक्ट्रिक बसों की सौगात दिल्ली को देंगे। इसके साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में डीटीसी के राजघाट डिपो-1 में ईवी चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। यहां आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, सांसद मनोज तिवारी और विधायक सूर्य प्रकाश खत्री शामिल होंगे।

दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि 200 नई इलेक्ट्रिक बसों के दिल्ली परिवहन निगम के बेड़े में शामिल होने से बसों की कुल संख्या लगभग 6800 हो जाएगी, जिसमें 4938 इलेक्ट्रिक बसें और 1750 सीएनजी बसें शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि इस नए बेड़े में 12 मीटर वाली 88 इलेक्ट्रिक बसें और 9 मीटर वाली 112 देवी इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं।

परिवहन मंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग और डीटीसी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर आधारित एक सुचारू और तय समय-सीमा वाले फ्लीट विस्तार कार्यक्रम को लागू कर रही हैं। इस कार्यक्रम के तहत वित्त वर्ष 2028-29 तक राजधानी दिल्ली में बसों की संख्या बढ़कर लगभग 14000 हो जाने का अनुमान है, जिससे स्वच्छ और सस्टेनेबल शहरी सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में शहर की राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थिति और ज्यादा मजबूत होगी।

अंतर-राज्यीय इलेक्ट्रिक कनेक्टिविटी को एक नए स्तर पर ले जाते हुए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) दिल्ली-करनाल रूट पर पांच पूरी तरह से इलेक्ट्रिक, एयर-कंडीशन्ड बसें शुरू करेगा। यह सेवा लगभग 133 किलोमीटर लंबे वन-वे कॉरिडोर पर दोनों दिशाओं में रोजाना 10 ट्रिप की सुविधाएं देगी। परिवहन मंत्री ने बताया कि दिल्ली-करनाल सेवा यात्रियों को इंटर स्टेट यात्रा के लिए एक साफ-सुथरा, आरामदायक और किफायती सेवा का विकल्प प्रदान करेगी।

यह रूट महाराणा प्रताप आईएसबीटी, कश्मीरी गेट को सीधे हरियाणा के करनाल से जोड़ेगा, जिसमें सिंघू बॉर्डर, राय, भालगढ़, मुरथल, गन्नौर, समालखा, पानीपत, घरौंदा और मधुबन समेत कई महत्वपूर्ण स्थान शामिल होंगे।

यह नई सर्विस डीटीसी की मौजूदा अंतर-राज्यीय इलेक्ट्रिक बस सेवाओं के विस्तार को और ज्यादा आगे बढ़ाती है। ये बसें दिल्ली को बरौत, सोनीपत, धारूहेड़ा, पानीपत और रोहतक से जोड़ती हैं, जिससे जीरो-एमिशन वाले पब्लिक ट्रांसपोर्ट का नेटवर्क राजधानी दिल्ली की सीमाओं से बाहर तक फैल रहा है।

महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा और पहुंच को और ज्यादा बेहतर बनाने के लिए डीटीसी महिलाओं के लिए विशेष तौर पर 56 इलेक्ट्रिक बस सेवाएं शुरू कर रहा है। इनमें ज्यादा डिमांड वाले 15 रूटों पर लेडीज स्पेशल की 30 ट्रिप और 13 रूट पर यूनिवर्सिटी लेडीज स्पेशल (यू-एसपीएल) की 26 ट्रिप शामिल हैं।

परिवहन मंत्री ने कहा कि यह विशेष सेवाएं कामकाजी महिलाओं और छात्रों की रोजाना की यात्रा जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। जिससे खासतौर से पीक आवर्स में ज्यादा सुविधाएं मिलेगी और शहर के रिहायशी इलाकों को रोजगार, कमर्शियल, इंस्टीट्यूशनल और सरकारी हब जैसे नेहरू प्लेस, एम्स, साउथ एक्सटेंशन, आरकेपुरम, कनॉट प्लेस, आईटीओ, दिल्ली सचिवालय, करोल बाग, कश्मीरी गेट और शिवाजी स्टेडियम से जोड़ा जा सकेगा।

यूनिवर्सिटी लेडीज स्पेशल बस सर्विस हिंदू कॉलेज, रामजस कॉलेज, दौलत राम कॉलेज, श्रीराम कॉलेज, एलएसआर, गार्गी कॉलेज, एआरएसडी, हंसराज कॉलेज, एसपीएम कॉलेज, देशबंधु कॉलेज और एजीजीएससीसी जैसे कई प्रमुख संस्थानों के लिए विशेष कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

इन सभी सेवाओं को 100 फीसदी इलेक्ट्रिक देवी बसों से जोड़ने का प्रस्ताव है, जो साफ-सुथरी आवाजाही और महिलाओं पर केंद्रित पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुविधा को एक साथ लाती हैं। विशेष स्टिकर यात्रियों को बस स्टॉप और बस टर्मिनल पर इन खास सेवाओं को आसानी से पहचान करने में मदद करेंगे।

राजधानी दिल्ली के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इको-सिस्टम को और ज्यादा मजबूत बनाने की कोशिशों के तहत डीटीसी ने राजघाट डिपो-1 पर एक पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशन भी बनाया है। लगभग 5.50 करोड़ रुपए की लागत से तैयार यह ईवी चार्जिंग स्टेशन शहर के ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

दिल्ली सचिवालय में पुडुचेरी स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली, 18 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली सचिवालय में पुडुचेरी स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग द्वारा विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पुडुचेरी स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में दिल्ली के कला, संस्कृति एवं भाषा तथा पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने पुडुचेरी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपराओं को नमन करते हुए स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, भारत की सांस्कृतिक विविधता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की लोक परंपराएं, कला, संगीत और नृत्य हमारी समृद्ध विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा कि राजधानी में देश के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की कला, संस्कृति और लोक परंपराओं को मंच प्रदान किया जाए। ऐसे आयोजन लोगों को भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक संवाद को भी मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में 20 से अधिक कलाकारों ने भाग लिया और पुडुचेरी की लोक एवं जनजातीय संस्कृति पर आधारित विभिन्न मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों ने सौरा जनजातीय नृत्य, जनजातीय लोकनृत्य, कुम्मी तथा ओयिलाट्टम शैली की प्रस्तुतियों के माध्यम से पुडुचेरी की जीवनशैली, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया।

सौरा जनजातीय नृत्य के माध्यम से पुडुचेरी के जनजातीय समुदाय के दैनिक जीवन और प्रकृति के साथ उनके गहरे जुड़ाव को दशार्या गया। प्रस्तुति में दिखाया गया कि सुबह की शुरूआत के साथ समुदाय के लोग अपने-अपने दैनिक कार्यों में जुट जाते हैं। कोई लकड़ी की टोकरी बनाने का कार्य करता है, तो कोई पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराता है। लोकगीतों, खुशी और सामूहिक नृत्य के साथ दिन की शुरूआत करने की यह परंपरा जनजातीय जीवन की सहजता, सकारात्मकता और सामुदायिक भावना को दशार्ती है।

युवती सम्मेलन-26 स्वयंसिद्धा में गूंजेगा नारी सामर्थ्य का स्वर

नई दिल्ली, 18 अगस्त (नितिन गुप्ता/प्रणव कुमार)। डॉ भीमराव अम्बेडकर कॉलेज में विश्वविद्यालय छात्र संघ व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, यमुना विहार जिला के संयुक्त तत्वावधान में युवती सम्मेलन-26 स्वयंसिद्धा का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन की तिथि एवं स्थान की घोषणा शीघ्र की जाएगी। कार्यक्रम की मूल भावना नारी संगम और उत्सव शक्ति को केंद्र में रखते हुए युवतियों की प्रतिभा, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद स्थापित किया जाएगा।

स्वयंसिद्धा नाम अपने आप में उस विचार को अभिव्यक्त करता है, जिसमें नारी को केवल उपलब्ध अवसरों की सहभागी नहीं, बल्कि अपनी क्षमता, निर्णय और संकल्प के बल पर स्वयं अपना मार्ग निर्धारित करने वाली शक्ति के रूप में देखा जाता है।

वर्तमान समय में शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, उद्यमिता, कला, खेल, सामाजिक सेवा और सार्वजनिक जीवन सहित अनेक क्षेत्रों में युवतियों की बढ़ती भागीदारी भारतीय समाज में सकारात्मक परिवर्तन का परिचायक है। इसी व्यापक परिवर्तन को विचार और संवाद का आधार बनाते हुए सम्मेलन युवतियों के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानने तथा उन्हें सार्थक दिशा देने का प्रयास करेगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवतियों में यह विश्वास मजबूत करना है कि नेतृत्व केवल पद प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने की क्षमता है। जिससे युवतियों को अपने विचार निर्भीकता के साथ रखने, चुनौतियों का विवेकपूर्ण सामना करने, उपलब्ध संसाधनों का सदुपयोग करने और सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील बनने के लिए प्रेरित करना सम्मेलन की महत्वपूर्ण भावना होगी। इस सम्मेलन के विषय को लेकर डॉ भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय के अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के कार्यकर्ता उत्कर्ष तिवारी ने कहा कि भारतीय युवतियों में प्रतिभा और सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल ऐसे मंचों की है जहां उन्हें अपने विचार व्यक्त करने, अनुभव साझा करने और भविष्य की संभावनाओं पर विमर्श करने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास से युक्त और सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग युवा पीढ़ी ही भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। इसके साथ ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के कार्यकर्ता दक्ष त्रिवेदी ने कहा कि स्वयंसिद्धा का संदेश युवतियों को अपनी क्षमताओं को पहचानने और उन्हें सकारात्मक उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है। उनके अनुसार आधुनिक भारत की प्रगति में महिलाओं की भागीदारी अब केवल आवश्यकता नहीं, बल्कि विकास की अनिवार्य शर्त बन चुकी है। जब महिलाएं शिक्षा, नवाचार, सामाजिक सेवा और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे आती है, तब उसका प्रभाव पूरे समाज पर दिखाई देता है।

वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के इकाई उपाध्यक्ष ऋषि सिंह ने कहा कि नारी शक्ति भारतीय सभ्यता और सामाजिक संरचना की महत्वपूर्ण आधारशिला रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि युवतियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि स्वयंसिद्धा जैसी पहल संवाद, जागरूकता और सकारात्मक चिंतन को आगे बढ़ाने का माध्यम बन सकती है।

सम्मेलन के माध्यम से युवतियों के बीच आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास, नेतृत्व, सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक मूल्यों और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी जैसे विषयों को प्रमुखता से सामने लाने का प्रयास किया जाएगा। यह आयोजन युवतियों की उपलब्धियों का उत्सव मनाने के साथ-साथ उनके सामने मौजूद संभावनाओं और भविष्य की चुनौतियों पर विचार करने का अवसर भी प्रदान करेगा।

युवती सम्मेलन-26 स्वयंसिद्धा का व्यापक संदेश यही है कि सशक्त समाज की कल्पना सशक्त युवती चेतना के बिना संभव नहीं और उस चेतना में नारी की भागीदारी निर्णायक है। सम्मेलन युवतियों को अपनी पहचान, प्रतिभा और संकल्प को नई दिशा देने के साथ राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करने वाला सार्थक मंच बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को 26 अगस्त को मिलेगा पेंशन पत्र, एक सितंबर से खातों में आएंगे पैसे

नई दिल्ली, 18 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत महिलाओं को 26 अगस्त को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में पात्र महिलाओं को पेंशन का आधिकारिक पत्र सौंपा जाएगा, जबकि एक सितंबर से पेंशन की राशि सीधे उनके बैंक खातों में पहुंचनी शुरू हो जाएगी। यह प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी और पात्र महिलाओं को नियमित रूप से योजना का लाभ मिलता रहेगा।



मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में दिल्ली लक्ष्मी योजना की समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव राजीव वर्मा के अलावा योजना के लिए गठित जिला स्तरीय स्वीकृति, निगरानी एवं शिकायत निवारण समितियों (डीएलएएमजीआरसी) के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में योजना की प्रगति की समीक्षा की गई और इतने कम समय में हुए कार्य की सराहना की गई।

बैठक में समिति के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि दिल्ली लक्ष्मी योजना को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह और रुचि देखने को मिल रही है। वर्तमान सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए गंभीरता से काम कर रही है और योजना का लाभ अब सीधे पात्र महिलाओं तक पहुंचने वाला है। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना की सफलता के लिए जिला स्तरीय समितियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समितियों के पदाधिकारियों से कहा कि प्रत्येक आवेदन की पूरी गंभीरता से जांच और निगरानी की जाए ताकि पात्र महिलाओं को बिना अनावश्यक देरी के योजना का लाभ मिल सके। जांच प्रक्रिया जितनी तेजी से पूरी होगी, मामलों का निस्तारण उतनी ही जल्दी होगा और पात्र महिलाओं तक पेंशन पहुंचाने की प्रक्रिया भी तेज होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला स्तरीय समितियों में स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल हैं। ऐसे में यदि किसी आवेदन में कोई तथ्य संदिग्ध प्रतीत होता है तो उसकी गंभीरता से जांच की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने बताया कि सरकार दिल्ली लक्ष्मी योजना के आधिकारिक पोर्टल www.dly.delhi.gov.in पर जल्द ऐसी व्यवस्था करने जा रही है, जिसके तहत जिन पात्र महिलाओं ने आवेदन में गलत अथवा अधूरी जानकारी दर्ज कर दी है, उन्हें उसमें सुधार कर दोबारा अवसर दिया जा सकेगा। अभी तक योजना के क्रियान्वयन में किसी समस्या की सूचना नहीं मिली है, इसका प्रमुख कारण जिला स्तरीय समितियों द्वारा गंभीरता से किया जा रहा कार्य है। मुख्यमंत्री ने समिति पदाधिकारियों से योजना को सफल बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने बैठक में बताया कि योजना के शुभारंभ के बाद महज 18 दिनों में करीब आठ लाख महिलाओं ने पोर्टल पर पंजीकरण कराया है, जबकि पांच लाख से अधिक आवेदन अंतिम रूप से जमा (फाइनल सबमिट) किए जा चुके हैं। इतने कम समय में दिल्ली की महिलाओं की ओर से मिला यह अभूतपूर्व समर्थन ऐतिहासिक है। इससे पहले सरकार की किसी योजना को इतने कम समय में इस स्तर का जनप्रतिसाद नहीं मिला है। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है और ये आंकड़े महिला सशक्तीकरण की इस योजना के प्रति दिल्ली की महिलाओं के बढ़ते विश्वास को दशार्ते हैं।

एमसीडी कार्यशाला: ठोस अपशिष्ट नियम 2026 पर जोर, स्रोत पर चार श्रेणियों में हो कचरा पृथक्करण

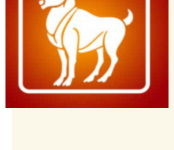
नई दिल्ली, 18 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन और जन-जागरूकता को लेकर मंगलवार को विशेष कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को नए नियमों की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी दी गई तथा नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। कार्यशाला में उप महापौर डॉ. मोनिका पंत, स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा, नेता सदन जय भगवान यादव, स्थायी समिति उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह, डेम्स समिति अध्यक्ष संदीप कपूर, अपर आयुक्त अरुण कुमार मिश्रा सहित विभिन्न जोन के चेयरमैन, डिप्टी चेयरमैन, समिति सदस्यों और पार्षदों ने हिस्सा लिया।

इस दौरान ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 पर आधारित विशेष बुकलेट का विमोचन भी किया गया। इसमें नए नियमों, स्रोत पर कचरा पृथक्करण, पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन से जुड़ी जानकारियां सरल भाषा में दी गई हैं। उप महापौर डॉ. मोनिका पंत ने कहा कि निगम कचरे को स्रोत पर ही अलग करने को प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने कहा कि घरों, बाजारों और संस्थानों में कचरे का पृथक्करण होने से उसके संग्रहण, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण की व्यवस्था अधिक प्रभावी बनाई जा सकती है। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि अब नागरिकों को कचरे को चार अलग-अलग श्रेणियों में पृथक करने की आदत अपनानी होगी। उन्होंने कहा कि स्रोत पर सही पृथक्करण ही शहर की स्वच्छता व्यवस्था की पहली और सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान को नए नियमों के प्रति जन-जागरूकता से जोड़ने की बात कही। नेता सदन जय भगवान यादव ने नागरिकों से कचरे से खाद बनाने, पुनः उपयोग और सर्कुलर मॉडल को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कचरे को समस्या के बजाय उपयोगी संसाधन में बदलने की दिशा में काम करने की जरूरत है। डेम्स समिति अध्यक्ष संदीप कपूर ने कहा कि नए नियमों में कचरे के चार भागों में पृथक्करण, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने तथा लैंडफिल पर दबाव कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि नियमों का एक प्रमुख उद्देश्य सर्कुलर इकॉनमी को बढ़ावा देना है, जिसमें कचरे को अधिकतम स्तर तक संसाधन के रूप में उपयोग किया जाता है।

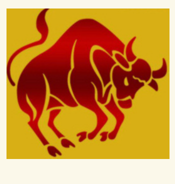
शंकेश ज्वेलर्स का आईपीओ लॉन्च, पहले दिन मिला सिर्फ 36 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन

नई दिल्ली, 18 अगस्त (हि.स.)। देश की कई प्रमुख ज्वेलरी हाउस के लिए हैंड क्राफ्टेड ज्वेलरी तैयार करने और अपने ग्राहकों को कस्टमाइजेशन की सुविधा देने वाली कंपनी शंकेश ज्वेलर्स का 367.18 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 20 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 21 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 24 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 25 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद पहले दिन इस आईपीओ को 36 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 88 रुपये से लेकर 93 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 160 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 160 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,880 रुपये का निवेश करना होगा।

भविष्यफल



मेष- आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6



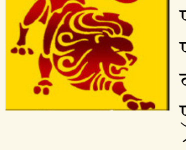
वृष- व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9



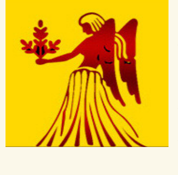
मिथुन- आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7



कर्क- बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8



सिंह- व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4



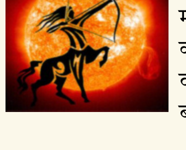
कन्या- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7



तुला- अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-



वृश्चिक- आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8



धनु- उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6



मकर- आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9



कुम्भ- घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

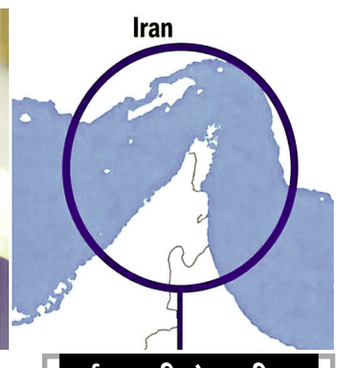


मीन- शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया न्यू यूएस टेरिटरी का नक्शा

होर्मुज को लेकर ट्रंप का बड़ा दावा, नक्शा दिखाकर बताया इसे नया अमेरिकी क्षेत्र





● वॉशिंगटन / (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर एक बड़ा दावा किया। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर होर्मुज का नक्शा पोस्ट किया, जिसमें ईरान और ओमान के बीच स्थित इस सामरिक जलमार्ग को घेरकर उसके ऊपर न्यू यूएस टेरिटरी यानी नया अमेरिकी क्षेत्र लिखा गया है।

यह पोस्ट ऐसे समय आई है, जब कुछ दिन पहले ट्रंप ने संकेत दिया था कि अमेरिका जल्द ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को अपने क्षेत्र के तौर पर घोषित कर सकता है। इससे पहले भी ट्रंप दावा कर चुके हैं कि अमेरिका का होर्मुज पर पूरी तरह नियंत्रण है और वह इसे अपने पास रखेगा। उन्होंने अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को स्टील की दीवार बताते हुए कहा था कि ईरान इसे रोकने के लिए कुछ नहीं कर सकता।

ट्रंप ने यह भी दावा किया था कि ईरान का सैन्य ढांचा पूरी तरह नष्ट हो चुका है और देश में महंगाई 300 फीसदी तक पहुंच गई है। उनके इन दावों को ईरान की ओर से खारिज किया गया था। पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा था कि अमेरिकी अधिकारियों के बार-बार किए जा रहे दावे जमीनी हकीकत नहीं बदल सकते। ईरान का कहना है कि होर्मुज अभी भी बंद है और उसकी शर्तें स्वीकार किए जाने तक इसे दोबारा नहीं खोला जाएगा।

ईरान की चेतावनी...

जमीनी कार्रवाई हुई तो देंगे रणनीतिक जवाब

तेहरान, आरएनएन। अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने चेतावनी दी है कि उसके खिलाफ जमीनी कार्रवाई की कोशिश हुई तो जवाब केवल रक्षात्मक नहीं रहेगा। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अधिकारी ब्रिगेडियर जनरल यदोल्लाह जावानी ने विरोधियों को रणनीतिक सरप्राइज के लिए तैयार रहने को कहा है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास अपनी सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत की है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिकी सैनिकों ने किसी ईरानी द्वीप पर उतरने की कोशिश की तो उन्हें निशाना बनाया जाएगा। तेहरान ने यह भी संकेत दिया है कि अमेरिकी कार्रवाई की स्थिति में ऊर्जा और अन्य महत्वपूर्ण ढांचे को निशाना बनाने के विकल्प खुले हैं।

होर्मुज से निकलते समय जहाज पर फिर हुआ हमला, एक क्रू सदस्य की मौत



इसी बीच होर्मुज स्ट्रेट से बाहर निकल रहे एक जहाज को अज्ञात प्रोजेक्टाइल से निशाना बनाए जाने की खबर है। ब्रिटिश मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ऑर्गनाइजेशन (यूकेएमटीओ) के मुताबिक, हमले में जहाज के इंजन रूम को नुकसान पहुंचा और एक क्रू सदस्य की मौत हो गई। घटना के बाद ओमान कोस्ट गार्ड ने जहाज पर मौजूद अन्य क्रू सदस्यों को बचाने के लिए अभियान शुरू किया। मामले की जांच संबंधित अधिकारी कर रहे हैं। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों की संख्या में भारी कमी आई है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने से पहले इस जलमार्ग से रोजाना 130 से अधिक जहाज गुजरते थे।

वार्ता जारी, समझौता अभी दूर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत और उनके दामाद जेरेड कुशनर ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत गंभीर स्तर पर जारी है, लेकिन अभी तक किसी समझौते पर सहमति नहीं बनी है। कुशनर ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में कहा कि दोनों देशों की विभिन्न सरकारी संस्थाओं के बीच बातचीत अब तक के सबसे मजबूत दौर में है, लेकिन यह अभी किसी अंतिम नतीजे तक नहीं पहुंची है। इससे पहले ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा था कि वह ईरान के साथ किसी अंतरिम समझौते को आगे बढ़ाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान उस समझौते को स्वीकार करने के लिए तैयार होगा, जिसे अमेरिका जरूरी मानता है।

ट्रंप की लोकप्रियता मौजूदा कार्यकाल में सबसे निचले स्तर पर

इस बीच ताजा सर्वे में ट्रंप की लोकप्रियता में गिरावट सामने आई है। सर्वे के मुताबिक, उनके मौजूदा कार्यकाल में अप्रूवल रेटिंग घटकर 33 फीसदी रह गई है, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। सर्वे में 64 फीसदी अमेरिकी नागरिकों ने राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप के प्रदर्शन को नापसंद किया, जबकि 33 फीसदी ने उनके कामकाज को मंजूरी दी। महीने की शुरुआत में ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग 35 फीसदी थी। ईरान युद्ध को लेकर भी अमेरिकी नागरिकों में चिंता बढ़ी है। सर्वे में करीब 80 फीसदी लोगों ने आशंका जताई कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध लंबा खिंच सकता है।

चुनाव आयोग के मुरीद हुए ट्रंप, कहा- अमेरिका को भारत से सीखना चाहिए

प्रस्तावित कानून के तहत मतदान के लिए नागरिकता का प्रमाण और वैध फोटो पहचान पत्र जरूरी करने का प्रावधान

● वॉशिंगटन / (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की चुनाव व्यवस्था और मतदाता पहचान प्रणाली का हवाला देते हुए सेव अमेरिका एक्ट को पारित करने की अपनी मांग दोहराई है। प्रस्तावित कानून के तहत अमेरिकी चुनावों में मतदान के लिए नागरिकता का प्रमाण और वैध फोटो पहचान पत्र जरूरी करने का प्रावधान है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर दावा किया कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी प्रशासन के अधिकारियों से सवाल किया था कि अमेरिका में वैध फोटो पहचान पत्र के बिना चुनाव कैसे कराए जाते हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत के हालिया आम चुनाव में 64.6 करोड़ मतदाताओं ने हिस्सा लिया और एक प्रतिशत से भी कम लोगों ने डाक से मतदान किया। उनके मुताबिक, हर मतदाता के लिए वैध फोटो पहचान पत्र जरूरी था।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को अब सेव अमेरिका एक्ट पारित करना चाहिए। उनका दावा है कि इससे चुनावी धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने और चुनाव प्रक्रिया की सुरक्षा बढ़ाने में मदद मिलेगी।



सर्जियो गोर ने किया ट्रंप का समर्थन

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी ट्रंप के रुख का समर्थन किया। उन्होंने भारत के 2024 के आम चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि 64.6 करोड़ मतदाताओं में से प्रत्येक के लिए पहचान पत्र जरूरी था। गोर ने कहा कि कांग्रेस को सेव अमेरिका एक्ट पारित करना चाहिए। उन्होंने भारत की बड़ी संख्या में मतदाताओं वाली चुनाव प्रक्रिया को मतदाता पहचान के मामले में एक उदाहरण के तौर पर पेश किया।

क्या है सेव अमेरिका एक्ट?

सेव अमेरिका एक्ट अमेरिका में संघीय चुनावों के लिए मतदाता पंजीकरण और मतदान से जुड़े नियमों को सख्त करने वाला प्रस्तावित कानून है। इसके तहत मतदाता पंजीकरण के समय अमेरिकी नागरिकता का प्रमाण और मतदान के लिए वैध पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य किए जाने का प्रस्ताव है। विधेयक में डाक से मतदान पर भी कड़े प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। प्रस्ताव के मुताबिक, बीमारी, दिव्यांगता, सैन्य सेवा या यात्रा जैसी सीमित परिस्थितियों में ही डाक से मतदान की अनुमति दी जा सकती है। राज्यों को मतदाता सूची से गैर-नागरिकों के नाम हटाने के निर्देश देने का भी प्रावधान प्रस्तावित है। रिपब्लिकन नेता इस विधेयक को चुनावी धोखाधड़ी रोकने के उपाय के तौर पर पेश कर रहे हैं। हालांकि, इसे लेकर डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों दलों में मतभेद हैं। अमेरिकी सीनेट में भी विधेयक की राह आसान नहीं रही है।

अमेरिका में मतदाता पहचान को लेकर बहस

अमेरिका में मतदाता पहचान पत्र को लेकर लंबे समय से राजनीतिक बहस जारी है। समर्थकों का कहना है कि नागरिकता का प्रमाण और फोटो पहचान पत्र चुनाव की विश्वसनीयता बढ़ा सकते हैं। वहीं, विरोधियों का तर्क है कि गैर-नागरिकों का मतदान पहले से प्रतिबंधित है और सख्त दस्तावेजी नियमों से ऐसे मतदाताओं को परेशानी हो सकती है, जिनके पास आवश्यक पहचान दस्तावेज नहीं हैं। व्हाइट हाउस ने भारत और ब्राजील की चुनाव व्यवस्था का उदाहरण देते हुए कहा है कि दोनों देशों में मतदाता पहचान को जैविक पहचान संबंधी आंकड़ों से जोड़ा जाता है, जबकि अमेरिका में नागरिकता के लिए काफी हद तक मतदाता के स्वयं दिए गए प्रमाण पर निर्भरता है। हालांकि, अलग-अलग देशों में मतदाता पहचान और मतदान के नियम अलग हैं। ब्रिटेन में कुछ चुनावों में फोटो पहचान पत्र जरूरी है, जबकि कनाडा में पहचान और पते का प्रमाण देने के लिए फोटो पहचान पत्र के अलावा अन्य दस्तावेजों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

बांग्लादेश को इस्लामिक नाटो में शामिल करने की अटकलें...

ढाका, आरएनएन। बांग्लादेश को पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब के संभावित रक्षा ढांचे से जोड़ने की अटकलों ने क्षेत्रीय हलकों में चर्चा तेज कर दी है। तुर्की के अखबार येनी शफाक ने एक विश्लेषण में इस संभावित परिदृश्य का जिक्र किया है। हालांकि, बांग्लादेश के ऐसे किसी गठजोड़ में शामिल होने का कोई आधिकारिक फैसला नहीं हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान को तत्काल अस्पताल शिफ्ट करने का दिया आदेश

जेल अधीक्षक को अवमानना का नोटिस जारी

● इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इलाज और स्वास्थ्य जांच के लिए इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। अदालत ने अधिकारियों को उन्हें अगले 48 घंटे के भीतर अस्पताल भेजने और अगली सुनवाई तक वहां रखने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 16 सितंबर को होगी।

जस्टिस शाहिद वहीद की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने इमरान खान के इलाज और परिवार से मुलाकात से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। पीठ में जस्टिस नईम अख्तर अफगान और जस्टिस इशितयाक इब्राहिम भी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अदियाला जेल के अधीक्षक को अवमानना का नोटिस जारी करते हुए इमरान खान की पूरी मेडिकल रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। अदालत ने इस बात पर नाराजगी जताई कि पूरी रिपोर्ट के बजाय केवल उसका सार प्रस्तुत किया गया। अदालत ने पिछले तीन वर्षों में इमरान खान और उनके परिवार के बीच हुई मुलाकातों का पूरा रिकॉर्ड भी मांगा है। साथ ही उनके बेटों से बातचीत और फोन कॉल से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। अदालत ने इमरान के इलाज और स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन करने के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों का मेडिकल बोर्ड गठित करने का निर्देश दिया है। इसमें उनकी बहन डॉ. उजमा खान और निजी डॉक्टर को भी शामिल किया जाएगा।

हर सप्ताह परिवार से मुलाकात का आदेश



सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को इमरान खान की बहनों समेत परिवार के सदस्यों से हर सप्ताह मुलाकात सुनिश्चित करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान जस्टिस शाहिद वहीद ने कहा कि बहनों से मुलाकात कोई एहसान नहीं, बल्कि उनका मौलिक अधिकार है। अदालत ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ से भी इमरान की स्वास्थ्य स्थिति को राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाने की हिदायत दी।

स्वास्थ्य को लेकर चिंता

अदालत में पेश रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान खान के रक्तचाप में उतार-चढ़ाव, दिल की धड़कन में बदलाव और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं सामने आई हैं। हालिया जांच में उनका रक्तचाप 140/80 और नाड़ी की गति 54 प्रति मिनट दर्ज की गई। इमरान खान के सलाहकार जुल्फी बुखारी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इमरान को शिफा इंटरनेशनल अस्पताल भेजने का आदेश सही है और यह फैसला पहले हो जाता तो उनकी आंखों और स्वास्थ्य की स्थिति इतनी खराब नहीं होती। इमरान खान अगस्त 2023 से अदियाला जेल में बंद हैं।



बिना एसी के विमान में फंसे यात्री, गर्मी से कई की तबीयत बिगड़ी

● माल्टा / (एजेंसी)

माल्टा से ब्रिटेन जाने वाली रायनएयर की उड़ान में तकनीकी खराबी के चलते यात्रियों को करीब एक घंटे से अधिक समय तक बिना एयर कंडीशनिंग के गर्म विमान में इंतजार करना पड़ा। भीषण गर्मी के कारण कई यात्रियों की तबीयत बिगड़ गई। कुछ यात्रियों ने गर्मी से परेशान होकर कपड़े उतार दिए, जबकि दो लोगों के बेहोश होने और कुछ के उल्टी करने की खबर है।रिपोर्ट के मुताबिक, उड़ान को 10 अगस्त की सुबह माल्टा से बर्मिंघम के लिए रवाना होना था, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण उड़ान में देरी हुई।

विमान में सवार 16 वर्षीय यात्री ईवा ग्रेगरी ने दावा किया कि यात्रियों को पहले बिना उचित वेंटिलेशन वाली बसों में इंतजार करना पड़ा और बाद में विमान के अंदर भी एसी बंद रहा। ग्रेगरी के मुताबिक, गर्मी के कारण उनकी तबीयत भी बिगड़ गई और उन्हें घबराहट का दौरा पड़ा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यात्रियों को मुफ्त पानी उपलब्ध नहीं कराया गया। रायनएयर ने कहा कि उड़ान में पहले तकनीकी समस्या और बाद में एक यात्री की तबीयत खराब होने के कारण देरी हुई। जांच के बाद विमान को उड़ान की अनुमति दी गई और शाम करीब सात बजे विमान ने उड़ान भरी। एयरलाइन के अनुसार, उड़ान भरने के बाद एयर कंडीशनिंग सामान्य रूप से काम करने लगी।

कनेक्टिविटी को मिली नई रफ्तार... कैलारस-बीरपुर के 56 किमी रेलखंड का हुआ लोकार्पण

ग्वालियर-चंबल अंचल को रेल विकास की बड़ी सौगात, मप्र के रेल बजट में ऐतिहासिक बढ़ोतरी, 632 करोड़ से बढ़कर 14,700 करोड़ हुआ आवंटन

● नई दिल्ली / (हि.स.)

कैलारस-बीरपुर के 56 किमी आमान परिवर्तित ब्रॉडगेज रेलखंड का मंगलवार को लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने तीन नई विस्तारित रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई रेल सेवा से सबलगढ़, बीरपुर और आसपास के क्षेत्रों की ग्वालियर समेत प्रमुख शहरों से कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इससे शिक्षा, रोजगार, व्यापार, कृषि और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि मध्य प्रदेश में रेल विकास के लिए इस वर्ष 14,700 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि वंदे भारत, नमो भारत रैपिड रेल और वंदे भारत स्लीपर जैसी आधुनिक सेवाओं के साथ भारतीय रेल नए स्वरूप में आगे बढ़ रही है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कैलारस-बीरपुर रेल कनेक्टिविटी ग्वालियर-चंबल अंचल के विकास में नया अध्याय है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही यह कनेक्टिविटी श्योपुरकलां तक पहुंचेगी। नई रेल सेवा से क्षेत्र में आवागमन आसान होने के साथ रोजगार, व्यापार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है।



सीएम बोले- इससे शिक्षा, रोजगार, व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

छत्तीसगढ़ को विनिर्माण और औद्योगिक क्रांति का केंद्र बनाने की पहल

नई दिल्ली, 18 अगस्त (दिव्य भारत ब्यूरो)। संसद की प्राक्कलन समिति (2026-27) की समीक्षा बैठक में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख विनिर्माण एवं औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे।

उन्होंने राज्य की प्रचुर खनिज संपदा और औद्योगिक संभावनाओं का उल्लेख करते हुए रायपुर में भारी मशीनरी निर्माण एवं टेस्टिंग सेंटर स्थापित करने की मांग की।

अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ बॉक्साइट, लौह अयस्क, कोयला सहित विभिन्न खनिज संसाधनों से समृद्ध है। राज्य में खनन और निर्माण क्षेत्र में भारी मशीनरी की बड़ी मांग है।

ऐसे में केंद्र सरकार की 11,525 करोड़ रुपये की प्रस्तावित नई योजना के तहत रायपुर में भारी मशीनरी निर्माण एवं परीक्षण केंद्र स्थापित किया जाना राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति दे सकता है।

सांसद ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सीमाएं ओडिशा और झारखंड जैसे खनिज संपदा से समृद्ध राज्यों से जुड़ी हैं। इसलिए रायपुर-भिलाई क्षेत्र को छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड के लिए केंद्रीय लॉजिस्टिक एवं सर्विसिंग हब के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इससे क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय उद्योगों और एमएसएमई को भी मजबूती मिलेगी।

उन्होंने रायपुर-भिलाई में कॉमन इंजीनियरिंग फैसिलिटी सेंटर स्थापित करने की मांग भी रखी।

साथ ही बीएचईएल, एनटीपीसी और रेलवे जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों द्वारा स्थानीय उद्योगों के लिए नियमित वेंडर रजिस्ट्रेशन ड्राइव आयोजित करने का सुझाव दिया।

■ बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर में भारी मशीनरी निर्माण एवं टेस्टिंग सेंटर और सामान्य इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र की उठाई मांग

अग्रवाल ने कहा कि स्थानीय उद्योगों को बड़े औद्योगिक संस्थानों की आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने पर राज्य के एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। इससे हजारों युवाओं और तकनीकी छात्रों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार, प्रशिक्षण और कौशल विकास के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

उन्होंने छत्तीसगढ़ को कृषि मशीनरी के उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए कृषि मशीनरी क्लस्टर विकसित करने तथा एनआईटी रायपुर में उद्योग एवं रोबोटिक्स केंद्र स्थापित करने का भी सुझाव दिया।

बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों का उल्लेख करते हुए सांसद ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर भारी मशीनरी उत्पादन 80,750 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें 178.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं मशीनरी का कुल निर्यात 6,800 करोड़ रुपये रहा, जो 274.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। प्रस्तावित नई सीआईई योजना का बजट 11,525 करोड़ रुपये बताया गया है।

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, छत्तीसगढ़ केवल कच्चे माल का आपूर्तिकर्ता न रहे, बल्कि भारी मशीनों के निर्माण का प्रमुख केंद्र बने। प्राक्कलन समिति के माध्यम से हमारा उद्देश्य राज्य के युवाओं के लिए प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित करना तथा स्थानीय उद्योगों की उत्पादन क्षमता को सुदृढ़ बनाना है।

उन्होंने कहा कि खनिज संसाधनों को केवल कच्चे माल के रूप में बाहर भेजने के बजाय स्थानीय स्तर पर मूल्यवर्धित उत्पादों और भारी मशीनरी के निर्माण को बढ़ावा दिया जाए, ताकि छत्तीसगढ़ देश की औद्योगिक अर्थव्यवस्था में और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के 14वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार

चित्रकूट, 18 अगस्त (दिव्य भारत ब्यूरो)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के 14वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर मंगलवार को कुलसचिव सभागार में व्यवस्था समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समारोह को व्यवस्थित और गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।



बैठक में दीक्षांत समारोह के संयोजक प्रो. कपिल देव मिश्रा, अधिष्ठाता एवं पूर्व कुलपति तथा कुलसचिव प्रो. आज्ञनेय पांडेय सहित विभिन्न व्यवस्था समितियों के समन्वयक उपस्थित रहे। इस दौरान पदक वितरण, प्रचार-प्रसार, अकादमिक व्यवस्था, दूरवर्ती शिक्षा, मंच, आवास, भोजन, चिकित्सा, स्वागत, वित्त, क्रय और परिवहन सहित विभिन्न व्यवस्थाओं से जुड़े समन्वयकों ने अपनी-अपनी कार्ययोजनाएं प्रस्तुत कीं। इन योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श करते हुए आवश्यक तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया गया। बैठक में दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, अतिथियों एवं अन्य आगंतुकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं के बेहतर समन्वय और क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने समारोह की सभी तैयारियों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

संपादकीय

विमान यात्रा में बढ़ते सवाल, हाईस्पीड ट्रेनों में बढ़ता भरोसा

विमान यात्रा कभी समय बचाने और आराम का पर्याय मानी जाती थी। लेकिन हाल के दिनों में हवाई यात्राओं से जुड़ी घटनाओं ने यात्रियों के मन में सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसे माहौल में वंदे भारत जैसी सेमी-हाईस्पीड ट्रेनों की ओर यात्रियों का आकर्षण बढ़ना स्वाभाविक है। तेज रफ्तार, अपेक्षाकृत किफायती किराया, सुविधाजनक यात्रा और रेलवे की शिकायत निवारण व्यवस्था, ये सब मिलकर ट्रेन यात्रा को घरेलू सफर के लिए एक मजबूत विकल्प बना रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि बदलाव केवल ट्रेनों तक सीमित नहीं है। देश के नए एसटी बस अड्डे भी अब पुराने ढर्रे से बाहर निकलकर आधुनिक यात्री सुविधाओं से लैस हो रहे हैं। अहमदाबाद में नए एसटी बस टर्मिनल के शुरू होने के साथ यह अहसास और मजबूत हुआ कि सार्वजनिक परिवहन के केंद्र भी एयरपोर्ट जैसी साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था और आधुनिक सुविधाएं दे सकते हैं। सवाल अब केवल यह नहीं रह गया है कि यात्री कितनी जल्दी अपने गंतव्य तक पहुंचेगा, बल्कि यह भी है कि वह कितनी सुविधा और भरोसे के साथ पहुंचेगा। सड़क दुर्घटनाओं के मामले में हम अक्सर सुनते हैं कि चालक नशे में था या लापरवाही कर रहा था। लेकिन हवाई यात्रा में सामने आई हाल की घटना ने यह सवाल विमानन क्षेत्र के सामने भी खड़ा कर दिया है। 4 अगस्त को फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान एआई 2379 अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गई। घटना में यात्रियों और चालक दल के सदस्य घायल हुए। शुरूआती तौर पर इसे टबुर्लेंस से जोड़कर देखा गया, लेकिन एयरबस की प्रारंभिक तकनीकी जांच में विमान के तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम में अस्थायी दबाव की समस्या और लगभग चार सेकंड तक कुछ महत्वपूर्ण फ्लाइट कंट्रोल के प्रभावित होने की बात सामने आई है। विमान बाद में सुरक्षित रूप से दिल्ली में उतरा। इस घटना ने इसलिए भी चिंता बढ़ाई क्योंकि विमान के कप्तान के कन्फर्मेटरी ड्रग टेस्ट में मारिजुआना की मौजूदगी की पुष्टि होने की खबर सामने आई। इसके बाद एयर इंडिया ने अपने सभी पायलटों की ड्रग स्क्रीनिंग बढ़ाने का फैसला किया है। लेकिन यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि विमान के अचानक नीचे आने के पीछे पायलट का कथित नशे में होना ही कारण था। तकनीकी खराबी और पायलट की भूमिका, दोनों पहलुओं की जांच अलग-अलग होनी चाहिए। इस तरह की घटनाओं का मनोवैज्ञानिक असर भी कम नहीं होता। विमान में अचानक तेज झटका लगे, सामान ऊपर से गिरने लगे और कुछ सेकंड के लिए विमान की ऊंचाई में अचानक बदलाव आए तो यात्रियों में घबराहट होना स्वाभाविक है। खासकर केबिन क्रू के लिए ऐसी स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण होती है, क्योंकि वे पूरी उड़ान के दौरान अपनी सीट पर बेल्ट बांधकर नहीं बैठे रहते। इधर, विमान यात्रा में तकनीकी और यात्री सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें भी समय-समय पर सामने आती रहती हैं। एसी से लेकर देरी और अन्य तकनीकी समस्याओं तक, यात्रियों को यह भरोसा होना चाहिए कि उनकी शिकायत सुनी जाएगी और समस्या का समाधान करने की जवाबदेही किसी की है। विमान में यात्रियों को निर्धारित समय से पहले बुलाने का उद्देश्य सुरक्षा जांच और अन्य प्रक्रियाएं पूरी करना है, लेकिन यात्रियों के मन में यह सवाल भी स्वाभाविक है कि यदि तकनीकी जांच के दौरान कोई समस्या सामने आती है तो उसके बारे में उन्हें पर्याप्त जानकारी क्यों न दी जाए। इसके मुकाबले मुंबई, सूरत और अन्य प्रमुख शहरों के बीच चलने वाली वंदे भारत जैसी ट्रेनों ने घरेलू यात्रा का अनुभव बदलने की कोशिश की है। यात्री को विमान की तरह कई घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचने की जरूरत नहीं पड़ती। ट्रेन में मोबाइल चार्जिंग, बेहतर सीटें, खानपान और आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध हैं। शिकायतों के लिए रेलवे की व्यवस्थाएं भी हैं। एसी ठीक से काम नहीं कर रहा हो, साफ-सफाई की समस्या हो या कोई अन्य असुविधा- यात्री शिकायत दर्ज करा सकता है। सुरक्षा के मोर्चे पर भी रेलवे लगातार नई तकनीक अपना रहा है। कवच भारत का स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, जिसे सिग्नल की अनदेखी और संभावित टक्कर जैसी स्थितियों में ट्रेन की गति नियंत्रित करने तथा जरूरत पड़ने पर स्वतः ब्रेक लगाने में मदद के लिए विकसित किया गया है। हालांकि, कवच अभी पूरे रेल नेटवर्क पर समान रूप से लागू नहीं है और इसे दुर्घटनाओं के खिलाफ पूर्ण सुरक्षा-कवच मानना उचित नहीं होगा। यात्रा के खर्च का गणित भी ट्रेन के पक्ष में जाता है। कई घरेलू हवाई मार्गों पर टिकट की कीमत मांग, समय और बुकिंग की अवधि के अनुसार काफी बदलती रहती है। इसके अलावा एयरपोर्ट तक पहुंचने का खर्च, एयरपोर्ट पर समय से पहले पहुंचना और गंतव्य पर पहुंचने के बाद टैक्सी या कैब का खर्च अलग होता है। दूसरी ओर, वंदे भारत, शताब्दी और तेजस जैसी ट्रेनों में यात्रा का खर्च कई यात्रियों के लिए अधिक किफायती पड़ सकता है। इसलिए केवल टिकट की कीमत नहीं, बल्कि पूरी यात्रा की लागत और लगने वाले समय को देखना अधिक उचित होगा। सबसे बड़ा बदलाव शायद यात्री की सोच में आया है। पहले जिस व्यक्ति के लिए विमान यात्रा प्रतिष्ठा और सुविधा का प्रतीक थी, वह अब यह भी देखने लगा है कि यात्रा कितनी सुरक्षित, सुविधाजनक और तनावमुक्त है।

रत्ना के 'तुलसी', प्रभु राम के 'दास

योगेश कुमार गोयल

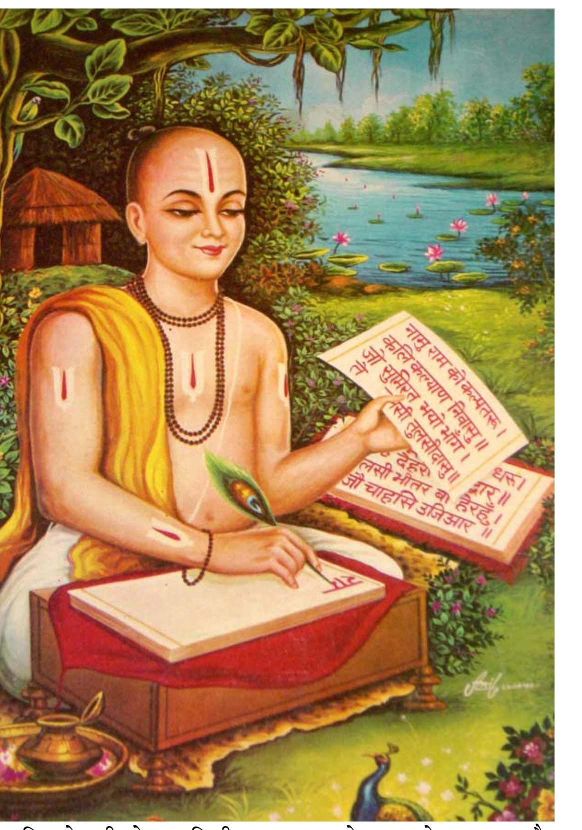
रामचरित मानस के जरिये समूची मानव जाति को श्रीराम के आदर्शों से जोड़ते हुए श्रीराम को जन-जन के राम बना देने वाले गोस्वामी तुलसीदास को जन-जन के कवि कहा जाता है। तुलसीदास को आखिर गोस्वामी क्यों कहा जाता है, यह जानना दिलचस्प है। दरअसल गोस्वामी का अर्थ है, इंद्रियों का स्वामी अर्थात जिसने अपनी इंद्रियों को वश में कर लिया हो यानी जितेन्द्रिय। तुलसीदास पत्नी के धिक्कारने पर सांसारिक मोह माया से विरक्त होकर संन्यासी अर्थात जितेन्द्रिय या गोस्वामी हो गए थे। इसी परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास जी को गोस्वामी की उपाधि से विभूषित किया जाने लगा।

रामायण यानी श्री रामचरित मानस के रचयिता और मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त तुलसीदास जी की जयंती विक्रमी संवत के अनुसार हर साल श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को मनाई जाती है। इस वर्ष उनकी जयंती 19 अगस्त को है। विक्रमी संवत 1554 में उत्तर प्रदेश के बांदा जिला (अब चित्रकूट जिला) के राजापुर में जन्मे तुलसीदास ने जीवन की मुसीबतों से हार मानने के बजाय तमाम कठिनाइयों का डटकर मुकाबला किया। राजापुर यमुना नदी किनारे स्थित है। तुलसीदास का विवाह दीनबंधु पाठक की विदुषी पुत्री रत्नावली से हुआ था।

तुलसीदास अपनी पत्नी रत्नावली पर अत्यंत मुग्ध थे और उससे बहुत प्रेम करते थे। कहते हैं एक बार रत्नावली अपने मायके गई थी। तुलसीदास को उसकी याद सता रही थी। रात का समय था। मूसलाधार बारिश हो रही थी। ऐसे मौसम में तुलसीदास उफनती यमुना को पार कर पत्नी से मिलने ससुराल जा पहुंचे।

रत्नावली इससे बहुत लज्जित हुई और ताना मारा कि जितना प्रेम हाड़-मांस के मेरे इस शरीर से कर रहे हो, यदि उतना ही प्रेम प्रभु श्रीराम से किया होता तो भवसागर पार हो गए होते। इस एक ताने ने तुलसीदास के जीवन की दिशा बदल दी। उसके बाद उनके मन में वैराग्य उत्पन्न हो गया और वे भगवान राम की भक्ति में रम गए।

इस दौरान एक दिन स्वामी नरहरिदास राजापुर पहुंचे। उन्होंने तुलसीदास को दीक्षा देते हुए आगे के जीवन की राह दिखाई। उसके बाद तुलसीदास ने रामकथा में ही सुखद समाज की कल्पना करते हुए इसे आदर्श जीवन का मार्ग दिखाने का माध्यम बना लिया। गुरु नरहरिदास से शिक्षा-दीक्षा लेने के बाद उन्हें रामचरित



मानस लिखने की प्रेरणा मिली। गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस को देश- दुनिया में आदर और सम्मान से साथ देखा जाता है। तुलसीदास ने वैसे अपने जीवनकाल में कवितावली, दोहावली, हनुमान बाहुक, पार्वती मंगल, रामलला नहछू, विनयपत्रिका, कवित्त रामायण, बरवै रामायण, वैराग्य संदीपनी इत्यादि कुल 12 पुस्तकों की रचना की किन्तु उन्हें सर्वाधिक ख्याति रामचरित मानस के जरिये ही मिली।

उन्होंने जब रामचरित मानस की रचना की, तब संस्कृत भाषा का प्रभाव बहुत ज्यादा था, इसलिए आंचलिक भाषा में होने के कारण शुरूआत में इसे मान्यता नहीं मिली लेकिन सरल भाषा में होने के कारण कुछ ही समय बाद यह ग्रंथ जन-जन में बहुत लोकप्रिय हुआ। गोस्वामी तुलसीदास भारतीय भक्ति साहित्य के ऐसे अमर कवि हैं, जिनकी वाणी ने भगवान श्रीराम के आदर्शों, मयार्दा और लोकमंगल की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का अद्वितीय कार्य किया। अनेक विद्वान तुलसीदास को महर्षि वाल्मीकि का अवतार भी मानते हैं।

महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत भाषा में रामायण की रचना कर श्रीराम के जीवन, चरित्र और आदर्शों को साहित्य के अमर पटल पर अंकित किया। इसी महान परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोस्वामी तुलसीदास ने लोकभाषा अवधी में मानस रचा। रामकथा को महलों तथा विद्वानों के सीमित संसार से निकालकर गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाया। उस समय तक संस्कृत मुख्यतः विद्वानों और धर्मशास्त्र के गंभीर अध्येताओं की भाषा थी जबकि अवधी उत्तर भारत के विशाल जनसमुदाय के दैनिक जीवन से जुड़ी सहज और आत्मीय भाषा थी। तुलसीदास ने इसी लोक भाषा में अपनी अभिव्यक्ति को आकार दिया। रामचरित मानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना और लोक आस्था का अभिन्न अंग है। यही विशिष्ट भाव उन्हें भारतीय साहित्य परंपरा में अद्वितीय और कालजयी बनाता है।

रामचरित मानस के जरिये मनुष्य के संस्कार की कथा लिखकर तुलसीदास ने इस महाकाव्य को भारतीय संस्कृति का प्राण तत्व बना दिया।

तुलसी के राम सब में रमते हैं और वे नैतिकता, मानवता, कर्म, त्याग द्वारा लोक मंगल की स्थापना करने का प्रयास करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने सत्य और परोपकार को सबसे बड़ा धर्म और त्याग को जीवन का मंत्र मानते हुए अपनी रचनाओं के माध्यम से असत्य, पाखंड, ढोंग और अंधविश्वास में डूबे समाज को भी जगाने का प्रयास किया है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ब्रिक्स से पहले सजेगी दिल्ली, सवाल है - बाद में कितनी बचेगी चमक?

राजधानी एक बार फिर सजने-संवरने की तैयारी में है। भारत की मेजबानी में 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 12 और 13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में होगा। दुनिया के प्रमुख उभरते देशों के नेता जब राजधानी में जुटेंगे तो दिल्ली का सबसे खूबसूरत चेहरा दुनिया के सामने रखने की तैयारी स्वाभाविक है। सड़कों की मरम्मत होगी, फुटपाथ संवारे जाएंगे, हरियाली और रोशनी बढ़ेगी, चौराहे सजेंगे और सार्वजनिक स्थलों को नया रूप दिया जाएगा। लेकिन इस चमक के बीच एक सवाल पहले ही पूछा जाना चाहिए, ब्रिक्स खत्म होने के बाद दिल्ली कितनी बदली हुई मिलेगी?



यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दिल्ली ऐसे बड़े आयोजनों की मेजबानी पहले भी कर चुकी है। हर बार आयोजन से पहले राजधानी को चमकाने की मुहिम चली, बड़े पैमाने पर काम हुए और दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर के रूप में पेश किया गया। लेकिन आयोजन खत्म होने के बाद उन कामों का रखरखाव कितना हुआ, उनकी गुणवत्ता कितने समय तक कायम रही और जिन समस्याओं को अस्थायी रूप से ढका गया था, वे कितनी जल्दी वापस लौट आईं, इसका हिसाब कम ही सामने आया।

2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। खेलों से पहले जिन इलाकों में सड़कें, स्ट्रीट लाइटें, बेंच, कियोस्क और दूसरी सार्वजनिक सुविधाएं विकसित की गई थीं, उनमें से कई समय के साथ खराब होती गईं। स्थिति यह हुई कि करीब 15 साल बाद उन्हीं क्षेत्रों के स्ट्रीटस्केप और सार्वजनिक सुविधाओं को फिर से सुधारने की जरूरत पड़ी।

यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि अगर किसी बड़े आयोजन के लिए तैयार की गई व्यवस्था डेढ़ दशक भी ठीक से कायम नहीं रह पाती और फिर उस पर दोबारा खर्च करना पड़ता है, तो समस्या केवल रखरखाव की नहीं, स्थायी शहरी नियोजन और जवाबदेही की भी है।

2023 का जी-20 सम्मेलन भी इसी बहस को आगे बढ़ाता है। सम्मेलन से पहले एनडीएमसी ने प्रमुख इलाकों में बड़े पैमाने पर सौंदर्यीकरण और रखरखाव कार्य किए। सड़कों, फुटपाथों, हरियाली, रोशनी और सार्वजनिक स्थलों को नया रूप दिया गया। सम्मेलन के बाद एनडीएमसी को इन कार्यों को बनाए रखने के लिए अलग से निगरानी और रखरखाव की व्यवस्था करनी पड़ी। फव्वारों और दूसरी सुविधाओं के रखरखाव तक के लिए समितियां और वार्षिक रखरखाव व्यवस्था बनाई गई।

यानी सवाल फिर वही है- क्या किसी शहर को खूबसूरत बनाए रखने के लिए हर बार किसी अंतरराष्ट्रीय आयोजन का इंतजार करना पड़ेगा? ब्रिक्स के लिए दिल्ली को सजाना जरूरी है, लेकिन उससे भी जरूरी है कि यह सजावट आयोजन समाप्त होने के बाद भी नागरिकों के काम आए। ब्रिक्स के मेहमान कुछ घंटे या कुछ दिन दिल्ली में रहेंगे, लेकिन दिल्ली के नागरिक इसी शहर में रोज रहेंगे। वे उन्हीं सड़कों से गुजरेंगे, उन्हीं फुटपाथों पर चलेंगे, उन्हीं बाजारों में खरीदारी करेंगे और उन्हीं सार्वजनिक सुविधाओं का इस्तेमाल करेंगे।

इसलिए एनडीएमसी के सामने चुनौती केवल यह नहीं है कि ब्रिक्स के दौरान राजधानी कितनी सुंदर दिखाई दे। असली चुनौती यह है कि ब्रिक्स के बाद भी वह कितनी साफ, व्यवस्थित, सुरक्षित और सुविधाजनक बनी रहती है।

क्या ब्रिक्स के लिए सुधारी गई सड़कें कुछ महीनों बाद फिर टूटेंगी? क्या नए बनाए गए फुटपाथ दोबारा अतिक्रमण की चपेट में आएंगे? क्या नो-वेंडिंग जोन में फिर वही कब्जे दिखाई देंगे?

क्या जिन इलाकों में अभी सफाई व्यवस्था युद्धस्तर पर सक्रिय होगी, वहां आयोजन समाप्त होने के बाद भी वही निगरानी बनी रहेगी? क्या स्ट्रीट लाइट, फव्वारे, पौधे, सार्वजनिक शौचालय और स्ट्रीट फर्नीचर उसी स्तर पर बनाए रखे जाएंगे? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल- अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई क्या केवल आयोजन से जुड़े मार्गों तक सीमित रहेगी या पूरी व्यवस्था में स्थायी बदलाव दिखाई देगा? कनॉट प्लेस जैसे राजधानी के सबसे प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र में भी सफाई और अतिक्रमण की समस्या समय-समय पर सामने आती रही है।

हाल की रिपोर्टों में नो-वेंडिंग जोन होने के बावजूद बड़ी संख्या में हॉकर्स और अतिक्रमण की समस्या का उल्लेख हुआ है। यह स्थिति बताती है कि किसी बड़े आयोजन से पहले कुछ दिनों के लिए व्यवस्था दुरुस्त कर देना और पूरे साल उसे कायम रखना- दो बिल्कुल अलग चुनौतियां हैं।

ब्रिक्स के बहाने एक और महत्वपूर्ण काम होना चाहिए- पुरानी परियोजनाओं और पुराने वादों का हिसाब। कितनी लंबित परियोजनाएं पूरी हुईं? कितनी सड़कों की मरम्मत स्थायी रही? कितने फुटपाथ वास्तव में पैदल यात्रियों के लिए खाली हैं? कितने अतिक्रमण हटे और कितने फिर लौट आए? कितने अवैध निमार्णों पर कार्रवाई हुई? कितनी शिकायतों का स्थायी समाधान हुआ? और जिन परियोजनाओं पर पहले भी पैसा खर्च किया गया, क्या उनकी मौजूदा स्थिति का स्वतंत्र आकलन हुआ?

राजधानी की खूबसूरती सिर्फ फूलों के गमलों, रंगीन रोशनी, नई पेंटिंग और चमकती सड़कों से नहीं बनती। शहर की असली खूबसूरती उस व्यवस्था से बनती है जो कैमरे हटने के बाद भी उतनी ही मजबूती से काम करती रहे।

ब्रिक्स भारत के लिए कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण आयोजन है। दुनिया की नजर नई दिल्ली पर होगी। इसलिए राजधानी का बेहतर दिखना जरूरी है। लेकिन इस अवसर को केवल कुछ दिनों की सजावट तक सीमित कर देना दूरदर्शिता नहीं होगी। इसे दिल्ली की स्थायी शहरी व्यवस्था सुधारने के अवसर में बदलना होगा।

क्योंकि किसी शहर की असली परीक्षा उद्घाटन के दिन नहीं होती। उसकी परीक्षा तब होती है जब उद्घाटन के पोस्टर उतर चुके हों, वीआईपी काफिले जा चुके हों, कैमरे हट चुके हों और आम नागरिक फिर से अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में लौट चुका हो। ब्रिक्स के दौरान दिल्ली चमके, यह अच्छी बात है। लेकिन ब्रिक्स के बाद भी दिल्ली चमकती रहे, यही असली उपलब्धि होगी।

आखिर सवाल सिर्फ यह नहीं है कि ब्रिक्स से पहले दिल्ली कितनी चमकेगी? सवाल यह भी है कि ब्रिक्स के बाद उस चमक को बचाए रखने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? और उससे भी बड़ा सवाल- क्या अगली बार किसी बड़े आयोजन से पहले दिल्ली को फिर से उसी सड़क, उसी फुटपाथ और उसी सार्वजनिक सुविधा पर दोबारा पैसा खर्च करने की जरूरत पड़ेगी?

दिल्ली को हर आयोजन के लिए सजने वाली राजधानी नहीं, हर दिन व्यवस्थित रहने वाली राजधानी बनना होगा। यही ब्रिक्स की सबसे बड़ी विरासत हो सकती है।

ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की यूनिवर्सिटियां भारत आईं, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहा

वीरेंद्र बहादुर सिंह

भारतीयों में विदेश जाकर नौकरी करने की इच्छा आज भी बरकरार है, लेकिन पिछले डेढ़ दशक से विदेश जाकर पढ़ाई करने और वहीं बसने का चलन भी उतनी ही तेजी से बढ़ा है। खासकर पिछले एक दशक में मध्यम वर्ग ने अंतरराष्ट्रीय शिक्षा पर लाखों रुपए खर्च करना शुरू कर दिया है। हर साल लाखों युवा दुनिया के अलग-अलग देशों में पढ़ाई करने जाते हैं।

दूसरी ओर पिछले दो-तीन वर्षों में हुए भूराजनीतिक घटनाक्रमों के कारण कई देशों में रहना, पढ़ाई करना और स्थाई रूप से बसना बेहद मुश्किल हो गया है। खास तौर पर अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन द्वारा अपने नियम कड़े किए जाने के बाद भारतीय अब वहां जाने में हिचकिचाने लगे हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी हासिल करना भी पहले की तुलना में मुश्किल हो गया है।

भारत के मध्यम वर्ग ने अब विदेश जाकर विदेशी डिग्री हासिल करने का खर्च कम करने की शुरूआत की ही थी कि विदेशी विश्वविद्यालयों ने पिछले दो-चार वर्षों में भारत में प्रवेश करना शुरू कर दिया। खास तौर पर भारत के तेजी से बढ़ते मध्यम वर्ग ने अंतरराष्ट्रीय शिक्षा की मांग को गति दी है। इसे बेहतर जीवनशैली और कैरियर के बेहतर अवसरों के रास्ते के रूप में देखा जाता है। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक का एक अध्ययन सामने आया, जिसने लोगों की सोच और विदेशी डिग्री हासिल करने पर होने वाले खर्च की तस्वीर प्रस्तुत की। आरबीआई के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि भारतीय परिवारों और विद्यार्थियों ने 2025 में अंतरराष्ट्रीय शिक्षा पर लगभग 3.71 अरब डालर खर्च किए। वर्ष 2018 में यह खर्च 2.83 अरब डालर था। यानी सात वर्षों में इसमें करीब 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि कड़े होते वीजा, रोजगार और इमिग्रेशन नियमों तथा भारतीय रुपये के लगातार कमजोर होने के कारण विदेश में पढ़ाई का खर्च बढ़ गया है। ऐसे में कई भारतीय विद्यार्थी पारंपरिक चार प्रमुख देशों- अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के अलावा दूसरे विकल्पों पर विचार करने को मजबूर हुए हैं।

दूसरी ओर भारतीय विद्यार्थियों की संख्या घटने के कारण इन देशों की यूनिवर्सिटियों ने भारत में ही अपने कैंपस खोलकर काम शुरू कर दिया है। अब भारतीय विद्यार्थी भारत में रहकर ही विदेशी विश्वविद्यालयों की शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। जब विद्यार्थियों के लिए विदेश जाने के विकल्प सीमित हो रहे हैं और शिक्षा में किए गए निवेश का उचित रिटर्न मिलने की अनिश्चितता बढ़ रही है, तब विद्यार्थियों और अभिभावकों के सामने वैकल्पिक रास्तों की जरूरत भी बढ़ गई है। न जानकारों के मुताबिक नई नियामक व्यवस्था के तहत अब विदेशी विश्वविद्यालयों का भारत में आगमन शुरू हो गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप यूजीसी और अन्य नियामक संस्थाओं द्वारा अक्टूबर, 2022 और नवंबर, 2023 में नियम जारी किए गए थे। इन नियमों के तहत विश्व की शीर्ष 500 रैंकिंग में शामिल विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपने कैंपस स्थापित करने की अनुमति दी गई है। इन नियमों के तहत विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपने कैंपस स्थापित कर सकते हैं, अपने पाठ्यक्रम तैयार कर सकते हैं, अपनी फीस निर्धारित कर सकते हैं और अपनी डिग्री प्रदान कर सकते हैं। खास बात यह है कि अब तक दुनिया की शीर्ष 500 यूनिवर्सिटियों में शामिल कम से कम 20 विश्वविद्यालयों ने भारत में कैंपस स्थापित करने में रुचि दिखाई है। इनमें से 13 विश्वविद्यालय 2026-27 के शैक्षणिक सत्र के लिए सक्रिय रूप से विद्यार्थियों को प्रवेश दे रहे हैं। हाल ही



में प्रकाशित शोध रिपोर्ट द लैंडस्केप ऑफ इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैंपसेज इन इंडिया 2026, में भारत में शुरू हुई 13 विदेशी यूनिवर्सिटियों द्वारा वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए पेश किए जा रहे 91 कार्यक्रमों का विश्लेषण किया गया है। इसमें कार्यक्रमों की पेशकश, शैक्षणिक रैंकिंग और ट्यूशन फीस का विस्तृत अध्ययन किया गया है।

इस रिपोर्ट में ब्रिटेन की सात यूनिवर्सिटियां- यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन, बर्कबेक यानी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल, क्वींस यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन और यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क शामिल हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की डीकिन यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स, विक्टोरिया यूनिवर्सिटी, द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया और यूनिवर्सिटी ऑफ वोलोंगोंग जैसी पांच यूनिवर्सिटियां तथा अमेरिका की इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी भी भारत में कैंपस संचालित कर रही हैं। नियामकीय घोषणाओं के बाद कम समय में भारतीय उच्च शिक्षा का हिस्सा बनने के लिए इन अंतरराष्ट्रीय कैंपसों में काफी उत्साह दिखाई दिया है। लेकिन इन सभी 13 यूनिवर्सिटियों की ओर से 2026-27 में 91 कार्यक्रमों के लिए कुल प्रवेश क्षमता 3,000 से भी कम है। सीमित क्षमता के बावजूद इस वर्ष शायद आधी सीटें ही भर पाएं, क्योंकि इनमें से कई यूनिवर्सिटियों को प्रवेश प्रक्रिया के अंतिम चरण में मंजूरी मिली थी। इन कैंपसों के विकास के शुरूआती चरण में एक बड़ी चुनौती यह है कि विद्यार्थियों और अभिभावकों को सीमित, असंगत और लगातार बदलती जानकारी के बीच महत्वपूर्ण फैसले लेने पड़ रहे हैं। इसके अलावा इन यूनिवर्सिटियों को अपने मुख्य कैंपस के समान ही कार्यक्रम पेश करने होते हैं। इसके कारण भारत में अलग-अलग नाम, अवधि और लागत वाले कार्यक्रम सामने आ रहे हैं। विभिन्न यूनिवर्सिटियों द्वारा घोषित छात्रवृत्तियों के समय और पात्रता के मानदंड भी अलग-अलग हैं। इससे विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए वास्तविक यानी छात्रवृत्ति के बाद लगने वाली शुद्ध ट्यूशन फीस का स्पष्ट अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है। इस अध्ययन में भारत में शुरू हुए विदेशी विश्वविद्यालयों की ट्यूशन फीस की तुलनात्मक स्थिति जानने का भी प्रयास किया गया। शोध में स्नातक कार्यक्रम पेश करने वाली 11 विदेशी यूनिवर्सिटियों की औसत प्रथम वर्ष की फीस की तुलना उन्हीं विश्वविद्यालयों के मूल यानी होम कैंपस में पढ़ाई करने के खर्च से की गई। केवल स्नातकोत्तर कार्यक्रम पेश करने वाली दो यूनिवर्सिटियों को इस तुलना से बाहर रखा गया। अध्ययन के विश्लेषण से पता चलता है कि आवश्यक निवेश के लिहाज से अंतरराष्ट्रीय कैंपस में पढ़ाई का खर्च होम कैंपस में जाकर पढ़ाई करने की लागत का लगभग 36 प्रतिशत ही है। इस तुलना में रहने और यात्रा का खर्च शामिल नहीं है। ये खर्च विदेश में पढ़ाई को और महंगा बना देते हैं। इसके अलावा 13 यूनिवर्सिटियों द्वारा पेश किए जा रहे 91 कार्यक्रमों, जिनमें 38 स्नातकोत्तर और 53 स्नातक कार्यक्रम हैं, के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि स्नातक कार्यक्रमों की औसत ट्यूशन फीस करीब 13.3 लाख रुपए है। इसकी सीमा 7.5 लाख रुपए से 17.9 लाख रुपए के बीच है। इसी तरह इन यूनिवर्सिटियों में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की औसत फीस लगभग 17.2 लाख रुपए है, जबकि इसकी सीमा 12.5 लाख रुपए से 23.1 लाख रुपए के बीच है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन यूनिवर्सिटियों के पाठ्यक्रमों की अवधि में काफी अंतर है। इसका सीधा असर डिग्री के लिए आवश्यक कुल निवेश यानी फीस पर पड़ता है। इन यूनिवर्सिटियों में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए एक वर्ष, डेढ़ वर्ष और दो वर्ष की अवधि वाले विकल्प उपलब्ध हैं। इसी तरह स्नातक स्तर पर अधिकांश कार्यक्रम तीन वर्ष के हैं, जबकि कुछ कार्यक्रम चार वर्ष के हैं।

इसका अर्थ है कि कार्यक्रम की पूरी अवधि के आधार पर कुल खर्च की गणना करने पर विदेशी यूनिवर्सिटियों के बीच काफी बड़ा अंतर दिखाई देता है। लंबी अवधि वाले कार्यक्रम स्वाभाविक रूप से अधिक महंगे पड़ते हैं। उदाहरण के लिए, यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन के मुंबई कैंपस में डेटा साइंस के चार वर्षीय बैचलर कार्यक्रम की ट्यूशन फीस 48 लाख रुपए है। इसके मुकाबले गुरुग्राम में विक्टोरिया यूनिवर्सिटी की तीन वर्षीय डिग्री की फीस 33 लाख रुपए है।

इसी तरह इलिनोइस टेक के मुंबई कैंपस में दो वर्षीय मास्टर ऑफ साइंस इन डेटा साइंस की कुल ट्यूशन फीस 30 लाख रुपए है, जबकि गुरुग्राम में यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन के एक वर्षीय मास्टर ऑफ साइंस इन डेटा साइंस कार्यक्रम के लिए 17.6 लाख रुपये खर्च करने पड़ते हैं। खर्च में अंतर का एक और पहलू संबंधित विश्वविद्यालय के मूल देश के हिसाब से औसत फीस है। भारत में संचालित 14 अंतरराष्ट्रीय कैंपसों में से, जिनमें एक विश्वविद्यालय के दो कैंपस हैं, ब्रिटेन सबसे आगे है। उसके सात कैंपस में 50 कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया का स्थान है, जिसके छह कैंपस में 33 कार्यक्रम हैं। अमेरिका की केवल एक यूनिवर्सिटी भारत में आठ कार्यक्रम पेश कर रही है। स्नातक कार्यक्रमों के मामले में ऑस्ट्रेलियाई कैंपसों का खर्च ब्रिटेन के कैंपसों की तुलना में करीब 16 प्रतिशत अधिक है। ऑस्ट्रेलियाई कैंपसों में औसत फीस करीब 14.2 लाख रुपए, जबकि ब्रिटिश कैंपसों में यह लगभग 12.2 लाख रुपए है। ब्रिटेन के स्नातक कार्यक्रमों की फीस में भी काफी अंतर देखने को मिलता है। वहां औसत फीस लगभग 7.5 लाख से 15 लाख रुपए के बीच है। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया में फीस की सीमा अपेक्षाकृत कम है और यह लगभग 11 लाख से 18 लाख रुपए के बीच है। स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के मामले में स्थिति बदल जाती है। यहां ब्रिटेन थोड़ा अधिक महंगा है, हालांकि अंतर केवल करीब 5 प्रतिशत है। ऑस्ट्रेलिया की स्नातकोत्तर फीस सभी कैंपसों में अपेक्षाकृत समान है, जबकि ब्रिटेन की फीस में काफी बड़ा अंतर दिखाई देता है। वहां यह औसतन 12.5 लाख से 23.1 लाख रुपए के बीच है। विदेशी यूनिवर्सिटियों की भारत में मौजूदगी का यह नया परिदृश्य बताता है कि अलग-अलग नाम, अवधि और वार्षिक ट्यूशन फीस के साथ विदेशी विश्वविद्यालय तेजी से भारत में प्रवेश कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय कैंपसों ने विद्यार्थियों के लिए देश में रहकर वैश्विक डिग्री हासिल करने का विकल्प निश्चित रूप से बढ़ाया है। लेकिन इन विकल्पों में से सही चुनाव करना अभी भी आसान नहीं है। भारत में फिलहाल संचालित इन विदेशी यूनिवर्सिटियों की प्रासंगिकता अभी पूरी तरह स्थापित नहीं हुई है। इसके अलावा, इन यूनिवर्सिटियों के भारत स्थित कैंपस में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को उनके मूल देश स्थित कैंपस जैसी प्लेसमेंट सुविधाएं मिलेंगी या नहीं, यह भी एक महत्वपूर्ण सवाल है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि लाखों रुपए की भारी फीस खर्च करने के बाद भी रोजगार मिलने की कोई निश्चित गारंटी नहीं है। ऐसे में विदेशी विश्वविद्यालयों के भारतीय कैंपस विद्यार्थियों को विदेश जाने की लागत और वीजा संबंधी परेशानियों से तो बचा सकते हैं, लेकिन डिग्री की वास्तविक कीमत, रोजगार के अवसर और निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आने वाले वर्षों में ही स्पष्ट हो सकेगा।

सेहत

बच्चों की सेहत से खिलवाड़ है उनको जबरन खिलाना

- बच्चों को ठूंस-ठूंस कर खिलाना नुकसानदेह।
- खाना भूख के हिसाब से तय नहीं होता।
- बच्चे को खुद तय करने दें कि कितना खाना हैं।
- ऐसे बच्चों का बॉडी मास इंडेक्स ज्यादा होता है।



लगभग हर मां-बाप को लगता है कि उनका बच्चा जितना अधिक खाएगा उसकी सेहत के लिए उतना ही अच्छा रहेगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चों को ठूंस-ठूंस के खिलाना बच्चों की सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

कुछ माता-पिता अपने बच्चे की इच्छा के विरूद्ध उसे खाने के लिए मजबूर करते हैं। उन्हें लगता है कि उनका बच्चा जितना अधिक खा ले उतना ही अच्छा है। पर मां-बाप की इस सोच को वैज्ञानिकों ने बच्चे के लिए बेहद खतरनाक बताया है। जी हां अगर आप भी ऐसे ही पेरेंट्स में से एक हो जो अपने बच्चों को ठूंस-ठूंस कर खिलाते हैं तो सावधान हो जाएं, क्योंकि एक शोध में यह बात सामने आई है कि ऐसा करने से बच्चे का वजन बेवजह बढ़ जाता है, जो उनके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह है।

दीर्घकालीन अध्ययन का हिस्सा

यह शोध 'पीडियाट्रिक सायकोलॉजी' नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। और यह शोध दीर्घकालीन अध्ययन का एक हिस्सा है, जो कई वर्षों तक बच्चों के मनोवैज्ञानिक तथा मनो-सामाजिक विकास पर अध्ययन करता है।

शोध के अनुसार

शोध के अनुसार, यदि बच्चों को प्लेट में बचा एक-एक दाना खाने पर जोर दिया जाता है, तो वे अपने शरीर के संकेतों को समझना बंद कर देते हैं और तब तक खाते हैं, जब तक उनके माता-पिता खुश न हो जाएं। खाने के सामान्य व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए यह जरूरी है कि बच्चे खुद तय करने दें कि वह कितना खाना चाहते हैं।



शोध के नतीजे

नार्वे यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में सहायक प्रोफेसर सिल्जे स्टेनस्बेक के अनुसार, कुछ बच्चों का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) अन्य बच्चों की तुलना में क्यों बढ़ता है, यह जानने के लिए हमने उनकी शारीरिक गतिविधियों, टेलीविजन टाइम तथा भूख पर ध्यान केंद्रित किया।

स्टेंसबेक के अनुसार, अध्ययन से यह बात सामने आई कि उन बच्चों के बीएमआई में ज्यादा वृद्धि होती है, जिनमें भोजन उनके खाने के स्वभाव को प्रभावित करता है। वे कितना खाते हैं यह भूख के हिसाब से तय नहीं होता, बल्कि खाने को देखकर तथा उसके गंध से तय होता है।



बच्चों में आजकल जंक फूड्स खाने की आदत काफी बढ़ गई है। जंक फूड्स से न सिर्फ मोटापा बढ़ता है, बल्कि बच्चों की याददाश्त कमजोर होती है और उनमें एलर्जी का खतरा बढ़ता है, जानें जंक फूड्स बच्चों के लिए कितने खतरनाक हो सकते हैं।

पिज्जा, बर्गर से बच्चों में याददाश्त की कमी

छुट्टी के दिन अक्सर बच्चे कुछ अलग खाने की मांग करते हैं। आजकल बच्चों में पिज्जा, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज, चाउमीन, मोमोज जैसे जंक फूड्स खाने की आदत बहुत बढ़ गई है। यह तो आप जानते ही हैं कि जंक फूड्स से बच्चों में मोटापा बढ़ता है। मगर हाल में हुई एक रिसर्च बताती है कि ज्यादा जंक फूड्स खाने से बच्चों में एलर्जी का खतरा बढ़ जाता है और उनकी याददाश्त में कमी आती है। छोटी उम्र के बच्चे, जो स्कूल जाते हैं, यानी जिनका मानसिक विकास तेजी से हो रहा है, उनमें जंक फूड्स की आदत बहुत खतरनाक हो सकती है। इससे बच्चों का मानसिक विकास रुक सकता है और उसका दिमाग कमजोर हो सकता है। आइए आपको बताते हैं जंक फूड्स किस तरह बच्चों के स्वास्थ्य पर डालते हैं बुरा असर।

जंक फूड्स से बच्चों में एलर्जी का खतरा

ये रिसर्च यूरोपियन सोसायटी फॉर पीडियाट्रिक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी हेपैटोलॉजी एंड न्यूट्रीशन के वार्षिक सम्मेलन में सामने रखी गई। रिसर्च के अनुसार ऐसे फूड्स जिनमें चीनी की मात्रा बहुत अधिक हो, नमक की मात्रा बहुत अधिक हो, प्रॉसेस्ड हो, माइक्रोवेव में बनाया या गर्म किया गया हो या बार्बेक्यू में रोस्ट किया गया हो, इन सभी फूड्स से बच्चों को एलर्जी हो सकती है। इन सभी आहारों में फूड्स में एडवांस्ड ग्लाइकेशन एंड प्रोडक्ट्स की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे बच्चों को एलर्जी हो सकती है।

कम उम्र में डायबिटीज और हड्डी रोगों का खतरा

ज्यादा वाले आहार जैसे- पिज्जा, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज, डोनट्स, कोल्ड ड्रिंक्स, सोडा, चाउमीन आदि के ज्यादा सेवन से ऑक्सिडेटिव वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इन बीमारियों में डायबिटीज प्रमुख है। इसके अलावा लंबे समय तक इस तरह के फूड्स खाते रहने से बच्चों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं।

6 से 12 साल के बच्चों पर रिसर्च

इस रिसर्च के लिए 6 से 12 साल की उम्र के 61 बच्चों के बारे में अध्ययन किया गया। इस रिसर्च के लिए इन बच्चों को 3 कैटेगरीज में बांटा गया, पहली कैटेगरी में ऐसे बच्चे शामिल किए गए थे, जिन्हें पहले से फूड एलर्जी है, दूसरी कैटेगरी में ऐसे बच्चों को शामिल किया गया, जिन्हें सांस की बीमारी है और तीसरी कैटेगरी में उन बच्चों को रखा गया, जो पूरी तरह स्वस्थ थे। रिसर्च के बाद शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि बच्चों के लिए जंक फूड्स की आदत हर तरह से खराब है।

अच्छी तरह नहीं हो पाता बच्चों का मानसिक विकास

सप्ताह में 1-2 बार जंक फूड्स खाने वाले बच्चों का मस्तिष्क कमजोर होता है और मानसिक विकास अच्छी तरह नहीं हो पाता है। दरअसल जंक फूड्स स्वादिष्ट लगते हैं और इन्हें खाने से पेट भी भर जाता है, मगर इनमें पोषक तत्व बिल्कुल नहीं होते हैं। शरीर को स्वस्थ रहने के लिए रोजाना थोड़ी-थोड़ी मात्रा में विटामिन, प्रोटीन, मिनरल्स आदि चाहिए। जंक फूड्स में ये सभी चीजें बहुत कम पाई जाती हैं या बिल्कुल नहीं पाई जाती हैं। इसलिए ये मस्तिष्क को खराब करता है।

बच्चों में विटामिन डी की कमी से बढ़ता है एनीमिया का खतरा

यदि आपके लाडले के शरीर में विटामिन डी की कमी है तो उसे एनीमिया होने का खतरा ज्यादा रहता है। आपके लाडले के शरीर में विटामिन डी की कमी उसके लिए खतरनाक साबित हो सकती है। एक नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया है कि बच्चों में लंबे समय तक विटामिन डी की कमी बने रहना एनीमिया रोग का कारण बन सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि यदि रक्त में विटामिन डी का स्तर 30 नैनो ग्राम प्रति मिली लीटर से कम है तो ऐसे में बच्चे के एनीमिया गस्त होने की आशंका रहती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि 30 नैनो ग्राम प्रति मिली लीटर से कम स्तर वाले बच्चों को सामान्य विटामिन डी के स्तर वाले बच्चों की तुलना में दोगुना खतरा था। जिन बच्चों को एनीमिया होने का खतरा था उनके रक्त में विटामिन डी की मात्रा 20 नैनो ग्राम प्रति मिली लीटर पाई गई। इससे पहले भी कई अध्ययनों में विटामिन डी और एनीमिया के बीच संबंध पाया जा चुका है। यह भी पता चला कि विटामिन डी की कमी रेड ब्लड सेल के उत्पादन पर भी असर डालता है। रेड ब्लड सेल का उत्पादन कम होने पर इम्यून सिस्टम पर विपरीत असर पड़ता है। शोध के दौरान गहरे रंग की त्वचा वाले बच्चों की तुलना में गोरी त्वचा वाले बच्चों में विटामिन डी की कमी ज्यादा पाई गई। शोध के आधार पर कहा गया कि त्वचा के रंग में अंतर विटामिन डी की कमी और एनीमिया दोनों का कारण बन सकता है।

जानकारी

ऑस्टियोपीनिया में बढ़ जाता है हड्डियों के टूटने का खतरा

लक्षण और बचाव

गलत खानपान और अनियमित जीवनशैली के कारण हमारे शरीर के अंगों के साथ-साथ हमारी हड्डियां भी प्रभावित हो रही हैं। हाड्डयों के कमजोर होने से लोगों को कई तरह के रोग घेर रहे हैं। ऐसी ही हड्डी से जुड़ी एक बीमारी है ऑस्टियोपीनिया। ऑस्टियोपीनिया हड्डियों की उस स्थिति को कहते हैं, जब हड्डियों का घनत्व बहुत कम हो जाता है और इसी वजह से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। कई बार हड्डियां इतनी कमजोर हो जाती हैं कि हल्की सी चोट से भी हड्डियों के टूटने का खतरा रहता है। आइए जानते हैं ऑस्टियोपीनिया और इससे बचाव के बारे में।

ऑस्टियोपीनिया और ऑस्टियोपोरोसिस लगभग एक सी बीमारियां हैं। दोनों में बस इतना अंतर है कि ऑस्टियोपोरोसिस में हड्डियों का क्षरण शुरू हो जाता है, जबकि ऑस्टियोपीनिया में इसके शुरू होने की संभावना होती है। यानि एक तरह से ऑस्टियोपीनिया अलार्म है कि आपको ऑस्टियोपोरोसिस होने वाला है। इस अलार्म के संकेत समझकर आप समय रहते सही इलाज और आहार अपनाते हैं, तो ये खतरा टाला जा सकता है।

यह हैं इस रोग के कारण



ऑस्टियोपीनिया कई कारणों से हो सकता है। इसका सबसे ज्यादा खतरा उन लोगों को होता है जिनके परिवार में पहले से हड्डियों की बीमारी जैसे ऑस्टियोपीनिया, ऑस्टियोपोरोसिस आदि के रोगी रहे हों। कई बार अन्य अनुवांशिक रोग इसका कारण बनते हैं। कई बार हार्मोन्स के ठीक से न बनने से भी ये बीमारी होती है। आमतौर पर महिलाओं में इस्ट्रोजन और टेस्टॉस्टेरॉन हार्मोन्स के कम स्राव से मेनोपॉज के बाद इस बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। इस बीमारी के बड़े कारणों में धूम्रपान और एल्कोहलिक पदार्थों का ज्यादा सेवन भी शामिल हैं। कुछ बीमारियां भी आपकी हड्डियां कमजोर कर सकती हैं और इस बीमारी के खतरे को बढ़ा देती हैं। रूमेटॉइड आर्थराइटिस से हड्डियों की कमजोरी और इस रोग की संभावना बढ़ जाती है, जो लोग ज्यादा चलते-फिरते नहीं हैं और जिन्हें सोने या बैठने की आदत ज्यादा है, उन्हें भी इस बीमारी का खतरा होता है।

कैसे संभव है बचाव

ऑस्टियोपीनिया से बचाव के लिए आपको कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर आहार का सेवन करना चाहिए। विटामिन सी के सेवन से भी हड्डियां मजबूत होती हैं। इसके अलावा कैल्शियम के शरीर में ठीक से अवशोषित होने के लिए विटामिन डी भी बहुत जरूरी है। अपने आहार में दूध, दही, हरी सब्जियां, ताजे फल और ड्राई फ्रुट्स को शामिल करें।

ऑस्टियोपीनिया रोग के लक्षण

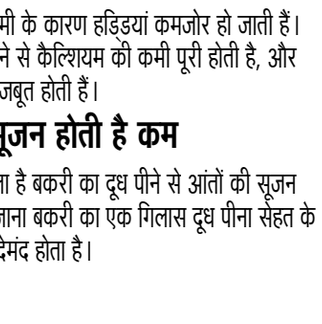
इसकी खास बात ये हैं कि इसमें तब तक दर्द नहीं होता है जब तक कि कोई हड्डी न टूट जाए। कई बार हड्डी टूटने पर भी दर्द नहीं होता है। ऐसे में इसके लक्षण आप समझ नहीं पाते हैं और अंदर-अंदर आपको ये बीमारी कमजोर करती रहती है। कई बार हड्डियां टूटने के बाद भी पता नहीं चलता है और इलाज के अभाव में यह बढ़ता रहता हैं। कई बार रीढ़, या पीठ में दर्द होता है, जिसे आप नजरअंदाज करते हैं या पेन किलर खाकर राहत पाते हैं।

इसलिए जरूरी है इलाज

ऑस्टियोपीनिया होने पर लोगों को दर्द नहीं होता या थोड़ा-बहुत होता है इसलिए कई बार लोग इसे नजरअंदाज करते हैं और इलाज करवाने की जरूरत नहीं समझते हैं, लेकिन ऑस्टियोपीनिया होने पर हड्डियां इतनी कमजोर हो जाती हैं कि कई अंदरूनी अंगों जैसे स्पाइल हड्डियां आदि धीरे-धीरे टूटती रहती हैं और पता भी नहीं चलता है। ऐसे में बाद में गंभीर समस्या या ऑपरेशन करना पड़ सकता है। कई बार हिप्स यानि कूल्हे की हड्डी टूट जाने पर असहनीय दर्द होता है और मरीज को बरसों इलाज की जरूरत पड़ सकती है।

बच्चों को बकरी के दूध के फायदे

अब तक कहा जाता रहा है कि गाय का दूध में वही गुण होते हैं जो नवजात शिशुओं को मां के दूध में मिलते हैं। इसलिए इसे शिशुओं के लिए इसे अच्छा माना जाता रहा है। मगर रॉयल मेलबर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (RMIT) के एक अध्ययन में बकरी के दूध को लेकर कई चौंकाने वाले तथ्य पेश किए गए हैं। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में छपे RIMT के शोध में कहा गया है कि बकरी का दूध प्रीबायोटिक और एंटी इनफेक्शन गुणों से लैस होता है। यह नवजात शिशुओं में होने वाले गैस्ट्रोइन्टेस्टाइनल इनफेक्शन से रक्षा करता है। रिसर्च में कहा गया है कि बकरी के दूध में oligosaccharides नाम का एक तरह का प्रीबायोटिक होता है, जो आंतों में गुड बैक्टीरिया को बढ़ने में मदद करता है। इसके साथ ही यह खतरनाक बैक्टीरिया से बचाने में अहम रोल अदा करता है। शोध के मुताबिक बकरी के दूध में प्राकृतिक रूप से 14 प्रीबायोटिक oligosaccharides होते हैं। इनमें से 5 मां के दूध में भी होते हैं।



बच्चों के लिए उपयोगी

- बकरी के दूध में एग्लूटिनिन नाम का कंपाउंड नहीं होता है। यह दूध में मौजूद वसा को एकत्र नहीं होने देता है। गाय के दूध में यह तत्व मौजूद होता है।
- एक रिपोर्ट के मुताबिक बकरी के दूध में छोटे फैट पार्टिकल होते हैं। साथ ही इसमें उपलब्ध प्रोटीन छोटे बच्चों में होने वाली दूध उलटने की समस्या को कम करने में मदद करता है।
- गाय के दूध के मुकाबले बकरी के दूध में सेलेनियम, नियासिन और विटामिन ए की मात्रा अधिक होती है।
- अध्ययनों में यह भी पता चला है कि गाय के दूध की अपेक्षा बकरी के दूध में एलर्जी बढ़ाने वाले तत्व नहीं होते हैं। साथ ही इसमें लैक्टोज की मात्रा भी गाय के दूध के मुकाबले काफी कम होती है।
- अध्ययनों यह भी दावा किया जाता है कि बकरी के दूध में दिमाग की क्षमता बढ़ाने वाले सन्युग्म लिनोलिक ऐसिड भी होता है।
- शोध में कहा गया है कि बकरी का दूध आयरन के बेहतर इस्तेमाल में मदद करता है। इससे आयरन और कैल्शियम, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स के साथ परस्पर क्रिया की संभावना कम हो जाती है।

ये भी हैं फायदे

ब्लड प्रेशर होता है कम

बकरी के दूध पीने वाले व्यक्ति का ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, क्योंकि बकरी के दूध में पोटेशियम का स्तर ज्यादा होता है, जो ब्लड प्रेशर को कम या ज्यादा होने से रोकती है। वहीं बकरी के दूध में सेलेनियम नामक एक मिनरल पाया जाता है।

बढ़ता है इम्यून सिस्टम

जो बॉडी के प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाने में मददगार होता है। कई डॉक्टर बच्चों को इसके सेवन का सुझाव देते हैं। इसके दूध में भारी मात्रा में कैल्शियम होता है, जिससे हड्डियां मजबूत होती है और बच्चा जल्द चलने लगता है। इसके अलावा बकरी के दूध में 35 प्रतिशत तक फैटी एसिड मौजूद होता है जो शरीर के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है।

हड्डियां होती है मजबूत

कैल्शियम की कमी के कारण हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। बकरी का दूध पीने से कैल्शियम की कमी पूरी होती है, और इससे हड्डियां मजबूत होती हैं।

आंतों की सूजन होती है कम

रिसर्च में पता चला है बकरी का दूध पीने से आंतों की सूजन कम होती है। रोजाना बकरी का एक गिलास दूध पीना सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है।

क्या आप जानते हैं दूध के दांतों से जुड़ी ये बातें

जन्म के छह माह बाद बच्चे का पहला दांत आता है और ढाई साल की उम्र तक बीस दांत आ जाते हैं।

जन्म के छह माह बाद बच्चे का पहला दांत आता है और ढाई साल की उम्र तक बीस दांत आ जाते हैं। सात साल की उम्र में दांत टूटने शुरू होते हैं और बारह साल की उम्र तक दूध के सभी दांत टूट जाते हैं। एक साल की उम्र के बाद भी बच्चा मां का दूध पी रहा है तो दांतों में सड़न की तकलीफ होती है। ऐसे में इस समस्या से बचाव के लिए एक साल की उम्र के बाद मां का दूध नहीं पिलाना चाहिए। छह साल की उम्र में बच्चे की पहली पक्की दाढ़ आ जाती है। जिन बच्चों के दांत टेढ़े मेढ़े आते हैं, उनका इलाज नौ साल की उम्र में शुरू हो जाना चाहिए। मायो फंक्शनल टेक्नीक से इसका बेहतर इलाज संभव है। बच्चों का दूध का दांत किसी वजह से अचानक टूट जाए तो डॉक्टर को दिखाना चाहिए। टूटे हुए दांत से दूसरे दांत को संक्रमण होने का खतरा रहता है।

बच्चों में हर्पिटीक जिंजिवाइटिस खतरनाक



चार से छह साल की उम्र के बच्चों में हर्पिटीक जिंजिवाइटिस की समस्या भी पाई जाती है। इसमें दांत में तकलीफ की वजह से बच्चे को 104-105 डिग्री तेज बुखार रहता है। बच्चे के होंठ और मसूड़ों पर लाल चकते बनने लगते हैं। भूख लगनी बंद होने के साथ उल्टी, दस्त के साथ मुंह के भीतर छाले बन जाते हैं, जिससे बच्चे का खाना पीना बंद हो जाता है। ऐसी स्थिति में बच्चे को डेंटिस्ट के साथ सपोर्टिव थैरेपी देते हैं, जिससे उसकी स्वास्थ्य संबंधी समस्या अधिक न बिगड़े।

बार-बार मुंह में उंगली न लगाने दें

बच्चों के जब दांत निकलने लगते हैं तो वे अपनी उंगली बार-बार मुंह के भीतर ले जाते हैं। बार-बार मुंह में उंगली ले जाने से दांत में संक्रमण का खतरा बढ़ने के साथ का आकार बदल सकता है। कई बार बच्चे दांत को ऊंगुली से कसकर दबाते हैं जिससे दांत की बनावट पर फर्क पड़ता है। ऐसे में दांत निकलने पर बच्चों पर ध्यान देना चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि वे बार-बार उंगली न लगाएं। इससे बचाव के लिए रबर की माउथ कैप आती है, जिसे लगाया जा सकता है।

रेसिपी

ओट्स एग कस्टर्ड



सामग्री

- 1 अंडे का पीला भाग
- 1 केला (मैश किया हुआ)
- 1 कप दूध
- 1/2 कप ओट्स
- आधा चम्मच बादाम पाउडर
- आधा चम्मच कस्टर्ड पाउडर
- मेवे सर्व करने के लिए

विधि

सबसे पहले एक बाउल में मैश किया हुआ केला और अंडे को डालकर अच्छे से इसे फेंट लें। इसके बाद दूध को उबालकर इसे ठंडा कर लें और इसमें ये मिश्रण डालकर ओट्स मिलाएं, साथ ही इसमें कस्टर्ड पाउडर डालकर 3-4 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इसमें ओट्स मिलाएं और बादाम पाउडर डालकर कुछ देर पकाएं। तैयार है ओट्स एग कस्टर्ड। अब इसे फ्रिज में ठंडा करके किशमिश काजू डालकर सर्व करें।

बेसन भुर्जी स्नैक्स



सामग्री

- बेसन: 1 कप
- अलसी के बीज का पाउडर: 1 चम्मच
- दही: 2 चम्मच
- जीरा: 1 चम्मच
- बारीक कटा प्याज: 1
- बारीक कटी शिमला मिर्च: 1
- कटा हुआ मशरूम: 1 कप
- बारीक कटी मिर्च: 2
- हल्दी पाउडर: 1/4 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर: 1 चम्मच
- जीरा पाउडर: 1 चम्मच
- नमक: स्वाद के अनुसार
- तेल: 2 चम्मच
- धनिया पत्ती: गार्निशिंग के लिए

विधि

एक बर्तन में बेसन, दही और अलसी का पाउडर डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। आवश्यकतानुसार पानी डालकर मिलाएं और बेसन का घोल तैयार कर लें। नॉनस्टिक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा डालें। जब जीरा चटकने लगे तो पैन में प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। मिर्च व अन्य सब्जियां डालकर मिलाएं। मसाले डालकर मिलाएं और पांच से छह मिनट तक भूनें। अब धीरे-धीरे बेसन वाला मिश्रण पैन में डालें। धीमी आंच पर लगभग पांच मिनट पकाएं। जब बेसन वाला मिश्रण किनारों से पकने लगे तो धीरे-धीरे सब्जी एवं बेसन के मिश्रण को मिलाना शुरू करें। ध्यान रहे कि सब्जियां पूरी तरह से गल न जाएं। जब भुर्जी का रंग सुनहरा होने लगे तो पैन में नमक एवं धनिया पत्ती डालकर मिलाएं। दो-तीन मिनट बाद गैस बंद कर दें। इस भुर्जी को ब्रेड टोस्ट के साथ नाश्ते में सर्व करें।

सामाजिक कार्य में योगदान के लिए प्रवीण तिवारी को मानद डॉक्टरेट मिला

झारखंड के पुलिसकर्मी-सह-सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण तिवारी को सामाजिक कार्य के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए कैम्ब्रिज इंटरनेशनल ओपन एंड ऑनलाइन यूनिवर्सिटी द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। यह संस्थान कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ऑफ कनाडा से संबद्ध है। नई दिल्ली के होटल सूर्या में आयोजित एक समारोह में प्रवीण तिवारी को भारत निर्वाचन आयोग के पूर्व संयुक्त निदेशक डॉ. एमडी अमीन ने मानद डॉक्टरेट प्रदान की। समारोह में आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ. इंद्रेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रवीण तिवारी अपने पुलिस सेवा के पेशेवर दायित्वों के साथ-साथ सामाजिक कल्याण से जुड़ी पहलों में भी सक्रिय



रूप से जुड़े रहे हैं। समाज के प्रति उनके निरंतर प्रयासों और योगदान को देखते हुए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में तीन अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों को भी मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया। इनमें दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के आयुक्त श्री वी.एस. तोमर को लोक प्रशासन के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वहीं श्री राहुल गुप्ता को शिक्षा के क्षेत्र में योगदान तथा डॉ. कमला कौशिक को संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए मानद डॉक्टरेट प्रदान की गई। इस सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान समाज और अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया।

पॉकेट-7 की समस्याओं का जायजा लेने पहुंचे सीनियर मैनेजर, जल्द समाधान का दिया भरोसा

तीन साल से जाम नालियों से परेशान हैं निवासी, फ्लैटों की नींव में पहुंच रहा पानी; सुरक्षा और विकास के मुद्दे भी उठे

गौतमबुद्ध नगर। सेक्टर-82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट-7 की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का संज्ञान लेते हुए वर्क सर्किल-8 के सीनियर मैनेजर रोहित सिंह ने पॉकेट का दौरा कर मौके पर स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने नालियों और जल निकासी की व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। बताया गया कि समस्याओं को लेकर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने एक दिन पहले सेक्टर-39 स्थित वर्क सर्किल-8 कार्यालय में सीनियर मैनेजर रोहित सिंह को पत्र सौंपकर पॉकेट की समस्याओं से अवगत कराया था। इसके बाद सीनियर मैनेजर ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि तीन वर्षों से अधिक समय से पॉकेट की अधिकांश नालियां जाम पड़ी हैं। पहले नालियों का पानी आसानी से नाले में चला जाता था, लेकिन अब जल निकासी बाधित होने के कारण गंदा पानी फ्लैटों की नींव तक पहुंच रहा है। इससे भवनों की स्थिति लगातार खराब



होने की आशंका बनी हुई है और भविष्य में सुरक्षा संबंधी गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है।

उन्होंने कहा कि समस्या का अस्थायी समाधान करने के बजाय नालियों की समुचित सफाई और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है। निरीक्षण के दौरान आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने पॉकेट की अन्य आवश्यकताओं से भी सीनियर मैनेजर को अवगत कराया।

आरडब्ल्यूए की ओर से पॉकेट में एक सार्वजनिक टॉयलेट के निर्माण की मांग रखी गई।

इसके अलावा जिन स्थानों पर विद्युत ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं, वहां सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षात्मक दीवार बनाने की आवश्यकता बताई गई, ताकि हादसों की आशंका को कम किया जा सके। बैठक में प्राधिकरण के जर्जर फ्लैटों की मरम्मत कराने तथा पॉकेट-7 की बाउंड्री वॉल के बाहर प्राधिकरण की खाली पड़ी जमीन का उपयोग क्षेत्र के विकास के लिए करने का मुद्दा भी उठाया गया। आरडब्ल्यूए ने सुझाव दिया कि उक्त भूमि पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स विकसित किया जाए अथवा नियमानुसार व्यावसायिक उपयोग में लाया जाए, जिससे क्षेत्र में सुविधाओं का विस्तार हो सके। सीनियर मैनेजर रोहित सिंह ने मौके पर सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित बिंदुओं का निरीक्षण करते हुए उनके जल्द समाधान का भरोसा दिया।

उन्होंने कहा कि समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर देखा जाएगा और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए कोषाध्यक्ष सुशील पाल सहित प्राधिकरण के अन्य कर्मचारी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे। पॉकेटवासियों ने उम्मीद जताई कि अधिकारियों के मौके पर निरीक्षण के बाद लंबे समय से लंबित समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में जल्द ठोस कार्रवाई होगी।

अपोलो हॉस्पिटल्स ने शुरू किया ऑलवेज ओपन, ऑलवेज हियर

देश में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुविधाजनक और मरीज-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपोलो हॉस्पिटल्स ने ऑलवेज ओपन, ऑलवेज हियर अभियान की शुरूआत की है। इस पहल के तहत अब रविवार सहित सप्ताह के सातों दिन नियमित एवं योजनाबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। अपोलो हॉस्पिटल्स की इमरजेंसी, क्रिटिकल केयर और इनपेशेंट सेवाएं पहले से ही 24 घंटे उपलब्ध हैं। नई पहल के तहत अब आउटपेशेंट कंसल्टेशन, डायग्नोस्टिक सेवाएं, प्रिवेंटिव हेल्थ चेक, फॉलो-अप कंसल्टेशन और पहले से निर्धारित प्रक्रियाएं भी रविवार को उपलब्ध होंगी। इससे कामकाजी लोगों, बुजुर्गों, परिवारों और देखभाल करने वालों को अपनी सुविधा के अनुसार स्वास्थ्य सेवाएं लेने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा।

अपोलो के अनुसार, व्यस्त कार्यशैली, पारिवारिक जिम्मेदारियों और सप्ताह के दिनों में समय की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग स्वास्थ्य जांच, डॉक्टर से परामर्श और आवश्यक टेस्ट टाल देते हैं। कंपनी की ह्यहेल्थ ऑफ द नेशन 2026 रिपोर्ट में अपोलो इकोसिस्टम में हुई 25 लाख से अधिक हेल्थ स्क्रीनिंग के आधार पर जीवनशैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ते बोझ को रेखांकित



किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, स्क्रीनिंग में करीब 26 प्रतिशत लोगों में हाइपरटेंशन और 23 प्रतिशत में डायबिटीज** पाई गई। कई मामलों में लोगों में बीमारी के स्पष्ट लक्षण भी नहीं थे। ऐसे में नियमित स्वास्थ्य जांच और समय रहते बीमारी की पहचान को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

डॉ. प्रताप सी. रेड्डी ने कहा रोकथाम भी स्वास्थ्य सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप के फाउंडर एवं चेयरमैन डॉ. प्रताप सी. रेड्डी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य केवल बीमारी का इलाज करना नहीं, बल्कि बीमारी की रोकथाम और लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करना भी है। उन्होंने कहा कि अपोलो इमरजेंसी और क्रिटिकल केयर के लिए हमेशा उपलब्ध रहा है और अब नियमित एवं प्रिवेंटिव केयर को भी सप्ताह के सातों दिन उपलब्ध कराने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि समय पर डॉक्टर से परामर्श और जांच के माध्यम से कई स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान गंभीर स्थिति बनने से पहले की जा सकती है। लोगों को स्वास्थ्य को टालने के बजाय समय रहते आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करना इस पहल का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

अपोलो हॉस्पिटल्स की एग्जिक्यूटिव वाइस चेयरमैन डॉ. प्रीथा रेड्डी ने कहा कि मेडिकल केयर लोगों को उनकी सुविधा के अनुसार उपलब्ध होना चाहिए। कामकाजी पेशेवरों, केयरगिवर्स और परिवारों की अनेक जिम्मेदारियों को देखते हुए रविवार को डॉक्टर का परामर्श, हेल्थ चेकअप और फॉलो-अप केयर उपलब्ध होना उनके लिए बड़ी सुविधा साबित हो सकता है। नई पहल के तहत अस्पताल के शेड्यूल और संबंधित सेवा की उपलब्धता के अनुसार मरीजों को रविवार को भी स्पेशियलिस्ट कंसल्टेशन, प्रिवेंटिव हेल्थ चेक, डायग्नोस्टिक्स, फॉलो-अप कंसल्टेशन और पूर्व निर्धारित चिकित्सा प्रक्रियाओं की सुविधा मिल सकेगी। इससे कामकाजी पेशेवरों को सप्ताह के दिनों में छुट्टी लेने की आवश्यकता कम होगी, बुजुर्ग रविवार को भी आवश्यक डायग्नोस्टिक टेस्ट करा सकेंगे और फॉलो-अप के लिए मरीजों को अगले कार्यदिवस तक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। अपोलो हॉस्पिटल्स ने वर्ष 1983 से भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्था के अनुसार, भारत में पहली कार्डियक सर्जरी, दक्षिण एशिया के पहले प्रोटॉन कैंसर सेंटर, प्रिवेंटिव हेल्थकेयर के विस्तार और बड़े स्तर के सॉलिड-ऑर्गन ट्रांसप्लांट कार्यक्रमों सहित कई क्षेत्रों में अपोलो ने अपनी सेवाओं का विस्तार किया है। अपोलो के अनुसार, उसके अस्पतालों में 150 से अधिक देशों के मरीज उपचार के लिए आते हैं। ऑलवेज ओपन, ऑलवेज हियर अभियान के माध्यम से अपोलो हॉस्पिटल्स ने नियमित स्वास्थ्य सेवाओं में समय की बाधा को कम करने और मरीजों को अधिक सुविधाजनक, समयबद्ध एवं निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक नई पहल की है।

पोर्श इंडिया ने की बाय-बैक प्रोग्राम की शुरूआत

पोर्श इंडिया ने एक नए बाय-बैक प्रोग्राम की शुरूआत की है। इस प्रोग्राम के लिए कंपनी ने अपनी पसंदीदा साझेदार कंपनी के साथ रणनीतिक सहयोग किया है। कंपनी ने विश्वास जताया है कि इस प्रोग्राम के तहत ग्राहकों में एक बेहतरीन गुणवत्ता वाली कार खरीदने का विश्वास न केवल मजबूत होगा, बल्कि कार खरीदने की प्रक्रिया बेहद आसान और सुखद होगी। इस योजना के अंतर्गत, ग्राहकों को कार खरीदने के छत्तीस महने बाद, उसकी मूल कीमत का सत्तर प्रतिशत तर गारंटीकृत बाय-बैक मूल्य प्रदान किया जाएगा। पोर्श इंडिया ने अपने ग्राहकों के लिए अश्योर्ड बाय-बैक की घोषणा की है। यह नई पेशकश ग्राहकों को वाहन खरीदते समय ही उसके भविष्य के निश्चित मूल्य का आश्वासन देती है, जिससे ग्राहकों को भविष्य में कार बेचते समय उसकी कीमत को लेकर कोई चिंता नहीं रहेगी। पोर्श इंडिया ने अपनी पसंदीदा साझेदार कंपनी के साथ रणनीतिक भागीदारी करते हुए इस कार्यक्रम की योजना तैयार की है। यह कार्यक्रम ग्राहकों को पुनर्विक्रय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव से सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे उन्हें कोई वित्तीय नुकसान नहीं होता। अश्योर्ड बाय-बैक मल्य उत्पाद, कार खरीदते समय तय किए गए निश्चित मूल्य और वास्तविक बिक्री के समय मिलने वाली पुनर्विक्रय कीम के बीच के अंतर को



पूरा करता है। इसके लिए सभी नियम एवं शर्तों का पालन किया जाता है। यह योजना कायेन, माकान इलेक्ट्रिक और टायकॉन जैसे पैर्श वाहन खरीदने वाले निजी ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। वाहन का पुनर्विक्रय मूल्य पहले से ही तय करके कार मालिकों के भविष्य के नियोजन को आसाम बनाना और ग्राहकों का पोर्श ब्रांड के साथ सफर आगे भी बना रहे, इसके लिए एक सरल प्रक्रिया प्रदान करना ही इस पहल का मुख्य उद्देश्य है।

पोर्श इंडिया के प्रमुख आशुतोष दीक्षित ने कहा अश्योर्ड बाय-बैक योजना की शुरूआत हमारे ग्राहकों को मानसिक शांति प्रदान करेगी। यह योजना ग्राहकों को पोर्श ब्रांड के साथ अपनी यात्रा जारी रखने के लिए अधिक सुलभता और लचीलापन भी देती है। हम ग्राहकों को कार स्वामित्व के अनुभव को बेहतर बनाने तथा पूरी यात्रा के दौरान उन्हें हर संभव सहयोग देने वाले समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह योजना वाहन की बिक्री रसीद की तारीख से तीन वर्षों के लिए मान्य होगी। इस अवधि के समाप्त होने पर ग्राहकों को पूर्व-निर्धारित मूल्य का लाभ मिलेगा, जिससे तीन साल बाद नई कार की खरीद योजना बनाते समय बजट निर्धारित करना बेहद आसान और स्पष्ट हो जाएगा।

अश्योर्ड बाय-बैक योजना की शुरूआत करके पोर्श इंडिया ने ग्राहक-केंद्रित सेवाओं के अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। इस पहल के माध्यम से, केवल कार खरीदने तक ही सीमित न रहकर, पूरी स्वामित्व अवधि के दौरान ग्राहकों को एक बेहतरीन अनुभव प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को कंपनी ने अधिक मजबूत किया है।



ब्रीफ न्यूज

तमिलनाडु में अब तीसरे बच्चे पर भी मिलेगी एक साल की मैटरनिटी लीव

चेन्नई, आरएनएन। महिला कर्मचारियों के कल्याण और सामाजिक सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए तमिलनाडु सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। राज्य की सरकारी महिला कर्मचारियों को अब तीसरे बच्चे के जन्म पर भी 12 सप्ताह (84 दिन) के बजाय पूरे 365 दिनों (एक साल) की मैटरनिटी लीव मिलेगी। ये सुविधा अब तक सिर्फ पहले दो बच्चों के जन्म तक ही सीमित थी। विधानसभा में अपने विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान मानव संसाधन प्रबंधन मंत्री डी. शरतकुमार ने इस फैसले की जानकारी दी।

आठवले ने अभिजीत दीपके को दिया एनडीए में शामिल होने का न्योता



नागपुर, आरएनएन। केंद्र सरकार में मंत्री रामदास आठवले ने कॉकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दीपके को एनडीए में शामिल होने का न्योता दिया है। उन्होंने कहा कि दीपके को रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) जॉइन कर लेनी चाहिए। आठवले ने कहा कि दीपके हमारे साथ आकर भीमराव आंबेडकर के सपनों को पूरा कर सकेंगे। उनके आने से समाज और पार्टी को ताकत मिलेगी। आठवले ने शरद पवार की पार्टी को भी सरकार का हिस्सा बनने का न्योता दिया है।

तरुण तेजपाल को मिले उम्रकैद की सजा, सुप्रीम कोर्ट पहुंची गोवा सरकार

नई दिल्ली, आरएनएन। अपनी एक पूर्व जूनियर का यौन उत्पीड़न करने के मामले में तरुण तेजपाल को उम्रकैद की सजा होनी चाहिए। गोवा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल करके यह मांग की है। राज्य सरकार का कहना है कि यह मामला उम्रकैद की सजा देने का है। सरकार का कहना है कि हाई कोर्ट ने तेजपाल को 10 साल कैद की सजा सुनाई थी, जिसे बढ़ाकर उम्रकैद कर देना चाहिए। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा पीठ ने 2013 के चर्चित यौन उत्पीड़न एवं दुष्कर्म मामले में पूर्व तहलका संपादक तरुण तेजपाल को दोषी ठहराया था।

नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड के दोषी सचिन अंदुरे को मिली जमानत

मुंबई, आरएनएन। सामाजिक कार्यकर्ता और तर्कवादी डॉ. नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के मामले में मुख्य दोषी सचिन अंदुरे को बॉम्बे हाई कोर्ट ने जमानत दे दी है। साथ ही उम्रकैद की सजा पर रोक भी लगा दी गई है। दाभोलकर की अगस्त 2013 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जस्टिस सारंग कोतवाल और जस्टिस रंजीतसिंह भोंसले की डिवीजन बेंच ने यह आदेश सुनाया। मामले में एक अन्य दोषी शरद कालस्कर को इस साल अप्रैल में जस्टिस अजय गडकरी की अगुवाई वाली को-ऑर्डिनेट बेंच ने जमानत दी थी।

एसीबी ने अयोध्या के 4 पुलिसकर्मियों को 2.80 लाख की रिश्वत लेते दबोचा

सीकर, आरएनएन। राजस्थान में सीकर स्थित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने यूपी के चार पुलिसकर्मियों को सीकर में 2 लाख 80 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया है कि ये चारों पुलिसकर्मी अयोध्या के साइबर सेल में तैनात हैं। उन्होंने सीकर के एक व्यक्ति के भाई का नाम एक साइबर मामले से हटाने के लिए घूस की मांग की थी। परिवादी ने इसके बाद एसीबी में शिकायत की। इसके बाद एसीबी की टीम ने जाल बिछाया और चारों पुलिसकर्मियों को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।

2027 में कमल खिलाने भाजपा ने बिछाई सियासी बिसात

मिशन यूपी के कैप्टन बने विनोद तावड़े

बीजेपी ने यूपी, पंजाब और गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए नए राज्य प्रभारियों की घोषणा की

सतीश पूनिया को पंजाब और तरुण चुघ को सौंपी गुजरात की कमान

● **नई दिल्ली /** (एजेंसी)



नितिन नवीन की नई टीम के गठन के ठीक एक दिन बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करते हुए तीन प्रमुख राज्यों में प्रभारियों का ऐलान कर दिया है। यह तीन राज्य उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात हैं। इस नए फेरबदल में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश की कमान सौंपी गई है।

इसके साथ ही राष्ट्रीय महासचिव सतीश पूनिया को पंजाब और तरुण चुघ को गुजरात का प्रभारी नियुक्त किया गया है।उत्तर प्रदेश बीजेपी के लिए राजनीतिक और रणनीतिक रूप से सबसे अहम राज्य है। हालांकि पार्टी ने लगातार दो बार विधानसभा और लोकसभा चुनावों में जीत दर्ज की है, लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी की पकड़ी ढीली नजर आई। ऐसे में बीजेपी उत्तर प्रदेश में अपनी पकड़ को और मजबूत करना चाहती है। ऐसे में विनोद तावड़े के सामने आगामी चुनावों में जीत की हैट्रिक सुनिश्चित करने और संगठनात्मक संतुलन बनाने की बड़ी चुनौती होगी।

बिहार में मिली जबरदस्त सफलता

उत्तर प्रदेश से पहले विनोद तावड़े ने बिहार में बीजेपी के प्रदेश प्रभारी के रूप में अहम भूमिका निभाई थी। 2022 में जब उन्हें बिहार का प्रभार मिला, तब राजनीतिक परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण थीं। उन्होंने जेडीयू की एनडीए में वापसी और गठबंधन सहयोगियों के साथ सीट-शेयरिंग के तालमेल में मध्यस्थ की भूमिका निभाई। बूथ स्तर पर कैडर को फिर से सक्रिय करने और जटिल सामाजिक-जातिगत समीकरणों को साधने में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण रही। बिहार में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन और संगठनात्मक कौशल के चलते ही केंद्रीय नेतृत्व ने उन पर लगातार भरोसा जताया है।

संगठन में तालमेल और अंदरूनी गुटबाजी

नियुक्तियों के इतर देखें तो विनोद तावड़े उत्तर प्रदेश के संगठनात्मक मामलों में पहले से ही सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। योगी मंत्रिमंडल के विस्तार से लेकर प्रदेश संगठन के ढांचे और समन्वय में उनकी अहम छाप देखी गई है। सरकार के बीच बेहतर तालमेल बिठाने और अंदरूनी गुटबाजी को दूर कर सबको साथ लेकर चलने की रणनीति के तहत उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है।

तावड़े का राजनीतिक सफर

महाराष्ट्र से आने वाले विनोद तावड़े लंबे समय से बीजेपी में सक्रिय हैं। छात्र जीवन से ही वे आरएसएस और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे और 1980 के दशक में पूर्णकालिक कार्यकर्ता बने। 1999 में वे मुंबई भाजपा के सबसे युवा अध्यक्ष बने और कई सालों तक महाराष्ट्र बीजेपी के महासचिव रहे। 2014 से 2019 के दौरान देवेंद्र फडणवीस सरकार में उन्होंने स्कूली शिक्षा, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक मामलों के कैबिनेट मंत्री के रूप में काम किया। वे 2011 से 2014 तक महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता भी रहे।

पूर्व एसीएस शैलेंद्र सिंह होंगे रेरा के नए अध्यक्ष, आदेश जल्द

संजय गुप्ता को प्राधिकरण का सदस्य और रिटायर्ड आईएएस रविंद्र सिंह को बनाया जा सकता है रेरा अपीलीय प्राधिकरण का सदस्य



● **भोपाल / प्रशासनिक संवाददाता**

पूर्व अपर मुख्य सचिव शैलेंद्र सिंह मप्र भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (मप्र रेरा) के नए अध्यक्ष होंगे। इसके साथ ही संजय गुप्ता को प्राधिकरण का सदस्य और रिटायर्ड आईएएस अधिकारी रविंद्र सिंह को रेरा अपीलीय प्राधिकरण का सदस्य बनाया जा सकता है। शासन स्तर पर रेरा में नियुक्तियों संबंधी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जल्द ही इस संबंध में आदेश जारी किए जा सकते हैं।

शैलेंद्र सिंह प्रशासनिक सेवा में लंबे अनुभव वाले अधिकारी रहे हैं। उन्होंने इंदौर में अपर कलेक्टर के तौर पर जिम्मेदारी संभाली और बाद में अपर मुख्य सचिव के पद तक पहुंचे। रेरा अध्यक्ष के तौर पर उनके सामने रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स की निगरानी, होम बायर्स की शिकायतों, बिल्डर्स से जुड़े विवादों के निपटारे जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे होंगे। बता दें कि रेरा के पूर्व अध्यक्ष एपी श्रीवास्तव का कार्यकाल मार्च, 2026 में खत्म होने के बाद से अध्यक्ष का पद खाली है।

दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन समेत 6 लोगों को किया अरेस्ट

● **नई दिल्ली /** (एजेंसी)



जल बोर्ड घोटाले में एसीबी का एक्शन

दिल्ली सरकार की एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) टेंडर घोटाले में बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी ने पूर्व जल मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र कुमार जैन को गिरफ्तार कर लिया है। एसीबी ने सत्येंद्र जैन और सीनियर आईएएस अफसर उदित प्रकाश राय समेत कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों में उदित प्रकाश राय (पूर्व सीईओ, दिल्ली जल बोर्ड), अंकित श्रीवास्तव (पूर्व कॉन्ट्रैक्चुअल कंसल्टेंट, डीजेबी), नागेंद्र यादव (प्रोपराइटर, एएन इंटरप्राइजेज), राजा कुमार कुर्रा (मालिक, यूरोटेक इनवायरमेंट प्रा. लि.) और पंकज वर्मा (प्रोपराइटर, श्रीजंहार) शामिल हैं। ये मामला 11 मई 2024 को दर्ज एफआईआर (नंबर 10/2024) से जुड़ा है, जिसमें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अलावा धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश की धाराएं शामिल हैं। एसीबी के मुताबिक, ये मामला सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स के अपग्रेडेशन और क्षमता बढ़ाने के लिए जारी टेंडर से जुड़ा है। आरोप है कि टेंडर की तकनीकी शर्तों को इस तरह बदला गया, जिससे एक खास कंपनी यूरोटेक इनवायरमेंट प्राइवेट लिमिटेड को सीधे तौर पर फायदा पहुंचाया जा सके। प्रस्तावित पायलट स्टडी कराए बिना ही ऐसी शर्तें जोड़ी गईं, जिससे दूसरी कंपनियों का कंपीटीशन खत्म हो गया। इससे सरकारी खजाने को भारी वित्तीय नुकसान पहुंचा।

ई-मेल और मैसेज से खुला मिलीभगत का राज : एसीबी को जांच के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक सबूत मिले हैं। प्राइवेट व्यक्तियों, बिचौलियों और सरकारी अधिकारियों के बीच हुई बातचीत और ई-मेल के विश्लेषण से सामने आया कि टेंडर के दस्तावेज और कॉरिजेंडम पहले ही आपस में साझा कर लिए गए थे। इसके बाद इन्हें सरकारी टेंडर का हिस्सा बनाया गया, जो सीधे तौर पर अधिकारियों और कंपनियों की मिलीभगत को दिखाता है।

सोनिया गांधी की नसों में बहता है इटली का खून

● **नई दिल्ली /** (एजेंसी)



वंदे मातरम विवाद पर एचडी कुमारस्वामी ने साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री और जेडीएस के नेता एचडी कुमारस्वामी ने वंदे मातरम विवाद को लेकर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में सोनिया गांधी की भारतीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी नसों में इटली का खून बहता है।

कुमारस्वामी ने कांग्रेस के स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में वंदे मातरम के पूरे संस्करण के दौरान कथित तौर पर हुए घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि सोनिया गांधी से इससे ज्यादा उम्मीद भी क्या की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी मूल रूप से भारत की नहीं हैं और शादी के बाद भारत आई थीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में वंदे मातरम को लेकर जो कुछ हुआ, उस पर अब अलग-अलग तरह की सफाई दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान किए गए इशारों को लेकर यह कहा जा रहा है कि वे सिर्फ कुर्सी लगाने के लिए किए गए थे। कुमारस्वामी के मुताबिक, जनता खुद तय करेगी कि इन दावों में क्या सही है और क्या गलत।

गांधी, नेहरू और पटेल पर केस कर दो



वंदे मातरम विवाद पर बोले खड़गे

नई दिल्ली, आरएनएन। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम के गायन को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है।

अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को अपने रुख पर कायम रहते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रगीत का वही संस्करण गाया है जिसे महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे नेताओं ने भी गाया था। खड़गे ने अपनी पार्टी की विरासत का जिक्र करते हुए कहा कि अगर उस संस्करण को गाना अपराध है तो सरकार को उन दिवंगत राष्ट्रीय नेताओं के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करनी चाहिए। मीडिया से बात करते हुए खड़गे ने कहा, महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जो वंदे मातरम गाते थे, वही हमने गाया। अब तक पिछले 18 साल तक उन्होंने जो गाया, उनकी सरकार ने जो गाया वही गाया है। अगर यही गुनाह है तो गांधी जी, नेहरू और वल्लभ भाई पटेल के ऊपर केस करो। खड़गे ने आज गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जीपीसीसी) के नेताओं के साथ बैठक भी की और 2027 में होने वाले गोवा विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के अभियान की रणनीति पर चर्चा की।



कॉकरोच प्रोटेस्ट में किसी की हड्डी नहीं टूटी, न चोट लगी

रिजिजू ने गोली चलने के दावे को भी किया खारिज

● **नई दिल्ली /** (एजेंसी)



केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने दिल्ली में नीट-यूजी पेपर लीक के खिलाफ जंतर-मंतर हुए छात्र प्रदर्शनों में पुलिस की बर्बरता के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों के संसद मार्च का जिक्र करते हुए दिल्ली पुलिस की तारीफ की और कहा कि पुलिस ने पूरे मामले को बहुत शांतिपूर्ण तरीके से संभाला।

रिजिजू ने यह भी कहा कि छात्रों की आड़ में कुछ अपराधी प्रदर्शन में शामिल हो गए थे। इसके बावजूद पुलिस और अन्य अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित रखा। एक बातचीत में रिजिजू से प्रदर्शन के दौरान गोली चलने के आरोपों को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा, कहां गोली चली है? एक भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई, किसी की हड्डी नहीं टूटी और किसी को गंभीर चोट नहीं लगी। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कई लोगों ने हिंसा भड़काने की कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद किसी की मौत नहीं हुई। उन्होंने दिल्ली पुलिस की स्थिति संभालने के लिए प्रशंसा की।रिजिजू ने कहा कि छात्रों के वेश में कई अपराधी प्रदर्शन में शामिल हुए थे।

उनके मुताबिक, आम आदमी पार्टी, डफली बजाने वाले प्रदर्शनकारी, भीम आर्मी और समाजवादी पार्टी से जुड़े लोगों में से आधे से ज्यादा ने भीड़ को हिंसा के लिए उकसाया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के दौर में इसी तरह के प्रदर्शनों में कई लोगों की मौत हो जाती थी।

पहले बागियों की अयोग्यता पर हो फैसला, फिर तय हो असली पार्टी

महाराष्ट्र का शिवसेना विवाद: उद्धव गुट ने सुप्रीम कोर्ट में की मांग

● **नई दिल्ली** (एजेंसी)



महाराष्ट्र के शिवसेना विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई के दौरान उद्धव ठाकरे गुट ने अहम दलील दी। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि चुनाव आयोग को यह तय करने से पहले कि कौन-सा गुट असली शिवसेना है, उन विधायकों के खिलाफ चल रही अयोग्यता की कार्यवाही का नतीजा आने का इंतजार करना चाहिए, जिन्होंने ठाकरे गुट का साथ छोड़ा था।

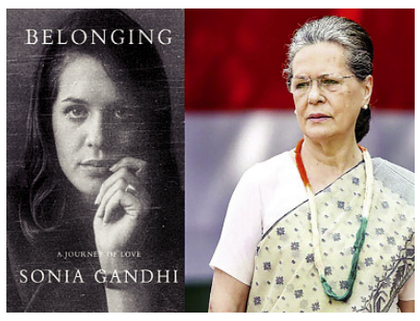
मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने सिब्बल ने ये दलीलें रखीं। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल हैं। ठाकरे गुट की ओर से 2024 में दायर दो याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। चुनाव आयोग के 17 फरवरी 2023 के फैसले को भी चुनौती दी गई है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान दलीलें पूरी नहीं हो सकीं। अब मामले पर सुनवाई बुधवार को भी जारी रहेगी। सिब्बल ने कहा कि चुनाव आयोग और महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने कानून की व्याख्या करते समय विधायी बहुमत और राजनीतिक दल को एक ही मान लिया। उनके मुताबिक, विधानसभा में किसी गुट के पास ज्यादा विधायक होने का मतलब यह नहीं है कि वही राजनीतिक पार्टी भी है। उन्होंने कहा कि यदि बागी विधायकों को अंततः अयोग्य घोषित कर दिया जाता है तो उनकी संख्या को विधानसभा में गुट की ताकत तय करने में शामिल नहीं किया जा सकता। कपिल सिब्बल ने दलील दी कि राजनीतिक दल की पहचान तय करने की प्रक्रिया अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय के बाद होनी चाहिए।



किताब में खुलासा — **आत्मकथा में सोनिया गांधी ने अपने बचपन से लेकर भारत आने तक की कई घटनाओं का जिक्र**

राजीव गांधी से प्यार और क्यों छोड़ा प्रधानमंत्री का पद

● **नई दिल्ली /** (एजेंसी)



कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने अपनी आत्मकथा लिखी है। इस किताब का नाम बिलॉन्गिंग (Belonging) है। यह किताब 10 नवंबर को रिलीज होगी। 544 पेजों की यह किताब पेंग्विन द्वारा पब्लिश की जा रही है।

इसमें सोनिया गांधी ने इटली में अपने बचपन, इंग्लैंड के कैम्ब्रिज में छात्र जीवन और भारत में बिताए अपने लंबे सार्वजनिक जीवन के बारे में लिखा है। पेंग्विन पब्लिकेशन के अनुसार, किताब में सोनिया गांधी ने 1965 में कैम्ब्रिज में हुई राजीव गांधी से अपनी पहली मुलाकात का जिक्र किया है। उस समय वह 19 साल की स्टूडेंट थीं। बाद में दोनों की शादी हुई और सोनिया भारत आ गईं। किताब में उन्होंने अपने शुरुआती दिनों, भारतीय लाइफस्टाइल को अपनाने, हिंदी सीखने, साड़ी पहनने और भारतीय खानपान से जुड़ने के अनुभव साझा किए हैं।

आत्मकथा में इंदिरा गांधी से पहली मुलाकात और गांधी परिवार के साथ जीवन के कई चैप्टर भी शामिल हैं। इसमें संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मौत, 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या और उसके बाद राजीव गांधी के प्रधानमंत्री बनने से जुड़ी घटनाओं का भी जिक्र है। सोनिया गांधी ने राजीव गांधी की 1991 में चुनाव प्रचार के दौरान आत्मघाती हमले में हुई हत्या का भी जिक्र किया है।

लंबे समय तक संभाली कांग्रेस पार्टी की कमान

किताब में यह भी बताया गया है कि राजीव गांधी की मौत के बाद उन्होंने लंबे समय तक राजनीति में आने के दबाव को टाला, लेकिन बाद में कांग्रेस पार्टी की कमान संभाली और सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष रहीं। इसमें उस दौर का भी जिक्र है जब कांग्रेस ने उन्हें प्रधानमंत्री पद के लिए चुना, लेकिन उन्होंने यह पद स्वीकार नहीं किया और पार्टी को गठबंधन सरकार के नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाया। किताब में आजादी के बाद के भारत के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक बदलावों का जिक्र है।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एशियन पेंट्स	2.40 प्रतिशत
इंफोसिस	2.02 प्रतिशत
एचसीएल टेक	1.93 प्रतिशत
भारती एयरटेल	1.75 प्रतिशत
टीसीएस	1.47 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,56,155
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,38,500
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.67	93.6
पौंड स्टर्लिंग	130.97	126.35
यूरो	111.95	107.8
चीन युआन	15.05	13.33

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में अब मंजूरी से आगे बढ़कर उत्पादन शुरू करने पर हो फोकस : सरकार

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने औद्योगिक कॉरिडोर और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास में अब केवल परियोजनाओं की मंजूरी तक सीमित रहने के बजाय उनके समयबद्ध क्रियान्वयन, निवेश आकर्षित करने और उत्पादन शुरू कराने पर जोर दिया है। सरकार का मानना है कि औद्योगिक विकास की वास्तविक सफलता परियोजनाओं के धरातल पर उतरने और आर्थिक गतिविधियों में बदलने से तय होगी।

राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास एवं कार्यान्वयन न्यास (एनआईसीडीआईटी) की शीर्ष निगरानी प्राधिकरण की तीसरी बैठक में केंद्रीय मंत्रियों ने औद्योगिक कॉरिडोर परियोजनाओं के तेज और परिणामोन्मुखी कार्यान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक के दौरान राज्यों से भूमि उपलब्धता, कनेक्टिविटी, उपयोगिताओं, वैधानिक मंजूरियों और परियोजना विशेष प्रयोजन इकाइयों (एसपीवी) से संबंधित बाधाओं को जल्द दूर करने का आग्रह किया गया।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि राज्यों को औद्योगिक परियोजनाओं के लिए जमीन आवंटन, सड़क एवं परिवहन संपर्क, बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं और नियामकीय मंजूरियों से जुड़ी अड़चनों को प्राथमिकता के आधार पर हल करना चाहिए। उन्होंने पीएम गतिशक्ति के माध्यम से समेकित योजना निर्माण और निवेशक-अनुकूल भूमि आवंटन प्रणालियों के निरंतर उपयोग पर भी जोर दिया।

वित्त मंत्री ने कहा कि औद्योगिक विकास केवल फैक्टरी निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए। श्रमिक आवास, स्वास्थ्य सुविधाएं, कौशल विकास, सार्वजनिक परिवहन और अन्य सामाजिक सुविधाओं को भी औद्योगिक परियोजनाओं का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार सार्वजनिक पूंजीगत व्यय, राज्यों को सहायता, विनिर्माण क्षेत्र के एमएसएमई के लिए बेहतर ऋण सहायता और कर एवं सीमा शुल्क संबंधी उपायों के जरिए घरेलू विनिर्माण और सप्लाई चेन को मजबूत कर रही है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 'भव्य' और भविष्य की औद्योगिक परियोजनाओं को पीएम गतिशक्ति के साथ जोड़कर समेकित क्षेत्रीय विकास मॉडल के तहत विकसित किया जाना चाहिए।



■ परियोजनाओं के धरातल पर उतरने व आर्थिक गतिविधियों में बदलने से तय होगी औद्योगिक विकास की वास्तविक सफलता

पीएम मोदी 'सेमीकॉन इंडिया' के पांचवें सत्र का 17 सितम्बर को करेंगे उद्घाटन



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी में सेमीकॉन इंडिया 2026 के पांचवें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। इससे देश के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बड़ा बूस्ट मिलने की उम्मीद है। यह जानकारी मंगलवार को जारी आधिकारिक बयान में दी गई।

मंत्रालय ने बताया कि 'सिलिकॉन टू सिस्टम्स: बिल्डिंग द इकोसिस्टम' थीम वाली तीन दिन की कॉन्फ्रेंस और प्रदर्शनी 17 से 19 सितम्बर के बीच आयोजित की जाएगी। इसे इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' (आईएसएम) और ग्लोबल इंडस्ट्री एसोसिएशन एसईएमआई मिलकर आयोजित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में नीति-निर्माताओं, ग्लोबल सेमीकंडक्टर कंपनियों, इंडस्ट्री के अधिकारियों, रिसर्चर्स, एकेडेमिक्स, स्टार्ट-अप्स और स्टूडेंट्स के एक साथ आने की उम्मीद है, ताकि सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन में हो रहे विकास पर चर्चा की जा सके। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने हाल ही में देश की सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई-चेन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 'सेमीकॉन 2.0' को मंजूरी दी है।

आईसीएमएआई ने ईसीएल और बैंक ऋण पुनर्गठन पर दो हैंडबुक जारी कीं



नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय लागत लेखाकार संस्थान (आईसीएमएआई) ने मंगलवार को अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) और बैंक ऋण के पुनर्गठन पर दो हैंडबुक जारी कीं। इन हैंडबुक के जरिए आईसीएमएआई बैंकों, कर्जदारों, एमएसएमई और वित्तीय पेशेवरों को भारतीय रिजर्व बैंक की ईसीएल व्यवस्था के लिए तैयार करने में मदद कर रहा है। यह व्यवस्था 1 अप्रैल 2027 से लागू होगी। इस अवसर पर आईसीएमएआई के अध्यक्ष सीएमए चित्तरंजन चट्टोपाध्याय, उपाध्यक्ष सीएमए मनोज कुमार आनंद, बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा बोर्ड के अध्यक्ष सीएमए हर्षद देशपांडे, जो ऑनलाइन जुड़े, एनआईपीएससीओएम के निदेशक सीएमए पुनीत जैन, दोनों हैंडबुक के लेखक डॉ. पी. शिव राम प्रसाद और बैंक ऑफ बड़ौदा के पूर्व कार्यकारी निदेशक डॉ. रामजस यादव मौजूद रहे। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और भारतीय बैंक संघ के पूर्व मुख्य कार्यकारी सीएमए एम. के. मोहन टैंकसाले ने भी ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित किया। दोनों हैंडबुक के नाम हैं— 'एक्सपेक्टेड क्रेडिट लॉस (ईसीएल) फ्रेमवर्क: ए प्रैक्टिकल हैंडबुक फॉर इंडियन बैंक्स' और 'हैंडबुक ऑन रिस्ट्रक्चरिंग ऑफ बैंक लोन्स'। आईसीएमएआई ने इन हैंडबुक के जरिए बैंकरों, सीएमए, कंपनियों, एमएसएमई और अन्य हितधारकों के लिए ईसीएल व्यवस्था और बैंक ऋण पुनर्गठन से जुड़ी आसान और व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराई है।

लिखाई-छपाई के कागज उद्योग में मुनाफा बढ़ने की उम्मीद : क्रिसिल

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ने से लिखाई और छपाई के कागज उद्योग में मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 में मुनाफा बढ़ने की उम्मीद है।

साख निर्धारक एवं बाजार अध्ययन कंपनी क्रिसिल ने मंगलवार को कहा कि इस वित्त वर्ष परिचालन लाभ में लगभग 150 आधार अंक (1.5 प्रतिशत) की वृद्धि होने की संभावना है। इसकी प्रमुख वजह महामारी के बाद लगाए गए हार्डवुड (कठोर लकड़ी) के बागानों का चक्र है जो अब कटाई के लिए तैयार हैं। इससे उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चे माल की लागत कम होने की उम्मीद है।

इसके अलावा, कंपनियां दक्षता बढ़ाने पर निवेश कर रही हैं ताकि मुनाफे में सुधार हो। क्रिसिल का कहना है कि



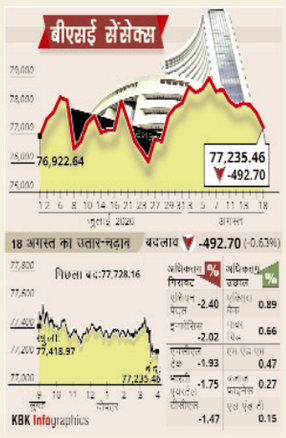
बढ़ते डिजिटलीकरण के कारण कंपनियां क्षमता बढ़ाने पर पूंजीगत व्यय करने से कतरा रही हैं। लिखाई और छपाई के कागज बनाने वाली 13 कंपनियों के विश्लेषण के आधार पर यह बात कही गयी है जो उद्योग के लगभग 70 प्रतिशत राजस्व का प्रतिनिधित्व करते हैं।

क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक शौनक चक्रवर्ती ने कहा कि इस साल मुनाफे में सुधार सिर्फ कीमतों में वृद्धि की वजह से नहीं होगा। अनुकूल हार्डवुड चक्र इसका बड़ा कारण है। चूंकि कागज की लुगदी की लागत का प्रमुख हिस्सा लकड़ी है।

घरेलू शेयर बाजार में गिरावट जारी

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध विराम की अवधि समाप्त होने के बाद घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को गिरावट रही और बीएसई का सेंसेक्स 493 अंक टूट गया। यह लगातार तीसरा दिन है जब प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए हैं। सेंसेक्स 309.19 अंक नीचे 77,418.97 अंक पर खुलने के बाद पूरे दिन लाल निशान में रहा। अंत में 492.70 अंक (0.63 प्रतिशत) लुढ़ककर 77,235.46 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 132.75 अंक यानी 0.55 प्रतिशत टूटकर 24,154.90 अंक पर रहा। यह दोनों सूचकांकों का गत 28 जुलाई के बाद का निचला स्तर है।



अमेरिका और ईरान के बीच 60 दिन के लिए हुए शांति समझौते की अवधि सोमवार को समाप्त हो गयी। इससे शेयर बाजार पर दबाव रहा। वृहत बाजार में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.34 प्रतिशत फिसल गया जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक स्थिर रहा। सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी आईटी में सबसे अधिक 1.93 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। सार्वजनिक बैंक समूह का सूचकांक 1.01 प्रतिशत और रियल्टी समूह का 1.42 प्रतिशत टूट गया। एफएमसीजी, वित्त, धातु और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में भी गिरावट रही। ऑटो और मीडिया समूहों में तेजी रही।

■ सेंसेक्स 0.63 प्रतिशत लुढ़ककर 77,235.46 अंक पर रहा
■ निफ्टी 0.55 प्रतिशत टूटकर 24,154.90 अंक पर रहा

सार संक्षेप

आईसीआईसीआई बैंक सीनियर नोट्स जारी कर जुटाएगा 75 करोड़ डॉलर

मुंबई। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ने सीनियर असुरक्षित निश्चित दर वाले नोट्स जारी कर 75 करोड़ डॉलर जुटाने की घोषणा की है। बैंक ने मंगलवार को शेयर बाजारों को बताया कि ये सीनियर नोट्स डॉलर में जारी किए जाएंगे। यह विदेशों से 7.5 अरब डॉलर जुटाने की उसकी वृहत योजना का हिस्सा है। इसके तहत आवंटन 21 अगस्त को किया जाएगा। ये नोट्स पांच साल के लिए होंगे और इन पर 5.417 प्रतिशत सालाना की दर से ब्याज देय होगा। इनकी मियाद 21 अगस्त 2031 को पूरी होगी। ब्याज का भुगतान हर साल 21 फरवरी और 21 अगस्त को किया जाएगा। इससे मिलने वाली राशि का इस्तेमाल बैंक नियामकीय दायरे में अपने सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगा।

विदेशों में भारतीयों का प्रत्यक्ष निवेश जुलाई में सालाना 17 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। विदेशों में भारतीय कंपनियों द्वारा किया गया प्रत्यक्ष निवेश जुलाई में सालाना आधार पर करीब 17 प्रतिशत बढ़कर 570 करोड़ डॉलर (54,492 करोड़ रुपये) के पार पहुंच गया। रिजर्व बैंक द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में भारतीय निवेशकों ने विदेशों में 570.54 करोड़ डॉलर का निवेश किया। यह पिछले साल जुलाई की तुलना में 16.74 प्रतिशत और इस साल जून के मुकाबले 81.18 प्रतिशत अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी इक्विटी में भारतीय निवेशकों ने कम रुचि दिखाई जबकि ऋण और जारी गारंटी में उन्होंने ज्यादा पैसा लगाया। इक्विटी में भारतीयों का प्रत्यक्ष निवेश सालाना 2.81 फीसदी घटकर 201.94 करोड़ डॉलर रह गया। माह-दर-माह इसमें 160 प्रतिशत का उछाल देखा गया। भारतीयों ने ऋण पत्रों में जमकर निवेश किया।

चुनौतियों से उबरकर और मजबूत हुआ अडाणी ग्रुप

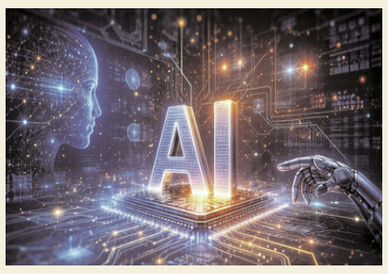
अहमदाबाद। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने अडाणी समूह को लेकर अपना सकारात्मक रुख बरकरार रखते हुए अदाणी पोर्ट्स और अडाणी पावर को अपनी शीर्ष निवेश पसंद बताया है। ब्रोकरेज का मानना है कि हाल के वर्षों में नियामकीय और बाजार से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने के बाद भी अदाणी समूह पहले से अधिक मजबूत होकर उभरा है। वैश्विक वित्तीय फर्म बर्नस्टीन ने अपनी लेटेस्ट रिपोर्ट में कहा कि उसने अडाणी समूह से जुड़े दो बड़े घटनाक्रमों, शॉर्ट-सेलर विवाद और अमेरिकी प्रतिभूति एवं न्याय विभाग से जुड़े मुद्दों के दौरान समूह के प्रदर्शन पर लगातार नजर रखी है। इसके बावजूद समूह की परियोजनाओं को लागू करने की क्षमता मजबूत बनी हुई है और कारोबार विस्तार की गति प्रभावित नहीं हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, अडाणी ग्रुप की वित्तीय स्थिति में भी सुधार देखने को मिला है। शेयरों को गिरवी रखने की प्रवृत्ति लगभग समाप्त हो गई है और कर्ज का स्तर भी पहले की तुलना में कम हुआ है।

एआई से प्रभावित क्षेत्रों में युवा रोजगार में भारी गिरावट

सोल, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सेंट्रल बैंक की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते उपयोग का असर रोजगार बाजार पर भी दिखाई देने लगा है। जनरेटिव एआई तकनीकों, विशेषकर चैटजीपीटी जैसे चैटबॉट्स के आने के बाद एआई से अधिक प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं के रोजगार में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। बैंक ऑफ कोरिया (बीओके) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2022 से जून 2026 के बीच 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के लोगों द्वारा किए जा रहे कुल रोजगारों की संख्या में 2.85 लाख की कमी आई, जिसमें सबसे बड़ी गिरावट उन क्षेत्रों में देखी गई जो एआई के प्रभाव के प्रति अधिक संवेदनशील माने जाते हैं।

योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल घटे रोजगारों में से 2.68 लाख नौकरियां, यानी लगभग 94 प्रतिशत, एआई-प्रभावित क्षेत्रों से संबंधित थीं, जिनमें आईटी सेवाएं, प्रकाशन, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और प्रोफेशनल सर्विसेज जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं।

इसके विपरीत, 50 वर्ष या उससे अधिक



■ जनरेटिव एआई के आने के बाद रोजगार पर बढ़ा दबाव
■ 50 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के लोगों के रोजगार में वृद्धि दर्ज

आयु वर्ग के लोगों के रोजगार में वृद्धि दर्ज की गई। इसी अवधि में इस आयु वर्ग के रोजगार में 2.30 लाख की बढ़ोतरी हुई, जिसमें से 1.73 लाख नौकरियां एआई प्रभावित क्षेत्रों में ही बढ़ीं। इससे संकेत मिलता है कि एआई के दौर में अनुभव और विशेषज्ञता वाले कर्मचारियों की मांग अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है।

रिपोर्ट ने वर्ष 2022 को अध्ययन का आधार वर्ष माना है, क्योंकि इसी वर्ष के अंत में चैटजीपीटी लॉन्च हुआ था और उसके बाद जनरेटिव एआई तकनीकों का उपयोग दुनिया भर में तेजी से बढ़ा। क्षेत्रवार आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे अधिक गिरावट आईटी सेवाओं में देखी गई, जहां युवाओं का रोजगार 31.4 प्रतिशत घट गया। प्रकाशन क्षेत्र, जिसमें सॉफ्टवेयर और वेब डिजाइन से जुड़े पेशे भी शामिल हैं, वहां रोजगार में 27.4 प्रतिशत की कमी आई। इसी प्रकार, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग क्षेत्र में युवाओं का रोजगार 16.6 प्रतिशत और प्रोफेशनल सर्विसेज क्षेत्र में 11.6 प्रतिशत घटा। ये वे क्षेत्र हैं जहां एआई-आधारित ऑटोमेशन और कंटेंट जनरेशन टूल्स का उपयोग तेजी से बढ़ा है। शिक्षा के आधार पर बेरोजगारी के आंकड़े भी युवाओं की चुनौतियों को उजागर करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2019 से 2022 के बीच स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारकों की औसत बेरोजगारी दर 8.2 प्रतिशत थी, जबकि माध्यमिक शिक्षा या जूनियर कॉलेज स्तर तक पढ़े युवाओं की बेरोजगारी दर 8 प्रतिशत थी।

चीन से बाहर पिक्सल उत्पादन शिफ्ट करने की तैयारी में गूगल

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव तथा वैश्विक सप्लाई चेन में विविधीकरण की रणनीति के तहत अमेरिकी टेक दिग्गज गूगल अपने पिक्सल स्मार्टफोन, स्मार्टवॉच और वायरलेस ईयरबड्स के उत्पादन को चीन से बाहर स्थानांतरित करने की योजना पर काम कर रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी का लक्ष्य 2027 तक पिक्सल उत्पादों का पूरा उत्पादन चीन से बाहर ले जाना है।

निक्केई एशिया की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि गूगल ने पिछले कुछ वर्षों में वियतनाम और भारत में अपनी विनिर्माण क्षमता का विस्तार किया है और अब उसे भरोसा है कि वह 2027 तक पिक्सल डिवाइसों का संपूर्ण उत्पादन चीन से बाहर स्थानांतरित कर सकती है।

हालांकि वर्तमान में गूगल के उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अब भी चीन में होता है, लेकिन कंपनी ने इस वर्ष वियतनाम में अपने प्रीमियम पिक्सल



2027 तक पूरी मैन्युफैक्चरिंग हटाने की योजना

स्मार्टफोनों के सफल विकास और उत्पादन के बाद अगला कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाई-एंड स्मार्टफोन का निर्माण स्मार्टवॉच और वायरलेस ईयरबड्स की तुलना में अधिक जटिल होता है, इसलिए पिक्सल स्मार्टफोनों का सफल उत्पादन स्थानांतरण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। यदि यह रणनीति सफल रहती है, तो सैमसंग के बाद गूगल दुनिया की दूसरी बड़ी स्मार्टफोन कंपनी बन जाएगी, जिसने अपने स्मार्टफोन उत्पादन को पूरी तरह चीन से बाहर स्थानांतरित कर दिया हो। रिपोर्ट के अनुसार, गूगल के लिए यह बदलाव अपेक्षाकृत आसान हो सकता है।

भारत में 2030 तक करीब 62 प्रतिशत लोगों के पास होगा 5जी कनेक्शन

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में लगभग 2030 तक 62 प्रतिशत लोगों के पास 5जी कनेक्शन होने की उम्मीद है, यह एशिया प्रशांत क्षेत्र के औसत 50 प्रतिशत से ज्यादा है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

जीएसएमए की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश, इंडोनेशिया और पाकिस्तान के साथ-साथ भारत को भी इस क्षेत्र के 'अग्रणी देशों' में गिना जाता है, जहां डिजिटल-इकोनॉमी की ग्रोथ को तेज करने और मोबाइल-इंडस्ट्री की स्थिरता को बनाए रखने के लिए रेगुलेटरी आधुनिकीकरण जरूरी है। भारत में कनेक्टिविटी की चुनौती अब कवरेज से हटकर इस्तेमाल और अपनाने की ओर बढ़ रही है, क्योंकि दक्षिण एशिया में कवरेज का अंतर लगभग 30 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत से भी कम हो गया है। इस



वजह से मोबाइल इंटरनेट अपनाने में खर्च, डिवाइस तक पहुंच, डिजिटल स्किल्स, भरोसा और ऑनलाइन सुरक्षा मुख्य बाधाएं बन गई हैं। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि 2030 तक मोबाइल टेक्नोलॉजी और सेवाएं एशिया-प्रशांत की अर्थव्यवस्था में 1.4 ट्रिलियन डॉलर का योगदान देंगी, जो आज के 1 ट्रिलियन डॉलर के मुकाबले 40 प्रतिशत ज्यादा है। डिजिटल ग्रोथ का अगला दौर इस बात से तय होगा कि सरकारें, ऑपरेटर और टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर चार अहम प्राथमिकताओं पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का तेजी से बढ़ना, डिजिटल भरोसे में कमी, ज्यादा मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग और डिजिटल संप्रभुता में बढ़ती रुचि शामिल हैं।

भारत की वीडीए नीति अहम मोड़ पर, नीति-निर्माता मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा में जुटे

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (वीडीए) को लेकर पिछले कुछ वर्षों में एक स्पष्ट विरोधाभास देखने को मिला है। इस क्षेत्र पर भारी कर लगाया गया और निगरानी भी बढ़ाई गई, लेकिन इसके लिए अब तक एक स्पष्ट और व्यापक नियामक ढांचा नहीं बन पाया है। 'पहले कर, बाद में नियमन' की इस नीति ने बाजार के व्यवहार को प्रभावित किया है। अब घरेलू नियामक इस चुनौती से सीधे जूझ रहे हैं, खासकर डिजिटल एसेट्स की निगरानी को लेकर संसद में चल रही समीक्षाओं के बीच। वित्त अधिनियम, 2022 के तहत वीडीए से होने वाले लाभ पर 30 प्रतिशत की दर से कर और हर लेनदेन पर 1 प्रतिशत टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स (टीडीएस) लागू किया गया। इसका उद्देश्य लेनदेन का रिकॉर्ड तैयार करना और पारदर्शिता बढ़ाना था।

हालांकि, इस व्यवस्था का एक असर बाजार के बंटने के रूप में भी सामने आया है। आंकड़े इस बदलाव को बिल्कुल साफ तरीके से दिखाते हैं: घरेलू एक्सचेंज वित्त वर्ष 2024-



25 में कुल ट्रेडिंग वॉल्यूम का केवल करीब 8-10 प्रतिशत हिस्सा संभाल रहे हैं, जो लगभग 45,000 करोड़ रुपये है। इसके मुकाबले विदेशी एक्सचेंजों पर ट्रेडिंग वॉल्यूम वित्त वर्ष 2023-24 के 2.63 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 4.88 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह बदलाव केवल उपयोगकर्ताओं की पसंद का मामला नहीं है, बल्कि नीतिगत ढांचे में निहित एक संरचनात्मक खामी को दिखाता है।

एक ही तरह का लेनदेन करने वाले कारोबारी को भारतीय प्लेटफॉर्म पर शुरुआत में ही 1 प्रतिशत टीडीएस का सामना करना पड़ता है, जबकि विदेशी एक्सचेंज के जरिए कारोबार करने पर ऐसी कोई तत्काल कटौती नहीं होती। अधिक मात्रा में या तेजी से होने वाले कारोबार में यह निर्णायक अंतर साबित होता है। इस स्थिति ने टैक्स अनुपालन की एक असमान व्यवस्था बना दी है। घरेलू एक्सचेंज टीडीएस जमा करने का एकमात्र प्रभावी माध्यम बन गए हैं। उन्होंने वित्त वर्ष 2022-23 और 2023-24 में करीब 338 करोड़ रुपये का टीडीएस जमा किया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह राशि अकेले करीब 450 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। दूसरी ओर, बड़ी संख्या में भारतीय उपयोगकर्ताओं को सेवाएं देने वाले विदेशी एक्सचेंज न तो टीडीएस काटते हैं और न ही भारतीय अधिकारियों के साथ उपयोगकर्ता स्तर का विस्तृत डेटा लगातार साझा करते हैं। इससे दो अलग-अलग व्यवस्थाएं बन गई हैं — एक घरेलू व्यवस्था जो नियमों का पालन करती है लेकिन कारोबारी रूप से नुकसान में है, और दूसरी विदेशी व्यवस्था जिसमें अधिक कारोबार है लेकिन नियामकों के लिए उसकी गतिविधियां कम दिखाई देती हैं।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।
तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

• किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नहीं रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नहीं रखता।

• भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नहीं कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।

• मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

• मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।

• भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।

• आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नहीं जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

▫ करके देखें ▫ मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ▫ भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/00049 हिन्दी दैनिक

शब्दवाणी समाचार

Website : Shabdawanisamachar.page

(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

महिला हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से रौंदा



पूल डी में टॉप पर टीम इंडिया

● एम्स्टलवीन / (एजेंसी)

महिला हॉकी विश्व कप 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से हरा दिया।

एम्स्टलवीन के वेगनर हॉकी स्टेडियम में खेले गए पूल डी के मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और एकतरफा अंदाज में मुकाबला अपने नाम किया। विश्व कप में यह भारत की पहली जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने चीन के खिलाफ अपना पहला मुकाबला 2-2 से ड्रॉ खेला था। इस शानदार जीत के बाद भारत के दो मैचों में एक जीत और एक ड्रॉ के साथ चार अंक हो गए हैं और टीम पूल डी की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने दागे तीन गोल

तीसरे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने दक्षिण अफ्रीका को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। 37वें मिनट में दीपिका ने गोल कर भारत की बढ़त 4-0 कर दी। इसके बाद लालरेसियामी ने 43वें मिनट में गोल कर स्कोर 5-0 कर दिया। वहीं 44वें मिनट में राणा साक्षी ने भारत के लिए छठा गोल दाग दिया। तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारत 6-0 से आगे था और चौथे क्वार्टर में भारत ने बढ़त को बनाए रखा, हालांकि दक्षिण अफ्रीका की कायला डी वाल ने 55वें मिनट के करीब गोल कर टीम का खाता खोला।

पुरुष टीम का पाक से मुकाबला आज



● एम्सटेलवीन / (एजेंसी)

हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम की अपने पूल के आखिरी मुकाबले में पाकिस्तान से टक्कर होगी। हरमनप्रीत सिंह की टीम को पहले मैच में वेल्स पर जीत मिली थी तो इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। वहीं इंग्लैंड से हारने के बाद पाकिस्तान ने वेल्स के खिलाफ ड्रॉ खेला। भारत अभी 3 पॉइंट के साथ अपने पूल में दूसरे नंबर पर है। इंग्लैंड की टीम पहले ही अगले राउंड में जा चुकी है। अब भारत, पाकिस्तान और वेल्स में एक ही टीम अगले राउंड में जाएगी। इस मैच में पाकिस्तान को हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी और वेल्स की इंग्लैंड के हाथों हार की भी दुआ करनी होगी जबकि भारत ड्रॉ से भी अगले दौर में पहुंच जाएगा।पाकिस्तान हॉकी विश्व कप इतिहास का सबसे सफल देश है। वहीं भारतीय टीम हॉकी में सबसे ज्यादा ओलंपिक मेडल जीतने वाली टीम है। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए भारत का पलड़ा भारी लग रहा है।



उन्नति हुड्डा ने अगले दौर में बनाई जगह

रोहन-ऋत्विका की जोड़ी बाहर

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय शटलर उन्नति हुड्डा ने म्यांमार की थेत हतार थुजार को सीधे गेम में हराकर अपने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में शानदार डेब्यू किया। अगले दौर में उन्नति का सामना कनाडा की 13वीं वरीयता मिशेल ली से होगा, जिन्होंने चीनी ताइपे की पी. चिउ को 22-20, 21-12 से हराया।

मंगलवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेले गए कड़े मुकाबले में 21 मिनट तक चली जबरदस्त रैलियों के बाद, हुड्डा ने पहला गेम 22-20 से अपने नाम किया। कोर्ट बदलने के तुरंत बाद अपनी लय बदलते हुए, हुड्डा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मैच पर पूरी पकड़ बना ली और 11-1 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, थुजार ने वापसी करते हुए अंतर को 20-16 तक कम किया, लेकिन भारतीय शटलर ने आखिरी प्वाइंट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इससे पहले, मिश्रित युगल में रोहन कपूर और ऋत्विका शिवानी की जोड़ी को कनाडा की जोनाथन लाई-क्रिस्टल लाई की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा।

▶ भारत ने दिया है 372 रन का लक्ष्य, श्रीलंका के 4 बल्लेबाज आउट

टीम इंडिया जीत से 6 विकेट दूर श्रीलंका को 288 रन की जरूरत

● गॉले / (एजेंसी)

भारत और श्रीलंका के बीच गॉले में खेले जा रहे दो मैच की सीरीज पहले मुकाबले में चार दिन का खेल पूरा हो चुका है। इस मैच में पहले दिन से दबदबा बनाने वाली भारतीय टीम सीरीज में 1-0 की बढ़त लेने से सिर्फ 6 विकेट दूर है। मैच के चौथे दिन भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 193 रन बनाए और श्रीलंका को 372 रन का टारगेट दिया। दिन खत्म होने से पहले श्रीलंका के 4 बल्लेबाज आउट हो चुके हैं और उसका स्कोर 84 रन है।

श्रीलंका अभी भी भारत से 288 रन पीछे है। 372 रन के मुश्किल टारगेट का पीछा करने आई लंकाई टीम को शुरू से ही भारतीय गेंदबाजों ने बांधकर रख दिया। मोहम्मद सिराज ने पारी के छठे ओवर में निशान मदुष्का को 6



रन बनाने के बाद आउट कर दिया। बता दें कि भारत ने पहली पारी में सभी विकेट खोकर 462 रन बनाए थे और श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई थी।

स्कोर बोर्ड

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
जायसवाल कॉ.डिकवेला बो.फर्नान्डो	0	3	0	0
राहुल कॉ.रत्नायके बो.जयसूर्या	35	47	2	2
पडिक्कल एलबीडब्ल्यू बो.नुवानथा	44	75	6	0
गिल एलबीडब्ल्यू बो.जयसूर्या	8	20	1	0
पंत कॉ.डिकवेला बो. कुमारा	66	69	8	2
जुरेल कॉ.डिकवेला बो. फर्नान्डो	7	15	1	0
जडेजा कॉ.पसिंदु बो.कुमारा	9	19	0	0
सुथार कॉ.डिकवेला बो.फर्नान्डो	9	25	1	0
कुलदीप कॉ.डीसिल्वा बो.जयसूर्या	5	10	0	0
सिराज नाबाद	2	6	0	0
प्रसिद्ध कॉ.कुमारा बो.फर्नान्डो	2	7	0	0

अतिरिक्त: 6, कुल रन: 193-10 (48.5).
विकेट पतन: 0-1, 65-2, 81-3,111-4,120-5,174-6,179-7,188-8,190-9,193-10. गेंदबाज- फर्नान्डो: 8.5-0-31-4,नुवानथा: 23-3-86-1, जयसूर्या: 11-0-43-3, डी सिल्वा: 1-0-4-0, कुमारा: 5-0-28-2.

श्रीलंका दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
मदुष्का कॉ.प्रसिद्ध बो.सिराज	6	27	0	0
उदारा कॉ.जुरेल बो.सुथार	16	58	1	0
पसिंदु एलबीडब्ल्यू बो.सुथार	0	1	0	0
मेंडिस कॉ.राहुल बो.प्रसिद्ध	2	12	0	0
डी सिल्वा नाबाद	31	73	3	0
दिनुषा नाबाद	25	36	4	0

अतिरिक्त: 4, कुल रन: 84-4 (34.0).बल्लेबाजी शेष: डिकवेला, नुवानथा, जयसूर्या,कुमारा, फर्नान्डो, चंडीमल
विकेट पतन: 13-1, 14-2,21-3,47-4. गेंदबाज- सिराज: 5-1-11-1, सुथार: 11-0-30-2, प्रसिद्ध: 8-2-13-1, जडेजा: 6-0-16-0, कुलदीप: 3-0-8-0, पडिक्कल: 1-0-5-0.

ऋषभ पंत टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बने

इसके बाद ऋषभ पंत ने श्रीलंकाई गेंदबाजों पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने 69 गेंदों में 66 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे। इस दौरान पंत टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बन गए। साथ ही वह दुनिया में सबसे कम पारियों में इस मुकाम तक पहुंचने वाले बल्लेबाज भी बने। भारत को पारी की शुरुआत में ही बड़ा झटका लगा, जब यशस्वी जायसवाल पहले ओवर की तीसरी गेंद पर खाता खोले बिना असिथा फर्नांडो की गेंद पर आउट हो गए। राहुल और पडिक्कल ने शुरुआती स्विंग और सीम का डटकर सामना करते हुए पारी को संभाला।



ईस्ट बंगाल को एससी दिल्ली की चुनौती

डूरंड कप के पहले सेमीफाइनल में भिड़ेंगी दोनों टीमें



● कोलकाता / (एजेंसी)

135वें डूरंड कप के पहले सेमीफाइनल में बुधवार को मेजबान ईस्ट बंगाल का सामना एससी दिल्ली से होगा। कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में होने वाला मुकाबला शाम सात बजे शुरू होगा। दोनों टीमों की नजरें फाइनल में जगह बनाने पर हैं। टूर्नामेंट के सभी मुकाबलों का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर और सीधा प्रसारण सोनीलिव पर किया जाएगा। ईस्ट बंगाल ने टूर्नामेंट में अब तक 14 गोल किए हैं और केवल एक गोल खाया है। वह एकमात्र गोल उसे ग्रुप चरण के शुरुआती मुकाबले में मोहन बागान सुपर जायंट के हाथों 0-1 की हार में खाना पड़ा था।

इसके बाद ईस्ट बंगाल ने लगातार चार मुकाबलों में एक भी गोल नहीं खाया। टीम ने सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स को 8-0, साउथ यूनाइटेड को 5-0 से हराया और क्वार्टर फाइनल में इंडियन आर्मी एफटी को 1-0 से मात दी।135वें डूरंड कप के पहले सेमीफाइनल में बुधवार को मेजबान ईस्ट बंगाल का सामना एससी दिल्ली से होगा।

अंपायर के मुंह पर लगी गेंद, टूटा जबड़ा



नई दिल्ली, आरएनएन। दिल्ली प्रीमियर लीग में एक बल्लेबाज का शॉट अंपायर के चेहरे पर लगा और वो चोटिल हो गए। यह घटना ईस्ट दिल्ली राइडर्स और न्यू दिल्ली टाइगर्स के बीच मैच में देखने को मिली। न्यू दिल्ली टाइगर्स की पारी के दौरान अंपायर धर्मेश भारद्वाज को चोट लग गई।

शराब पीकर गाड़ी चलाने मामले में वॉर्नर दोषी करार

● सिडनी / (एजेंसी)



ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को अब गाड़ी चलाने के लिए इंटरलॉक डिवाइस का इस्तेमाल करना होगा, क्योंकि सिडनी की एक अदालत ने शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में उन्हें दोषी पाया है। ईस्टर संडे के दिन रैंडम ब्रेथ-टेस्टिंग साइट के पास पहुंचने पर एक यात्री के साथ सीट बदलने की कोशिश करने के बाद 39 वर्षीय वॉर्नर पर शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में 1,500 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया। यह घटना पांच अप्रैल को हुई थी।

फिडे आर्बिटर परीक्षा में विक्रम सिंह रहे अव्वल

● भोपाल / (एजेंसी)



भारतीय शतरंज के क्षेत्र में मध्य प्रदेश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हुआ है, प्रदेश के प्रतिभावान एरिना ग्रैंडमास्टर (एजीएम) विक्रम सिंह तोमर ने विश्व शतरंज महासंघ (फिडे) द्वारा आयोजित 233वीं फीडे आर्बिटर परीक्षा में पूरे विश्व में प्रथम स्थान हासिल कर देश का मान बढ़ाया है। 14 देशों के 21 अनुभवी प्रतिभागियों के बीच आयोजित इस कठिन अंतरराष्ट्रीय परीक्षा में विक्रम सिंह ने शतरंज के जटिल नियमों की उत्कृष्ट समझ और त्वरित निर्णय क्षमता के बल पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। उनकी यह उपलब्धि न केवल भारतीय शतरंज और मध्य प्रदेश के खेल जगत के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है, बल्कि प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के जूडो सितारों का साई में हुआ सम्मान

साई के क्षेत्रीय निदेशक अभिषेक सिंह ने दी बधाई

● भोपाल / (एजेंसी)



स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के सेंट्रल रीजनल सेंटर (सीआरसी) भोपाल में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले जूडो खिलाड़ियों के लिए विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन और भारतीय खेलों में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर साई सीआरसी भोपाल के क्षेत्रीय निदेशक अभिषेक सिंह चौहान ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा, कॉमनवेल्थ गेम्स में हमारे जूडो खिलाड़ियों का प्रदर्शन पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। मैं यामिनी, उन्नति, इशरूप और रोहित को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूं और भविष्य की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला -57 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाली यामिनी मौर्या ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच और परिवार के निरंतर सहयोग को दिया।

ये हुए सम्मानित

- **यामिनी मौर्या**: महिला -57 किग्रा वर्ग में रजत पदक
- **उन्नति शम** (एजेंसी) किग्रा वर्ग में कांस्य पदक
- **इशरूप नरंग**: महिला -78 किग्रा वर्ग में 5वां स्थान
- **रोहित मजगुल** : पुरुष -66 किग्रा वर्ग में 7वां स्थान



ग्रीव्स और मैथ्यूज बने जुलाई के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

● दुबई / (एजेंसी)

वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों का जुलाई में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन जारी रहा। ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स और महिला टीम की कप्तान हेली मैथ्यूज को जुलाई 2026 के लिए क्रमशः आईसीसी पुरुष और महिला प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। दोनों खिलाड़ियों ने बल्ले और गेंद से प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया।

जस्टिन ग्रीव्स ने जुलाई में वेस्टइंडीज के लिए दो अहम टेस्ट मैचों में शानदार प्रदर्शन किया। श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में जब वेस्टइंडीज की टीम 144 रन पर चार विकेट गंवा चुकी थी और श्रीलंका ने पहली पारी में 549/9 का विशाल स्कोर खड़ा किया था, तब ग्रीव्स ने मोर्चा संभाला।

जिला स्तरीय ताइक्वांडो में खिलाड़ियों ने दिखाया हुनर

सेज इंटरनेशनल स्कूल में प्रतियोगिता का आयोजन



● भोपाल / (एजेंसी)

सेज इंटरनेशनल स्कूल अयोध्या नगर में जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भोपाल के लगभग 50 विद्यालयों के करीब 350 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

प्रतियोगिता के अंतर्गत मंगलवार को अंडर-14 एवं अंडर-17 वर्ग के मुकाबले संपन्न हुए, जिनमें प्रतिभागी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन तथा खेल भावना का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के आगामी चरण में कल अंडर-19 वर्ग के मुकाबले तथा विभिन्न वर्गों के फाइनल मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन एवं खेल भावना की विशेष सराहना की।

प्रबंधन ने की सराहना

प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन ने सभी खेल शिक्षकों, निर्णायकों, प्रशिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े समस्त सदस्यों के प्रयासों की भी सराहना की।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
356 = 4	278 = 7
880 = 6	346 = 3

शुभांक

दिन	रात
255 = 2	479 = 0
578 = 0	358 = 6

भाग्यांक

1 4 6 8

www.kalyangame.com

बॉयज में शुभ और गर्ल्स में अविका को प्रथम स्थान

मप्र राज्य जूनियर फिडे रेटिंग शतरंज स्पर्धा संपन्न

● भोपाल / (एजेंसी)

मध्य प्रदेश राज्य जूनियर बॉयज एवं गर्ल्स फिडे रेटिंग शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन सेज इंटरनेशनल स्कूल कोलार में किया गया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से युवा शतरंज खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

बॉयज वर्ग में ग्वालियर के शुभ खत्री ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ग्वालियर के पीयूष टोंडन द्वितीय तथा ग्वालियर के जतिन मल्कानी तृतीय स्थान पर रहे। कटनी के अथर्व पाल्टा ने चौथा स्थान हासिल



किया। गर्ल्स/वूमेन वर्ग में इंदौर की अविका पंवार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम किया। ग्वालियर की मान्या बंसल ने द्वितीय, भोपाल की पीहू जैन ने तृतीय तथा जबलपुर की अवनी शुक्ला ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

अवॉर्ड पुरस्कार के लिए 24 नामों की सिफारिश की गई थी, मंत्रालय ने 17 को दी मंजूरी

17 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड, सूची में नहीं कोई भी क्रिकेटर

● नई दिल्ली / (एजेंसी)











खेल मंत्रालय ने मंगलवार को वर्ष 2025 के लिए 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना। विश्व कप विजेता शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख, डेकाथलॉन और ऊंची कूद के एथलीट तेजस्विन शंकर और बैडमिंटन खिलाड़ी गायत्री गोपीचंद उन 17 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित किया गया। अर्जुन पुरस्कार के लिए नामितों में ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती, गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ीदार त्रिसा जॉली, ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों के रजत विजेता मुक्केबाज नरेंद्र और युवा बधिर राइफल निशानेबाज धनुष श्रीकांत भी शामिल हैं। एशियाई खेल 1962 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे फुटबॉलर आई अरुमैनायगम को आजीवन उपलब्धि के लिए अर्जुन पुरस्कार दिया गया है।

द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेताओं के नाम भी घोषित

इस सूची में किसी भी क्रिकेटर का नाम नहीं है। मोहम्मद शमी को 2023 में अर्जुन पुरस्कार दिए जाने के बाद कोई भी क्रिकेटर इस पुरस्कार के लिए नहीं चुना गया है। खेल मंत्रालय ने तीन द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेताओं के नाम घोषित किए हैं। देश के सर्वोच्च खेल सम्मान खेल रत्न में एक पदक, प्रशस्ति पत्र और 25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाता है, जबकि अर्जुन पुरस्कार विजेता को 15 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाता है। पिछले साल चार खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार दिया गया था। इनमें विश्व चैंपियन शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश, पुरुष हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह, पैरा-एथलीट प्रवीण कुमार और निशानेबाज मनु भाकर शामिल थे।

अर्जुन पुरस्कार

- तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स)
- प्रियंका गोस्वामी (एथलेटिक्स)
- नरेंद्र (मुक्केबाजी)
- विदित गुजराती (शतरंज)
- दिव्या देशमुख (शतरंज)
- धनुष श्रीकांत (बधिर शूटिंग)
- राजकुमार पाल (हॉकी)
- सुरजीत (कबड्डी)
- रुद्रांश खंडेलवाल (पैरा-शूटिंग)
- एकता भ्याण (पैरा-एथलेटिक्स)
- अरविंद सिंह (रोइंग)
- अखिल श्योराण (शूटिंग)
- त्रिसा जॉली (बैडमिंटन)
- गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन)
- लालरेम्सियामी (हॉकी)
- मोहम्मद अजमल (एथलेटिक्स)
- पूजा (कबड्डी)

अर्जुन पुरस्कार

(लाइफटाइम अचीवमेंट)
- आई अरुमैनायगम (फुटबॉल)

द्रोणाचार्य पुरस्कार

(लाइफटाइम अचीवमेंट)
- धर्मेंद्र यादव
- वीरेंद्र कुमार

द्रोणाचार्य पुरस्कार

- परवीर सिंह
- छोटे लाल यादव
- नेहा चव्हाण

रकुल प्रीत सिंह का ग्लैमरस अंदाज

थाई-हाई स्लिट गाउन में ढ़ाया कहर, तस्वीरें वायरल

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपने नए फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। सीक्वियन गाउन में उनका बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है।





बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने फैशन सेंस और स्टाइल को लेकर भी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। अभिनेत्री का हर नया लुक सोशल मीडिया पर फैंस का ध्यान खींच लेता है। हाल ही में रकुल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक शानदार फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनका ग्लैमरस और आकर्षक अंदाज देखने को मिल रहा है। तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर उनके लुक की चर्चा शुरू हो गई।

रकुल ने इस फोटोशूट के लिए भूरे और काले रंग का खूबसूरत सीक्विन गाउन चुना है। गाउन का चमकदार डिजाइन और उस पर नजर आने वाला पैटर्न उनके पूरे लुक को खास बना रहा है। विंटेज अंदाज वाले बैकग्राउंड में कराया गया यह फोटोशूट रकुल के ग्लैमरस व्यक्तित्व को और उभार रहा है।

इस गाउन में वी-नेकलाइन के साथ कमर पर डार्क बेल्ट जैसी डिजाइन दी गई है, जो पूरे परिधान को एक अलग लुक देती है। गाउन में दिया गया हाई स्लिट भी इसका खास हिस्सा है। इसके साथ ही ड्रेस के पीछे लगा बड़ा काला बो और बैकलेस डिजाइन इसे आधुनिक और स्टाइलिश अंदाज दे रहा है। रकुल ने अपने पहनावे के साथ मेकअप को भी काफी संतुलित रखा है। उन्होंने सॉफ्ट ब्राउन आईशैडो, मस्कारा से सजी पलकों, हल्के हाइलाइटेड चीकबोन्स और न्यूड-ब्राउन लिपस्टिक का चुनाव किया। उनका मेकअप उनके पूरे आउटफिट के साथ अच्छी तरह मेल खाता नजर आया।

हेयरस्टाइल की बात करें तो रकुल ने बालों को आगे से स्लीक और सेंटर-पार्टेड रखा। पीछे उन्होंने वॉल्यूमिनस कर्ली लो-पॉनीटेल बनाई, जो उनके लुक को और निखार रही थी। एक्सेसरीज में उन्होंने बड़े आकार के काले और सुनहरे रंग के ज्योमैट्रिक डैंगलर ईयररिंग्स पहने। इसके साथ हाथों में कड़े और पैरों में ब्लैक स्ट्रैपी हील्स ने उनके लुक को पूरा किया।

फोटोशूट के दौरान रकुल ने कैमरे के सामने कई अलग-अलग अंदाज में पोज दिए। कुछ तस्वीरों में वह सीढ़ियों की रेलिंग के पास खड़ी होकर कैमरे की ओर देखती नजर आई, जबकि कुछ तस्वीरों में उन्होंने साइड प्रोफाइल के जरिए अपने आउटफिट के डिजाइन को दिखाया। रकुल की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर फैंस का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। प्रशंसक उनके स्टाइल, आउटफिट और पूरे लुक की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। उनकी तस्वीरों पर लगातार लाइक्स और कमेंट्स भी आ रहे हैं। रकुल प्रीत सिंह का यह नया फोटोशूट एक बार फिर दिखाता है कि वह पारंपरिक और आधुनिक फैशन के बीच संतुलन बनाते हुए अपने लुक को किस तरह खास बनाने में माहिर हैं। उनका यह अंदाज उनके प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

वरुण धवन बनेंगे हॉरर फिल्म के हीरो

यशराज फिल्म्स अब पहली बार हॉरर यानी डरावनी फिल्म के क्षेत्र में कदम रखने जा रही है। इस फिल्म में अभिनेता वरुण धवन मुख्य भूमिका निभाएंगे। फिल्म का निर्देशन और पटकथा लेखन 'रॉकेट बॉयज़' से पहचान बनाने वाले अभय पन्नू करेंगे।

यशराज फिल्म्स अब पहली बार हॉरर यानी डरावनी फिल्म के क्षेत्र में कदम रखने जा रही है। इस फिल्म में अभिनेता वरुण धवन मुख्य भूमिका निभाएंगे। फिल्म का निर्देशन और पटकथा लेखन 'रॉकेट बॉयज़' से पहचान बनाने वाले अभय पन्नू करेंगे। फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होने की संभावना है। इसे 2027 में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना है। हालांकि, फिल्म की कहानी और नाम को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, यशराज फिल्म्स ने इस परियोजना के लिए वरुण धवन को मुख्य अभिनेता के तौर पर चुना है। यशराज फिल्म्स ने अब तक एक्शन, रोमांस, कॉमेडी, ड्रामा और रोमांच जैसे कई तरह के विषयों पर फिल्में बनाई हैं, लेकिन डरावनी फिल्मों से अब तक दूरी बनाए रखी थी। ऐसे में यह फिल्म उसके लिए एक नई शुरुआत होगी। इस फिल्म का निर्देशन अभय पन्नू करेंगे, जबकि निर्माता अक्षय विधानी इस परियोजना को आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। 'रॉकेट बॉयज़' की सफलता के बाद यह अभय पन्नू की पहली फिल्म होगी, जो सीधे सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यशराज फिल्म्स की यह परियोजना नए दौर के फिल्मकारों को बड़े पर्दे पर अपनी कहानियां पेश करने का मौका देने की रणनीति का भी हिस्सा मानी जा रही है। 'सैयारा' की सफलता के बाद आदित्य चोपड़ा के मार्गदर्शन में यशराज फिल्म्स मोहित सूरी, समीर सक्सेना और अब अभय पन्नू जैसे निर्देशकों के साथ काम कर रहा है। 'सुई धागा' के बाद वरुण धवन की यशराज फिल्म्स के साथ यह दूसरी फिल्म होगी। इस बार वह स्टूडियो की पहली डरावनी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे।



'द पैराडाइज' का टीजर रिलीज

अभिनेता नानी और राघव जुयाल की बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म 'द पैराडाइज' का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर सामने आते ही फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। इसमें नानी और राघव जुयाल के किरदारों के बीच होने वाली जबरदस्त टक्कर की झलक देखने को मिलती है। श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बनी इस फिल्म में एक्शन, ड्रामा और दमदार विजुअल्स का जबरदस्त मेल देखने को मिल रहा है। फिल्म की कहानी स्लम इलाके की पृष्ठभूमि में बुनी गई है। टीजर में नानी एक बेहद दमदार और खौफनाक अंदाज में नजर आते हैं, वहीं राघव जुयाल का किरदार भी काफी खतरनाक दिखाई दे रहा है। दोनों कलाकारों का आमना-सामना फिल्म के रोमांच को और बढ़ाता नजर आता है।

'द पैराडाइज' नानी और निर्देशक श्रीकांत ओडेला की 'दसरा' के बाद दूसरी फिल्म है। 'दसरा' की सफलता के बाद दोनों की जोड़ी से दर्शकों को इस फिल्म से भी काफी उम्मीदें हैं। फिल्म का गाना 'आया शेर' पहले ही दर्शकों के बीच अपनी जगह बना चुका है। यूट्यूब पर इस गाने को 20 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं, जबकि इसे 18 लाख से अधिक लाइक्स भी मिले हैं। सोशल मीडिया पर भी गाने की लोकप्रियता देखने को मिल रही है और इस पर बड़ी संख्या में रील्स बनाई जा चुकी हैं। एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले बनी 'द पैराडाइज' 24 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेजी, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम सहित आठ भाषाओं में दर्शकों के सामने आएगी।





एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले बनी 'द पैराडाइज' 24 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेजी, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम सहित आठ भाषाओं में दर्शकों के सामने आएगी।

'बयान' के आईएफएफएम प्रीमियर से खुश हुमा कुरैशी

अभिनेत्री हुमा कुरैशी अपनी आगामी फिल्म 'बयान' के 2026 इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) में ऑस्ट्रेलियन प्रीमियर को लेकर काफी खुश हैं। बिकास रंजन मिश्रा के निर्देशन में बनी यह हिंदी पुलिस प्रोसीजरल ड्रामा फिल्म फेस्टिवल की आधिकारिक लाइन-अप में शामिल की गई है। फिल्म का ऑस्ट्रेलियन प्रीमियर मेलबर्न में होगा। 'बयान' में हुमा कुरैशी एक जुझारू पुलिस अधिकारी रूही की भूमिका निभा रही हैं। कहानी रूही के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने करियर के पहले बड़े मामले की जांच की जिम्मेदारी संभालती है।

'बयान' में हुमा कुरैशी एक जुझारू पुलिस अधिकारी रूही की भूमिका निभा रही हैं। कहानी रूही के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने करियर के पहले बड़े मामले की जांच की जिम्मेदारी संभालती है। मामला एक प्रभावशाली धार्मिक गुरु पर लगे यौन शोषण के आरोपों से जुड़ा है।

मामला एक प्रभावशाली धार्मिक गुरु पर लगे यौन शोषण के आरोपों से जुड़ा है। जांच आगे बढ़ने के साथ रूही को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। उसे व्यवस्था की चुनौतियों के साथ-साथ ऐसे लोगों से भी जूझना पड़ता है, जो सामने आकर गवाही देने से डरते या हिचकिचाते हैं। इस दौरान फिल्म सत्ता, सच्चाई और न्याय के बीच के जटिल रिश्ते को भी सामने लाती है। फिल्म को लेकर हुमा कुरैशी ने कहा कि 'बयान' उनके करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण और भावनात्मक रूप से संतोष देने वाली फिल्मों में से एक है। उनके मुताबिक, रूही ऐसा किरदार है जो तमाम दबावों के बावजूद अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करती।

इस भूमिका ने उन्हें बतौर कलाकार खुद को नए तरीके से समझने और सीखने का मौका दिया। हुमा ने यह भी कहा कि फिल्म की खासियत सिर्फ इसकी जांच-पड़ताल और रोमांच में नहीं है, बल्कि यह सत्ता, सच और न्याय जैसे गंभीर मुद्दों पर भी सवाल खड़े करती है। उन्होंने आईएफएफएम 2026 में फिल्म के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए उम्मीद जाहिर की कि दर्शक 'बयान' की कहानी से जुड़ेंगे और फिल्म का असर लंबे समय तक उनके साथ रहेगा।

थलपति विजय व संगीता में सुलह!

तमिल सुपरस्टार और अभिनेता से नेता बने थलपति विजय की निजी जिंदगी से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। विजय और उनकी पत्नी संगीता सोरनलिंगम के बीच चल रहे तलाक के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। संगीता ने चेंगलपट्टू जिला अदालत में दायर अपनी तलाक की याचिका वापस ले ली है। उनकी याचिका वापस लेने के बाद अदालत ने मामले का निपटारा कर दिया। यानी फिलहाल थलपति विजय और संगीता के बीच तलाक की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों के बीच समझौता हो गया है और पारिवारिक विवाद को खत्म करने की दिशा में सहमति बनी है।

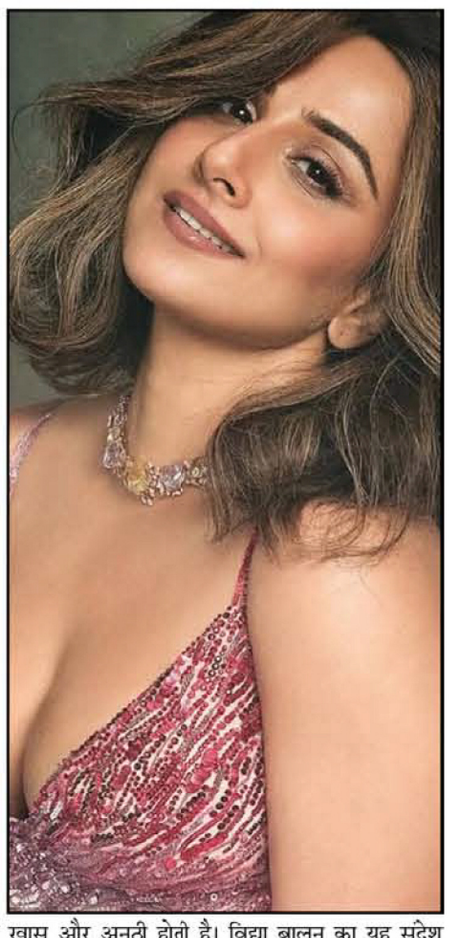


संगीता सोरनलिंगम ने फरवरी 2026 में विजय से तलाक की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था। अपनी याचिका में उन्होंने विजय पर गंभीर आरोप लगाए थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, संगीता ने दावा किया था कि विजय का एक महिला अभिनेत्री के साथ कथित संबंध था और उन्हें इसकी जानकारी वर्ष 2021 में हुई थी। संगीता का आरोप था कि विजय ने इस रिश्ते को खत्म करने का भरोसा दिलाया था, लेकिन बाद में भी कथित तौर पर वह संबंध जारी रहा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि विजय उस अभिनेत्री के साथ सार्वजनिक जगहों के अलावा विदेश यात्राओं पर भी जाते रहे। मामले की सुनवाई के दौरान संगीता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत के सामने पेश हुईं। उन्होंने कोर्ट को बताया कि वह अब तलाक की याचिका को आगे नहीं बढ़ाना चाहतीं। 'इंडिया टुडे' की रिपोर्ट के मुताबिक, अदालत के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि संगीता के बयान के आधार पर उनकी याचिका वापस लेने की अर्जी स्वीकार कर ली गई। इसके बाद अदालत ने मामले को वापस लिया हुआ मानते हुए उसका निपटारा कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिवादी पक्ष के वकील को भी नोटिस भेजा गया था और उन्होंने याचिका वापस लेने पर कोई आपत्ति नहीं जताई। इसके बाद अदालत ने मामले को समाप्त कर दिया। तलाक की याचिका को लेकर थलपति विजय और संगीता का रिश्ता लंबे समय से चर्चा में था। संगीता ने कथित तौर पर विजय पर मानसिक प्रताड़ना समेत कई आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि उन्हें वर्ष 2021 में विजय के कथित अफेयर के बारे में जानकारी मिली थी। संगीता के मुताबिक, आश्वासन के बावजूद यह रिश्ता पूरी तरह खत्म नहीं हुआ और विजय का उस अभिनेत्री के साथ मेलजोल जारी रहा। इन आरोपों के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया और मीडिया में भी काफी चर्चा हुई थी। तलाक की कार्यवाही के दौरान संगीता ने विजय के चेन्नई स्थित घर में रहने की अनुमति भी मांगी थी।

विद्या बालन ने बुनकरों को किया सलाम

नेशनल हैंडलूम डे के मौके पर बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने भारतीय हथकरघा परंपरा और इसे पीढ़ियों से आगे बढ़ाने वाले बुनकरों व कारीगरों को सम्मान दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो और संदेश साझा करते हुए लोगों से असली हैंडलूम सिल्क और सिल्क मार्क वाले उत्पाद खरीदने की अपील की।

विद्या बालन ने अपने संदेश में कहा कि हर हैंडलूम सिल्क साड़ी अपने भीतर एक ऐसी कहानी समेटे होती है, जिसे मशीन कभी दोहरा नहीं सकती। उन्होंने कहा कि नेशनल हैंडलूम डे उन कारीगरों को सम्मान देने का अवसर है, जिनकी मेहनत, कला और हुनर ने भारत की समृद्ध बुनाई परंपराओं को आज तक जीवित रखा है। अभिनेत्री ने लोगों से शुद्ध रेशम की खरीदारी करते समय सिल्क मार्क जरूर देखने की अपील की। उन्होंने बताया कि यह शुद्ध रेशम की पहचान करने में मदद करता है और उपभोक्ताओं को असली सिल्क उत्पाद चुनने में भरोसा देता है। अपने वीडियो में विद्या बालन ने हथकरघा साड़ियों की खासियत बताते हुए कहा कि इनके हर धागे, मोटिफ और बारीकी के पीछे कारीगरों की मेहनत और पीढ़ियों से चली आ रही कला की झलक दिखाई देती है। यही वजह है कि प्रत्येक हैंडलूम सिल्क साड़ी अपने आप में खास और अनूठी होती है। विद्या बालन का यह संदेश सिर्फ हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय बुनाई की समृद्ध विरासत और उससे जुड़े लाखों कारीगरों के योगदान को पहचान देने की कोशिश भी है। उनका संदेश लोगों को पारंपरिक भारतीय शिल्प को अपनाने और स्थानीय कारीगरों की मेहनत का समर्थन करने के लिए प्रेरित करता है।



मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh™
MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.

HDFC BANK
We understand your world

Mega Exchange Offer
Limited time only

Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models

- Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
- Assured Gifts upto ₹12448/-
- Total Exchange Benifits ₹24448/-

Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above

Hurry !!! Rush to your nearest dealer

Customer care no. : 18001209630